कोटद्वार, गुरूवार
30 अप्रैल 2026
वर्षः 49
अंकः 11 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

राजस्थान में गर्मी के चलते ट्रेन के ब्रेक में आग

एमपी में 20 कूलर के साथ निकाली बारात, यूपी के 15 शहरों में आंधी-बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई शहर हीटवेव की चपेट में हैं। ज्यादातर हिस्सों में तापमान 40-46°C के बीच है। मध्य प्रदेश के देवास में गर्मी से बचने के लिए 20 कूलर के साथ बारात निकाली गई। राजस्थान के धौलपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के एक जनरल कोच के निचले हिस्से में आग लग गई। रेलवे के सूत्रों के मुताबिक, गर्मी के कारण ब्रेक पैडल वाले हिस्से में आग लगी थी। मंगलवार को यूपी का बांदा 45.6°C तापमान के साथ देश का सबसे गर्म शहर रहा। ओडिशा के झारसुगुड़ा में 45.3°C से ज्यादा तापमान रहा। यहां लू सेंटर बनाए जा रहे हैं, जहां ठंडा पानी और ग्लूकोज का इंतजाम होगा। यूपी के 15 शहरों में आंधी-बारिश हुई। प्रयागराज और आगरा समेत 6 जिलों में आज ओले गिरे। इससे पहले मंगलवार को प्रयागराज में गर्मी और लू को देखते हुए जगह-जगह वाटर ATM लगाए गए हैं। IMD के मुताबिक आज 17 राज्यों में भी आंधी-बारिश हो सकती है। यूपी, राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश, दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में 60 की रफ्तार से आंधी भी चल सकती है। IMD के मुताबिक, आज 10 राज्यों में तेज

बारिश की संभावना है। इनमें अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, बिहार, सिक्किम, तिरिपुर, नगालैंड, मणिपुर और मिजोरम शामिल हैं। वहीं, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में ओले गिर सकते है। दिल्ली-एनसीआर में बुधवार सुबह मौसम बदल गया। मंगलवार देर रात से ही 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल रही हैं। दिल्ली मौसम विभाग के अनुसार, आज दिन भर आसमान में बादल छाए रहेंगे और कुछ हिस्सों में हल्की बूंदाबांदी की भी होगी। मिजोरम के ऐजोल, सेरछिप और लुंगलेई जिलों में भारी बारिश और तेज हवाओं के जारी रहने के कारण बुधवार को लगातार दूसरे दिन भी सभी स्कूल बंद रहे। स्कूल शिक्षा निदेशक एंजेला जोथनपुई ने बताया कि दक्षिणी जिलों हनहथियाल और लॉग्टलाई के स्कूल, जो मंगलवार को खुले रहे थे, उन्होंने भी बुधवार को बंद रहने का आदेश दिया है। राजस्थान मौसम विभाग के अनुसार, आज 15 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। जयपुर, दौसा, अलवर में सुबह हल्की बरसात हुई। उत्तर प्रदेश के नोएडा,संभल और मथुरा में बुधवार सुबह आंधी चली और बारिश हुई। बिहार मौसम विभाग का कहना है कि पटना समेत आसपास के जिलों में अगले 24 घंटे के दौरान हल्की बारिश और तेज हवा चलने की संभावना है। हरियाणा के फरीदाबाद, नारनौल और पलवल में बुधवार सुबह बारिश हुई। सोनीपत, पानीपत, जींद, हिसार के आसपास के इलाकों में बादल छाए हुए हैं। यहां भी बारिश होने के आसार हैं। राज्य में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से तापमान में गिरावट हुई है।

जेल से छूटकर भी इंदौर नहीं आ पाएगी सोनम रघुवंशी

भोपाल (एजेंसी)। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड में बड़ा मोड़ आया है। मेघालय की राजधानी शिलॉन्ग में हनीमून के दौरान पति राजा के मर्डर की मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी को गिरफ्तारी के करीब 320 दिन बाद जमानत मिल गई है। हालांकि, अदालत ने शर्त रखी है कि ट्रायल के दौरान सोनम को शिलॉन्ग में ही रहना होगा। शिलॉन्ग कोर्ट ने सोमवार को उसकी जमानत मंजूर कर ली। मंगलवार को सोनम के पिता देवी सिंह शिलॉन्ग पहुंचे और जमानत भर दी। इसके बाद मंगलवार शाम को सोनम जेल से रिहा हो गई। रिहाई के बाद मीडियाकर्मियों ने सवाल किए तो पिता और बेटी बिना कुछ कहे वहां से निकल गए। बता दें कि कोर्ट ने चौथी सुनवाई के बाद सोनम को राहत दी है। सोनम की जमानत की मुख्य वजह गिरफ्तारी प्रक्रिया में खामियां रहीं। उसके वकील ने दलील दी कि 7 जून 2025 को गाजीपुर में गिरफ्तारी के समय कारण स्पष्ट नहीं बताया गया था। अदालत ने जांच में दस्तावेज में गंभीर त्रुटियां पाईं। कोर्ट ने अनुच्छेद 22(1) का हवाला देते हुए कहा कि गिरफ्तार व्यक्ति को तुरंत कारण बताना अनिवार्य है। ऐसा न करना मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। सोनम के वकील ने दलील दी कि वह 9 जून 2025 से जेल में बंद है और 10 महीने से ज्यादा न्यायिक हिरासत में बिता चुकी है।

शेयर बाजार में हरियाली, सेंसेक्स 609 अंक चढ़कर बंद हुआ

मुम्बई (एजेंसी)। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार में शानदार रिकवरी देखने को मिली है। शुरूआती कारोबार में भारी उछाल के बाद, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के दबाव के बावजूद दोनों प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। इस रिकवरी से निवेशकों को बड़ा फायदा हुआ है और बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण में लगभग 2 लाख करोड़ रुपये की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे यह आंकड़ा बढ़कर 469 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। कारोबारी सत्र की शुरूआत काफी आक्रामक रही, जब सेंसेक्स 1,000 से अधिक अंक उछला और निफ्टी ने 24,300 का अहम स्तर पार कर लिया था, जिससे शुरूआती दौर में बाजार पूंजीकरण करीब 5 लाख करोड़ रुपये बढ़ गया था। हालांकि, दोपहर तक ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों के 115 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंचने के कारण बाजार ने अपनी लगभग आधी शुरूआती बढ़त गंवा दी।

मोदी ने यूपी के सबसे लंबे एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया

हरिद्वार से भी जुड़ेगा, पीएम बोले- बंगाल जैसी बंपर वोटिंग दशकों में नहीं देखी

हरदोई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को यूपी के हरदोई में प्रदेश के सबसे लंबे गंगा एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया। जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम ने ऐलान किया कि एक्सप्रेस-वे को हरिद्वार से भी जोड़ा जाएगा। पीएम ने सपा और कांग्रेस पर कहा- सपा विकास और नारी विरोधी है। बीते दिनों एक बार फिर देश ने इनका नारी विरोधी चेहरा देखा है। इन लोगों ने नारी शक्ति वंदन संशोधन के खिलाफ वोट किया। पीएम ने पश्चिम बंगाल में चल रही दूसरे चरण की वोटिंग का जिक्र किया। कहा- जो खबरें आ रही हैं, उनसे पता चलता है कि बंगाल में भारी मतदान हो रहा है। ऐसी वोटिंग दशकों में नहीं देखी। इससे पहले पीएम ने एक्सप्रेस-वे के किनारे पेड़ लगाया। सीएम योगी के साथ एक्सप्रेस-वे पर पैदल भी चले। 594 किलोमीटर लंबा यह

एक्सप्रेस-वे मेरठ को प्रयागराज से जोड़ेगा। इससे मेरठ से प्रयागराज की दूरी सिर्फ 6 घंटे में पूरी होगी। अब तक 11-12 घंटे लगते थे। एक्सप्रेस-वे करीब 37,350 करोड़ रुपए की लागत से 5 साल में बनकर तैयार हुआ है। इस हिसाब से 1 किलोमीटर एक्सप्रेस-वे की औसत लागत करीब 62 करोड़ 87 लाख रुपए है। मोदी ने ही 18 दिसंबर, 2021 को शाहजहांपुर में एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास किया था। इससे पहले पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे यूपी का सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे था, जिसकी लंबाई 340 किमी है। मुझे खुशी है कि यूपी सरकार ने इस एक्सप्रेस-वे का नाम मां गंगा के नाम पर रखा है। इसमें विकास का हमारा विजन भी झलकता है। हमारी विरासत के भी दर्शन होते हैं। डबल इंजन सरकार में शिलान्यास भी होता है और उद्घाटन भी होता है। यह सिर्फ हाई-स्पीड सड़क नहीं है, बल्कि नए सपनों का गेटवे है। पिछली सरकारों ने अपनी करतूतों के कारण अपराध और जंगलराज को यूपी की पहचान बना दिया। यूपी के माफियाओं पर फिल्में बनती थीं। आज यूपी की कानून व्यवस्था का देशभर में उदाहरण दिया जाता है। संसाधनों का बंदरबांट करने वाले जिन सपाइयों के हाथ से सत्ता गई, उन्हें यूपी की यह प्रगति पसंद नहीं आ रही है। वे यूपी को पुराने दौर में धकेलना चाहते हैं। बंगाल में पहले चरण की तरह ही जनता वोट देने के लिए बड़ी संख्या में घरों से निकल रही है। लंबी-लंबी कतारों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। पिछले 6-7 दशक में जो नहीं हुआ, जिसकी कल्पना भी मुश्किल थी, लोग भयमुक्त होकर वोट दे रहे हैं। मुझे विश्वास है कि इन पांच राज्यों के चुनाव में भी भाजपा ऐतिहासिक जीत की हैट्रिक लगाने जा रही है। एनडीए सरकार नारी शक्ति वंदन संशोधन लेकर आई थी। अगर यह संशोधन पास हो जाता तो 2029 के चुनाव से ही महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में आरक्षण मिलता, लेकिन सपा ने इसके खिलाफ वोट किया। सपा कभी भी परिवारवाद और जातिवाद से ऊपर नहीं उठ सकती। ये लोग हमेशा विकास विरोधी राजनीति करेंगे। यूपी के लोगों को सपा से सावधान रहना है।

दिल्ली हाईकोर्ट में वर्चुअल सुनवाई में अश्लील वीडियो चला

स्क्रीन पर दिखा हैक का मैसेज, गाने भी बजे

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट में बुधवार को वर्चुअल सुनवाई के दौरान अश्लील वीडियो चल गया। उस वक्त चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस खरिया की बेंच सुनवाई कर रही थी। यह मामला दोपहर 12:56 बजे का है। यह साफ नहीं हुआ है कि यह वारदात के वक्त बेंच किस मामले में सुनवाई कर रही थी। जैसे ही पोर्न वीडियो चला, फौरान सुनवाई रोक दी गई। कुछ मिनट बाद सुनवाई दोबारा शुरू हुई, फिर पोर्न वीडियो चलने लगा। मामले की शिकायत दिल्ली पुलिस की क्राइम यूनिट को दी गई है। वर्चुअल सुनवाई के दौरान कई लोग जुड़े हुए थे। इनमें एक क्षितिजीत सिंह थे। शुरूआती पूछताछ में क्षितिजीत ने दावा किया कि उसका अकाउंट अमेरिका से हैक किया गया था। उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि सुनवाई के दौरान वह अश्लील वीडियो कैसे चला। उन्होंने बताया कि उनकी स्क्रीन पर आपका सिस्टम हैक हो गया है, का मैसेज आया था। फिर मेरे लॉगिन

से दो बार पोर्ट वीडियो चलाया। तीसरी बार उसने म्यूजिक चलाकर सुनवाई में बाधा डाली। इसके बाद वर्चुअल कार्यवाही बंद कर दी गई। दरअसल, बुधवार को 100 से ज्यादा जनहित याचिकाओं (PIL) पर सुनवाई हो रही थी। ये मामला उसी दौरान समाने आया। मामले पर दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने कहा कि प्रशासनिक स्तर पर रजिस्ट्रार जनरल को आवश्यक निर्देश दिए गए। अदालत की कार्यवाही रिकॉर्ड करना नियमों के विरुद्ध है। यदि किसी ने रिकॉर्डिंग की है तो कार्रवाई करेंगे। 2025- नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (मुंबई) में दिसंबर 2024 में डिजिटल डिस्प्ले सिस्टम हैक होने के कारण अदालत के स्क्रीन पर अश्लील वीडियो क्लिप चल गए। 2025- नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (कोलकाता) में जुलाई 2025 में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुनवाई के दौरान एक अज्ञात व्यक्ति ने जुड़कर अश्लील कंटेंट स्क्रीन-शेयर कर दिया।

भाजपा के प्रवेश वाही दिल्ली के नए महापौर, कांग्रेस के जहीर को बड़े अंतर से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के वरिष्ठ पार्षद प्रवेश वाही को दिल्ली का नया महापौर चुना गया है। उन्होंने महापौर चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार जहीर को बड़े अंतर से हराया। इस चुनाव में कुल 165 सांसदों, विधायकों और पार्षदों ने मतदान किया था। डाले गए सभी मतों को वैध पाया गया। प्रवेश वाही को कुल 156 मत प्राप्त हुए। वहीं, कांग्रेस उम्मीदवार जहीर को केवल नौ मत मिले। इस तरह, प्रवेश वाही ने जहीर को 147 मतों के भारी अंतर से पराजित किया। यह भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक जीत है। उपमहापौर पद के चुनाव में मतदान नहीं कराया गया कांग्रेस ने

महापौर पद के चुनाव में मिले मतों को स्वीकार किया। इस तरह भाजपा की मोनिका पंत उपमहापौर पद पर निर्वाचित हुई। एमसीडी में मेयर और डिप्टी मेयर चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने बड़ा सियासी फैसला लेते हुए इन दोनों चुनावों का बहिष्कार किया। आप के पार्षद, सांसद और विधायक मेयर व डिप्टी मेयर चुनाव के दौरान सदन में मौजूद नहीं रहे। हालांकि, स्थायी समिति के तीन सदस्यों के चुनाव के दौरान पार्टी सदन में भागीदारी करेगी। स्थायी समिति के लिए तीन सीटों पर तीन ही नामांकन दाखिल हैं। इनमें भाजपा के दो पार्षद और आम आदमी पार्टी का एक पार्षद शामिल है। ऐसे में तीनों सदस्यों का निर्वाचन बिना मतदान के तय माना जा रहा है। यही वजह है कि आप इस प्रक्रिया में शामिल होगी ताकि उसका एक सदस्य समिति में पहुंच सके। मेयर और डिप्टी मेयर चुनाव से दूरी को आप ने सियासी रणनीति बताया है। पार्टी का कहना है कि वह भाजपा को एक और मौका देना चाहती है ताकि राजधानी की जनता भाजपा के कामकाज का आकलन कर सके।

अफसर की हत्या करने वाला रामधनी यादव का एनकाउंटर

भागलपुर। बिहार में योगी स्टाइल में भागलपुर हत्याकांड के आरोपी का एनकाउंटर हुआ है। मर्डर के 12 घंटे के अंदर पुलिस ने अपराधी को ढेर कर दिया है। शाम 7 बजे नमानी गंगे घाट पर अंतिम संस्कार किया जाएगा। भागलपुर में मंगलवार दोपहर 3 बजे सुल्तानगंज नगर

परिषद ऑफिस में सरकारी अफसर की हत्या हुई थी। बदमाशों ने चेयरमैन को भी गोली मारी थी। देर रात 2.30 बजे पुलिस एनकाउंटर में अपराधी मारा गया। मुठभेड़ में ऊढ नवीन, इंस्पेक्टर परमेश्वर और इंस्पेक्टर मृत्यंजय भी घायल हुए हैं। एनकाउंटर सुल्तानगंज थाने से महज 200 मीटर दूर बाइपास रोड इलाके में हुआ है। जहां मुठभेड़ हुई है, वहां से रामधनी यादव का घर 100 मीटर की दूरी पर है। सूत्रों के मुताबिक, भागलपुर पुलिस ने रामधनी यादव के चारों बेटों, पत्नी नीलम देवी समेत कुल 8 लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। सुल्तानगंज थाने और आसपास इलाकों में पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। खुद IG मौके पर पहुंचे हैं और हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ कर रहे हैं। दोपहर करीब 2.30 बजे पुलिस शव को पोस्टमॉर्टम के लिए ले गई।

बंगाल में सेकेंड फेज में 92 प्रतिशत हुआ मतदान

ममता बोलीं: सीआरपीएफ ने महिलाओं-बच्चों को मारा, बूथ कैप्चर किए: भाजपा का आरोप- ईवीएम में बीजेपी बटन पर टेप लगाया

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सेकेंड फेज की 142 सीटों पर वोटिंग खत्म हो गई है। शाम 7 बजे तक के आकड़ों के मुताबिक, 91.79% वोटिंग हुई है। यह और बढ़ सकता है। वोटिंग के दौरान कई जगहों पर हिंसा, झड़प, लाठीचार्ज और एश्ट से छेड़छाड़ की घटनाएं सामने आईं। नॉर्थ 24 परगना के अरविंद रैली में TMC और भाजपा कार्यकताओं में हिंसक झड़प हुई। दोनों पार्टियों के कार्यकताओं ने एक-दूसरे को दौड़ा-दौड़ाकर मुक्के, लाठियों से हमले किए। भारी संख्या में सुरक्षाबलों की मौजूदगी के बावजूद हालात बेकाबू दिखे। TMC ने आरोप लगाया कि CRPF के हमले से हावड़ा के उदयनारायणपुर में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। TMC महासचिव अभिषेक बनर्जी ने दावा किया कि बुजुर्ग अपने बेटे के साथ वोट डालने गए थे। केंद्रीय बलों ने उन्हें धक्का दिया और मारपीट की। बुजुर्ग को अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। बुधवार को जिन 142 सीटों पर चुनाव हुए हैं, उनमें से 123 सीटों पर TMC ने 2021 के विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज की थी। पहले फेज की 152 सीटों पर 23 अप्रैल को रिकॉर्ड 93%

मतदान हुआ था। 4 मई को बंगाल विधानसभा की सभी 254 सीटों के रिजल्ट आएंगे। इस बीच सीएम ममता ने आरोप लगाया है कि CRPF भाजपा को बचाने में जुटी है। ममता ने कोलकाता में कहा- किसी बूथ पर बंगाल पुलिस नहीं है, CRPF ने सब कब्जे में ले लिया है। इधर, भाजपा ने आरोप लगाया कि डायमंड हार्बर के फालता में एश्ट में BJP के बटन पर टेप लगाया गया है। चुनाव आयोग ने कहा कि जिन मतदान केंद्रों पर ऐसी शिकायतें सही मिलेंगी, वहां दोबारा चुनाव होंगे। पूर्वी बर्धमान के बिरूरी में एक स्कूल के पास बम की खबर मिली है। मौके पर NIA, CID और अन्य केंद्रीय एजेंसियां पहुंची हैं। सर्च ऑपरेशन जारी है। भवानीपुर में ममता के खिलाफ चुनाव लड़ रहे BJP उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी को एक बूथ पर TMC समर्थकों ने घेर लिया और चोर-चोर के नारे लगाए। जिन 142 सीटों पर वोटिंग हुई, उनमें से 123 सीटों पर TMC ने 2021 के विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज की थी। पहले फेज की 152 सीटों पर 23 अप्रैल को रिकॉर्ड 93% मतदान हुआ था। 4 मई को रिजल्ट आएंगे। ममता बनर्जी ने कहा, बंगाल में भाजपा हार रही है। हम दो-तिहाई बहुमत के साथ अपनी सरकार बनाने जा रहे हैं। ममता बनर्जी ने कहा- CRPF वोटरों और सेंट्रल ऑब्सर्वर लोगों को मार रहे हैं।

उन्होंने महिलाओं और बच्चों को भी नहीं छोड़ा। कल रात से उन्होंने अत्याचार शुरू किया। हमारे कितने लोगों को उन्होंने हिरासत में लिया। यह कंटेम्प्ट ऑफ कोर्ट है, मैंने कभी इस तरह का लोकतंत्र नहीं देखा। हमारी जीत होगी, TMC जीत रही है। वोटिंग के बीच सीएम ममता बनर्जी ने मीडिया से बात की। उन्होंने केंद्रीय सुरक्षाबलों पर चुनाव में दखल देने का आरोप लगाया। ममता ने कहा- भाजपा बॉर्डर के बजाय पार्टी

सुधार के नाम पर धर्म को खोखला नहीं कर सकते

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- आस्था और विवेक के मामलों पर कोर्ट में बहस नहीं हो सकती

केरलम (एजेंसी)। सबरीमाला मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने एडवोकेट इंदिरा जयसिंह की दलीलों के जवाब में कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म को खोखला नहीं किया जा सकता। आस्था और विवेक के मामलों पर कोर्ट में बहस नहीं हो सकती। एडवोकेट जयसिंह ने सुनवाई के 10वें दिन कहा कि सबरीमाला मंदिर में एंट्री का फैसला अब भी लागू है। इस पर स्टे नहीं है लेकिन मंदिर में प्रवेश नहीं मिल

रहा है। जयसिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट इसकी रिव्यू पिटिशन पर सुनवाई कर रहा है। हालांकि, कोर्ट कभी यह तय नहीं करता कि धर्म में क्या जरूरी है या और क्या नहीं। इसका फैसला तो धर्म ही करता है। इस पर जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि हम इस भूमि के सभ्यता के विकास और धार्मिक इतिहास को नजरअंदाज नहीं कर सकते। इसी बैकग्राउंड से संविधान के आर्टिकल 25 और 26 आए हैं। इस पर जयसिंह ने कहा कि इस पर डिबेट हो सकती है। यह क्लीन स्लेट है। सबरीमाला मंदिर मामले पर 7 अप्रैल से सुनवाई शुरू हुई थी। इस दौरान केंद्र सरकार ने महिलाओं की एंट्री के विरोध में दलीलें रखीं। सरकार ने कहा था कि देश के कई देवी मंदिरों में पुरुषों की एंट्री भी बैन है, इसलिए धार्मिक परंपराओं का सम्मान किया जाना चाहिए। भारत में धार्मिक विवादों के निपटारे के लिए अलग अदालतें नहीं हैं। आप जानते हैं कि अन्य देशों में ऐसा ही होता है। पाकिस्तान और बांग्लादेश में ऐसी अदालतें हैं। हमारे यहां शरिया अदालतें नहीं हैं, न ही धार्मिक अदालतें हैं. ऐसे में आप (सुप्रीम कोर्ट) किसी भी ऐसे व्यक्ति की अपील नकार नहीं सकते जो आपके समक्ष कोई वास्तविक विवाद लेकर आता है। जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि हम इस भूमि के सभ्यता के विकास और धार्मिक इतिहास को नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं। आखिर इसी बैकग्राउंड से संविधान के आर्टिकल 25 और 26 आए हैं। संविधान और बाकी सब ठीक है लेकिन हमें इतिहास नहीं भूलना चाहिए। इतिहास ही वर्तमान का निर्माण करता है। आप अतीत को नजरअंदाज करके यह नहीं कह सकते कि यह एक कोरी स्लेट है।

कुमाऊं में खुलेगा वन विकास निगम का कार्यालय : धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड वन विकास निगम के रजत जयंती समारोह में किया प्रतिभाग

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को उत्तराखंड वन विकास निगम स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर, मुख्यमंत्री आवास में आयोजित ह्लरजत जयंती समारोहह्व में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कुमाऊं मंडल में भी वन विकास निगम का कार्यालय खोलने की घोषणा की। मौन पालन को और बढ़ावा देने के लिए वन क्षेत्र में बी-बॉक्स स्थापित करने का प्रस्ताव कैबिनेट में लाने के निर्देश दिए। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने वन विकास निगम के कर्मचारियों के बच्चों को सम्मानित भी किया, जिन्होंने बोर्ड परीक्षाओं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वन विकास निगम राज्य की इकोनॉमी के साथ ही इकोलॉजी के लिए भी महत्वपूर्ण है। निगम वनों के वैज्ञानिक प्रबंधन, वन उपज के टिकाऊ दोहन, आरक्षित वन क्षेत्रों में खनन और इको-टूरिज्म संचालन का कार्य करता है, साथ ही वन उत्पादों और प्रमाणित लकड़ी की सरकारी आपूर्ति करता है। उन्होंने कहा कि वन विकास निगम केवल आर्थिक गतिविधियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि वन क्षेत्रों से सूखे, मृतप्राय और उखड़े हुए पेड़ों को हटाकर उनकी जगह नए वन क्षेत्र विकसित करने में भी सहयोग कर रहा है। साथ ही, इको-टूरिज्म के माध्यम से युवाओं और छात्रों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का भी कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री ने हिमकाष्ठ मोबाइल एप्लीकेशन का लोकार्पण करते हुए कहा कि इस एप्लीकेशन के माध्यम से वन विकास निगम से लकड़ी की बिक्री की जा सकेगी। साथ ही फॉरेस्ट गुड्ज का ऑनलाइन ऑक्शन भी किया जा सकेगा। कहा कि निगम की आधुनिक ई-नीलामी प्रणाली और अन्य ऑनलाइन प्रक्रियाओं ने इस क्षेत्र में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को मजबूत करने का काम किया है। ये डबल इंजन सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड वन विकास निगम ने अपनी इन 25 वर्षों की यात्रा में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। पिछले वर्ष उत्तराखंड वन विकास निगम ने 167 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया। ये उपलब्धि इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि जब नीति और नीयत साफ हो, तो संसाधनों का सही उपयोग विकास को नई दिशा दे सकता है। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, वन मंत्री सुबोध उनियाल, विधायक श्रीमती सविता कपूर, मोहन सिंह बिष्ट, सुरेश गड़िया, प्रमोद नैनवाल, प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, प्रमुख वन संरक्षक रंजन कुमार मिश्र, सचिव सी. रविशंकर, प्रबंध निदेशक वन विकास निगम श्रीमती नीना ग्रेवाल मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने विकास योजनाओं के लिए 16 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति दी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने 5 अगस्त 2025 को यमुना नदी का जल स्तर में आंशिक अवरोध होने से ग्राम कुन्शाला मध्ये स्थान स्यानाचट्टी में बनी झील में जलमग्न होटलों/भवनों के 19 प्रभावितों को मुख्यमंत्री राहत कोष से 61.09 लाख तथा जनपद टिहरी गढ़वाल की तहसील धनोल्टी, टिहरी, प्रतापनगर, जाखणीधार एवं मदननेगी के विभिन्न गांव में वित्तीय वर्ष 2025-26 में अतिवृष्टि एवं भू-स्खलन से प्रभावित परिवार जो किराये के भवनों में निवासरत हैं, को 06 माह के किराये के भुगतान हेतु 4 हजार प्रति माह प्रति परिवार की दर से कुल 19.28 लाख मुख्यमंत्री राहत कोष से स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। मुख्यमंत्री द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के आय-व्ययक में प्राविधानित धनराशि में से प्रत्येक जनपद हेतु अनटाइड फण्ड के अन्तर्गत कुल 13 करोड़ की धनराशि जनपदों को अवमुक्त किए जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद देहरादून की पित्थूवाला शाखा के अन्तर्गत श्रद्धा एन्कलेव में सीवर लाईन बदलने एवं संधू एन्कलेव और प्रियदर्शिनी एन्कलेव में एसपीएस निर्माण हेतु धनराशि 2.43 करोड के प्रस्ताव पर अनुमोदन प्रदान किया गया है।

इकोलॉजी और इकोनॉमी का संतुलन

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि घने जंगल, ऊंचे-ऊंचे शिखर, विशाल ग्लेशियर, पवित्र नदियां और समृद्ध जैव विविधता, देवभूमि उत्तराखंड की अमूल्य धरोहर हैं। अपनी इस प्राकृतिक संपदा की रक्षा करना न केवल हमारी जिम्मेदारी है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा कर्तव्य भी है। उन्होंने कहा कि ये प्राकृतिक धरोहरें राज्य के आर्थिक विकास के लिए ही नहीं बल्कि हमारी लोक संस्कृति और लोक परंपरा का भी अत्यंत महत्वपूर्ण अंग है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में इकोनॉमी, इकोलॉजी और टेक्नोलॉजीह्व के बीच संतुलन स्थापित करते हुए आगे बढ़ रही है।

संक्षिप्त समाचार

लॉ कॉलेज में दाखिले के नाम पर ठगी में प्रधानाचार्य समेत दो पर मुकदमा

हरिद्वार। ज्वालापुर क्षेत्र के एक युवक ने लॉ कॉलेज में दाखिले और परीक्षा फार्म भरवाने के नाम पर ठगी करने आरोप लगाया है। आरोप है कि कॉलेज प्रशासन ने उससे अलग-अलग मदों में 93 हजार 500 रुपये वसूले, लेकिन न तो दाखिला कराया और न ही परीक्षा फार्म भरा गया। बुधवार को पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर प्रधानाचार्य अशोक तिवारी और ज्वाइंट सेक्रेटरी शिवम शर्मा के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक ग्राम सराय, ज्वालापुर निवासी समीर ने कोर्ट में शिकायत कर बताया कि उसने पावधोई मोहल्ला, इदगाह रोड, ज्वालापुर स्थित पंडित पूर्णानन्द तिवारी लॉ कॉलेज में एलएलबी प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने के लिए संपर्क किया था। इस दौरान कॉलेज के प्रधानाचार्य अशोक तिवारी और ज्वाइंट सेक्रेटरी शिवम शर्मा ने प्रवेश परीक्षा फार्म न भरने का हवाला देकर अतिरिक्त धनराशि मांगी।आरोप है कि युवक ने 11 अगस्त वर्ष 2025 को 40 हजार रुपये नकद और एक हजार रुपये दाखिला फार्म शुल्क के रूप में दिए। इसके बाद सेमेस्टर फीस के नाम पर 17 हजार रुपये बैंक खाते में जमा कराए गए। पीड़ित का कहना है कि बाद में एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय का फार्म भरवाने, यूईटी प्रवेश परीक्षा में भेजने, दूसरे सेमेस्टर की फीस और लेट फीस के नाम पर भी लगातार रकम ली गई।

रोडवेज की बसों को चारधाम यात्रा न भेजा जाए

देहरादून। चारधाम यात्रा के नाम पर पर्वतीय मार्गों की नियमित रोडवेज बसों को हटाकर यात्रा मार्ग पर भेजने से पहाड़ों में परिवहन संकट बना हुआ है। इसके विरोध में संयुक्त नागरिक संगठन ने परिवहन मंत्री प्रदीप बत्रा और परिवहन आयुक्त बीके संत को पत्र भेजकर कड़ी आपत्ति जताई है। संगठन के महासचिव सुशील त्यागी ने कहा कि पहाड़ी रूटों पर संचालित सरकारी बसों को बंद कर उन्हें चारधाम में लगाना स्थानीय जनता के साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड राज्य का गठन इसलिए नहीं हुआ था कि यात्रियों की सुविधा के लिए पहाड़ के मूल निवासियों को आवागमन के साधनों से वंचित कर दिया जाए। यह कृत्य राज्य स्थापना की मूल भावना के विरुद्ध है। संगठन ने सुझाव दिया कि जिस प्रकार वीआईपी रैलियों, कुंभ और कांवड़ मेले के लिए निजी बसों का अधिग्रहण किया जाता है, ठीक उसी तरह चारधाम यात्रा के लिए भी निजी कंपनियों से अनुबंध किया जाना चाहिए। इसके अलावा उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली जैसे पड़ोसी राज्यों के परिवहन निगमों से भी बसें मांगी जा सकती हैं। संगठन ने मांग की है कि जीएमओयॅ और केएमओयू की अतिरिक्त बसें लगाकर व्यवस्था सुधारी जाए, ताकि भीषण गर्मी में पहाड़ के बुजुर्गों, मरीजों और आम जनता को नियमित बस सेवा के लिए तरसना न पड़े।

सवारी ढोने पर 23 निजी वाहन किए सीज

देहरादून। चारधाम यात्रा शुरू होती ही परिवहन विभाग ने कर चोरी करने वाले और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ शिकंजा कस दिया है। दो दिवसीय विशेष चेकिंग अभियान के तहत विभाग की टीम ने 23 निजी वाहनों को कमर्शियल उपयोग करने पर सीज किया है। इस दौरान कुल 295 वाहनों के चालान किए गए। विभाग की टीमों ने देहरादून और ऋषिकेश अभियान चलाया। ऋषिकेश आईएसबीटी क्षेत्र में ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट की शर्तों का उल्लंघन करने वाली 12 बसों व अन्य वाहनों पर भी कार्रवाई की गई। आरटीओ प्रवर्तन डॉ. अनीता चमोला ने बताया कि निजी वाहनों का व्यावसायिक उपयोग न केवल राजस्व को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि वैध टैक्सी चालकों के रोजगार पर भी असर डालता है। उन्होंने चेतावनी दी कि चारधाम यात्रा के मद्देनजर यह अभियान आगे भी सघन रूप से जारी रहेगा।सवारियों के लिए कराई वैकल्पिक व्यवस्थाकार्रवाई के दौरान पकड़े गए वाहनों में बैठी सवारियों को परेशानी न हो, इसके लिए आरटीओ टीम ने मौके पर ही दूसरे वैकल्पिक वाहनों का इंतजाम कराया। अभियान का नेतृत्व एआरटीओ रश्मि पंत, पंकज श्रीवास्तव और अनिल लेगी ने किया।

शिक्षकों को जनगणना ड्यूटी के लिए एक तरफ करें कार्यमुक्त

काशीपुर। राजकीय शिक्षक संघ के शिक्षकों ने बुधवार को प्रभारी बीईओ को ज्ञापन सौंपकर शिक्षक-शिक्षिकाओं को जनगणना ड्यूटी के लिए एकतरफा कार्यमुक्त करने की मांग की है। बीआरसी पहुंचे शिक्षकों ने प्रभारी बीईओ हरिबाबू निरंजन को दिए ज्ञापन में कहा कि वर्तमान में जनगणना कार्य के लिए ब्लॉक के राजकीय माध्यमिक हाई स्कूल और इंटर कॉलेजों में शिक्षक-शिक्षिकाओं की ड्यूटी लगाई गई है।

आरोप है कि कुछ विद्यालयों में शिक्षकों को जनगणना कार्य विद्यालय समय के बाद करने के लिए बाध्य किया जा रहा है, जबकि उन्हें इस कार्य के लिए एकतरफा कार्यमुक्त भी नहीं किया गया है। शिक्षकों ने कहा कि भीषण गर्मी के बीच इस तरह के अव्यवहारिक आदेश उनके स्वास्थ्य के लिए भी नुकसानदायक हैं। उन्होंने ऐसे निर्देशों को निरस्त करने और सभी संबंधित शिक्षक-शिक्षिकाओं को जनगणना ड्यूटी के लिए पूर्ण रूप से कार्यमुक्त करने का आदेश जारी करने की मांग की। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष कौशल कुमार, खुशीराम आदि रहे।

दस दिन में चार लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे चारधाम

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : प्रदेश में चारधाम यात्रा सुचारू रूप से संचालित हो रही है। राज्य सरकार द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए व्यापक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, ताकि श्रद्धालु निश्चिंत होकर सुरक्षित एवं सुगम रूप से दर्शन कर सकें। चारधाम यात्रा के दौरान यात्रियों, श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए चारधाम यात्रा मार्गों सहित प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर पेयजल, शौचालय, स्वास्थ्य सेवाएं, स्वच्छता, पार्किंग एवं यातायात व्यवस्थाओं को सुदृढ़ एवं व्यवस्थित किया गया है। राज्य सरकार ने यात्रा व्यवस्थाओं के संबंध में भ्रामक जानकारी प्रसारित करने वालों तथा गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं, ताकि यात्रा की पवित्रता एवं व्यवस्थाएं बनी रहें। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र, देहरादून से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार चार धाम कपाट खुलने से 28 अप्रैल, 2026 की सांय 7:00 बजे तक मात्र दस दिनों में कुल 04 लाख 08 हजार 401 श्रद्धालु चारधाम में दर्शन हेतु पहुंचे हैं।

धामवार विवरण इस प्रकार है—

श्री बद्रीनाथ धाम : कपाट उद्घाटन के छह दिनों में 84,942 श्रद्धालु पहुंचे।

श्री केदारनाथ धाम : सात दिनों में 2,07,452 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

यमुनोत्री धाम : दस दिनों में 57,794 श्रद्धालु पहुंचे।

गंगोत्री धामः दस दिनों में 57,863 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

इसके अतिरिक्त गौमुख में अब तक 440 यात्री पहुंचे हैं।

वर्तमान यात्रा सीजन में अब तक कुल 64,115 वाहन यात्रियों को लेकर चार धाम पहुंचे हैं।

हल्की बारिश व तेज हवाओं का अलर्ट

रुद्रपुर। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने ऊधमसिंह नगर जिले के लिए गुरुवार को बिजली गिरने, तेज आंधी और तेज हवाओं को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही हल्की वर्षा होने का पूर्वानुमान है। बुधवार को रुद्रपुर में मौसम ने अचानक करवट बदली। सुबह से ही आसमान में काले बादल छाए रहे और ठंडी हवाएं चलीं। इसके बाद हुई हल्की बारिश के चलते दिन का अधिकतम तापमान 29.3 और न्यूनतम तापमान 21.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले दिनों के मुकाबले करीब 11 डिग्री कम रहा। इससे लोगों को कुछ घंटों के लिए तेज गर्मी से राहत मिली। हालांकि, शाम होते—होते मौसम फिर साफ हो गया। किसानों के लिए जारी सलाह में कहा गया है कि खराब मौसम के कारण फसलों को नुकसान पहुंच सकता है। किसानों को सलाह दी गई है कि वे फसल को खुले में न छोड़ें और सुरक्षित स्थान या शेड के नीचे रखें। साथ ही, भंडारण के दौरान उचित वेंटिलेशन का भी ध्यान रखें। मौसम को देखते हुए शिक्षा विभाग ने जारी बदले हुए समय को निरस्त कर दिया गया है।

फल सब्जियों में कीटनाशकों के अंधाधुंध इस्तेमाल पर सरकार सख्त

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : फल-सब्जियों में कीटनाशक अवशेषों के प्रयोग को लेकर खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन सख्त हो गया है। विभाग ने जहां एक ओर प्रदेश भर में फल-सब्जियों के सैम्पल लेकर प्रयोगशाला जांच की पहल शुरु की है, वहीं कृषि एवं उद्यान विभाग को भी पत्र भेजकर किसानों को कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने को कहा है।

खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त सचिन कुर्वे की ओर से सचिव कृषि एवं उद्यान को लिखे गए पत्र में कहा गया है कि भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा समय-समय पर चलाए गए सर्विलांस अभियानों में खाद्य पदार्थों में कीटनाशकों के अवशेष पाए जाने की पुष्टि हुई है। पत्र में बताया गया कि कृषि क्षेत्र में कीटनाशकों के अवैज्ञानिक उपयोग के कारण फल, सब्जियां एवं अन्य खाद्य पदार्थों में अवशेष तय मानकों से अधिक मिल रहे हैं, जो जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। इसलिए इस विषय पर किसानों के बीच जागरूकता कार्यशालाएं आयोजित किए जाने की आवश्यकता है। साथ ही फल सब्जी विक्रेताओं और स्थानीय मंडियों के व्यापारियों को भी इस बारे में जागरुक किए जाने की आवश्यकता है। खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन के उपायुक्त (मुख्यालय) गणेश कंडवाल ने बताया कि आयुक्त के दिशा निर्देशों के क्रम मे विभाग ने प्रदेश भर में फलों के सैम्पल लेकर, प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे हैं।

नाबालिग की शादी रुकवाई, 30 वर्षीय दूल्हा बारात लेकर लौटा

रुद्रपुर। किच्छा क्षेत्र में 17 वर्षीय नाबालिग की शादी उस समय रुकवा दी गई, जब 30 वर्षीय दूल्हा रामपुर से बारात लेकर पहुंच गया था। शिकायत मिलने पर मौके पर पहुंची इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल डेवलपमेंट की टीम ने आधार कार्ड की जांच कर नाबालिग होने की पुष्टि की। इसके बाद विवाह की तैयारियां रोक दी गईं और बारात को बैरंग लौटना पड़ा। संस्था के अध्यक्ष डॉ. अमित कुमार ने बताया कि एक सप्ताह पूर्व संस्था को किच्छा कोतवाली अंतर्गत एक गांव निवासी व्यक्ति की दो पुत्रियों के विवाह तय होने की सूचना मिली थी। इसमें छोटी पुत्री के नाबालिग होने का शक था। उनकी अगुवाई में बाल विवाह रोकथाम की टीम ने गांव में जाकर बालिका के परिजनों से संपर्क कर बाल विवाह निषेध अधिनियम के बारे में जानकारी दी। टीम ने बालिका का विवाह 18 वर्ष पूर्ण होने पर ही करने के लिए पिता की अनुपस्थिति में बालिका की माता से वचन पत्र पर हस्ताक्षर भी लिए। 28 अप्रैल को संस्था को जानकारी मिली कि दोनों पुत्रियों की बारात आ रही है। सूचना मिलते ही संस्था की परियोजना निदेशक बिंदुवासिनी की अगुवाई में 112 सहायता दल टीम मौके पर पहुंच गई। यहां नाबालिग की बारात चढ़ रही थी।

पिथौरागढ़ में भारतनेट परियोजना की प्रगति पर चर्चा

पिथौरागढ़। नगर में भारतनेट परियोजना से जुड़े अधिकारियों ने डीएम आशीष भटगांई से शिष्टाचार भेंट की। बुधवार को दूरसंचार विभाग के उत्तर प्रदेश (पूर्व व पश्चिम) के अतिरिक्त महानिदेशक अरुण कुमार वर्मा ने बताया कि पिथौरागढ़ जिले के 8 ब्लॉकों में से 7 में सर्वेक्षण कार्य पूर्ण हो चुका है। धारचूला ब्लॉक में सर्वेक्षण कार्य प्रगति पर है। बैठक में भारतनेट परियोजना के सुचारु क्रियान्वयन व शेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के लिए आवश्यक समन्वय व सहयोग पर चर्चा की गई। डीएम ने परियोजना के महत्व को देखते हुए हर संभव प्रशासनिक सहयोग का आश्वासन दिया है। बता दें कि भारतनेट परियोजना भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जिसका उद्देश्य देश के ग्रामीण क्षेत्रों को उच्च गति ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी से जोड़ना है, ताकि डिजिटल सेवाओं, ई—गवर्नेंस, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ गांव—गांव तक पहुंच सके।

तेज रफ्तार कार का अचानक फटा टायर, कई वाहनों में लगी टक्कर

ऋषिकेश। ऋषिकेश—देहरादून हाईवे पर जंगलात चौकी के पास देहरादून की ओर से आ रही तेज रफ्तार यूपी नंबर की एक कार का अचानक टायर फट गया, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर सड़क के दूसरी ओर पहुंच गया। इस दौरान सामने से आ रही राजस्थान नंबर की कार को टक्कर मार दी, जबकि उसके पीछे आ रही एक अन्य कार भी हादसे की चपेट में आ गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। गनीमत रही कि राजस्थान से मसूरी घूमने जा रहे पर्यटक और अन्य वाहन में सवार दो परिवारों के सदस्य बाल—बाल बच गए नही तो एक बड़ा हादसा हो सकता था। दुर्घटना में तेज रफ्तार कार चालक को हल्की चोटें आई हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर कब्जे में लिया और जांच शुरू कर दी। कोतवाली प्रभारी केसी भट्ट ने बताया कि कार का टायर फटने से तीन वाहनों की टक्कर हुई है। हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। मामले की जांच की जा रही।

रुड़ में गोल्ज्यु संदेश यात्रा का भव्य स्वागत, भक्ति और संस्कृति का अद्भुत संगम

बागेश्वर। न्याय के देवता के रूप में विख्यात गोल्ज्यु महाराज की 'गोल्ज्यु संदेश यात्रा' ने बुधवार को बागेश्वर जिले के गरुड़ क्षेत्र में प्रवेश करते ही जनआस्था का अनुपम दृश्य प्रस्तुत कर दिया। चंपावत से प्रारंभ हुई यह बीस दिवसीय यात्रा अपने दसवें दिन गरुड़ पहुँची, जहाँ श्रद्धालुओं ने अभूतपूर्व उत्साह और श्रद्धा के साथ इसका भव्य स्वागत किया।

यात्रा के आगमन की सूचना मिलते ही गरुड़ की सड़कें भक्तों की भीड़ से पट गईं। जैसे ही सुसज्जित रथ क्षेत्र में पहुँचा, "जय गोल्ज्यु महाराज" के जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। स्थानीय नागरिकों ने पलक—पावड़े बिछाकर यात्रा का स्वागत किया, महिलाओं ने पुष्पवर्षा की, वहीं ढोल—दमाऊ और हुड़के की थाप पर लोक कलाकारों ने पारंपरिक प्रस्तुतियाँ देकर माहौल को भक्तिमय और जीवंत बना दिया। 'अपनी धरोहर सांस्कृतिक मंच' के तत्वावधान में आयोजित इस यात्रा का उद्देश्य प्रदेश के विभिन्न गोल्ज्यु मंदिरों को एक पहचान दिलाना तथा कुमाऊं-गढ़वाल की सांस्कृतिक एकता को सुदृढ़ करना है। आयोजकों के अनुसार, यह यात्रा पिछले तीन वर्षों से लगातार आयोजित की जा रही है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेते हैं। यात्रा के दौरान 'देव डांगर' के रूप में गोल्ज्यु महाराज के दिव्य दर्शन ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। जागर गाथाओं और आशीर्वचनों के बीच भक्तों की लंबी कतारें दर्शन के लिए उमड़ी रहीं। यात्रा के आयोजक विजय भट्ट ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य गोल्ज्यु महाराज के न्याय और सत्य के संदेश को जन—जन तक पहुँचाना है।

विधायकों ने मंत्री के सामने प्रस्ताव फाड़कर बैठक का किया बहिष्कार

हरिद्वार। जिला योजना की बैठक शुरू होते ही बुधवार को कांग्रेस विधायक रवि बहादुर, ममता राकेश, वीरेंद्र जाती, अनुपमा रावत, फुरकान अहमद और बहुजन समाज पार्टी विधायक मो. शहजाद ने विरोध करते हुए बैठक का बहिष्कार किया। इस दौरान मो. शहजाद और फुरकान अहमद ने कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज के सामने प्रस्तावों की फाइलें फाड़कर फेंक दीं, जबकि अन्य विधायकों ने भी कागजात जमीन पर पटक दिए। इसके बाद सभी विधायक सभागार के बाहर धरने पर बैठ गए और बैठक को ठेकेदारों की बैठक बताते हुए जमकर नारेबाजी की। विधायक रवि बहादुर ने आरोप लगाया कि जिला योजना अधिकारियों और ठेकेदारों पर निर्भर है। विपक्षी विधायकों के प्रस्ताव नहीं लिए जाते हैं ।

स्वामी निखिलेश्वर नंद बने महामण्डलेश्वर

ऋषिकेश। षड्दर्शन साधु समाज अखिल भारतीय सनातन धर्म रक्षा समिति ने बुधवार को एक कार्यक्रम आयोजित किया। समिति ने स्वामी निखिलेश्वर नन्द का पट्टाभिषेक कर उन्हें महामंडलेश्वर की उपाधि प्रदान की। लक्ष्मण झूला रोड स्थित कबीर चौरा आश्रम में आयोजित कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष महंत गोपाल गिरी ने कहा कि स्वामी निखिलेश्वर नन्द श्री 1008 शरणानन्द महाराज के शिष्य हैं। वर्तमान में यशोदा भवन आश्रम सोंख अड्डा गोवर्धन मथुरा से जुड़े हुए हैं। उन्हें महामंडलेश्वर बनाए जाने के साथ ही यह जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वे सनातन धर्म का देश—विदेश में व्यापक प्रचार—प्रसार करें और साधु—संतों की मर्यादा का पूर्ण पालन करते हुए समाज को आध्यात्मिक दिशा प्रदान करें। उन्होंने कहा कि समिति 1860 के अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत एक राष्ट्रीय धार्मिक संगठन है,

काठगोदाम में मनोज भट्ट अध्यक्ष, हरीश रावत मंत्री बने

हल्द्वानी। उत्तरांचल रोडवेज कर्मचारी यूनियन, काठगोदाम डिपो का वार्षिक चुनाव बुधवार को एक बैंक्वेट हॉल में शांतिपूर्ण और निर्विरोध संपन्न हुआ। चुनाव अधिकारियों की निगरानी में सर्वसम्मति से मनोज भट्ट को अध्यक्ष और हरीश रावत को मंत्री चुना गया। नई कार्यकारिणी ने कर्मचारियों के हितों और परिवहन निगम की मजबूती को प्राथमिकता देने का भरोसा दिलाया। चुनाव प्रक्रिया किशोरी लाल, नितिन दीक्षित, इकबाल अहमद और नितेश शर्मा की देखरेख में पूरी हुई। अन्य पदों पर ममता बिष्ट और रंजीत सिंह उपाध्यक्ष, संयुक्त मंत्री पद पर गर्वित तिवारी व दीपक कुमार, संगठन मंत्री रेहान अली, कोषाध्यक्ष राकेश आर्या, कार्यालय सचिव अब्दुल हई और मीडिया प्रभारी निर्मल जोशी चुने गए।

महिला आरक्षण पर सरकार नाकाम, विशेष सत्र निरर्थक

अल्मोड़ा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि विशेष सत्र बुलाकर जनता के धन का दुरुपयोग किया गया। प्रेस को जारी बयान में उन्होंने कहा कि सरकार को महिला आरक्षण कानून 2023 की भावना के अनुरूप उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2027 और लोकसभा चुनाव 2029 में 33 प्रतिशत सीटों पर महिलाओं को आरक्षण देने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजना चाहिए था। भोज ने कहा कि यदि इसके लिए संविधान संशोधन की आवश्यकता होती, तो केंद्र सरकार को शीघ्र विधेयक लाने का प्रस्ताव भी राज्य विधानसभा से पारित कराया जाना चाहिए था। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस द्वारा विधानसभा में महिला आरक्षण लागू करने का संकल्प प्रस्तुत किया गया, लेकिन उसे स्वीकार नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा और उसकी सरकारें महिलाओं को आरक्षण देने के प्रति गंभीर नहीं हैं और विधायी प्रक्रिया में उलझाकर इसे टालने का प्रयास किया जा रहा है। उनका कहना था कि महिला आरक्षण विधेयक सितंबर 2023 में पारित होने के बावजूद इसकी अधिसूचना अप्रैल 2026 में जारी की गई, जिससे सरकार की मंशा पर सवाल उठते हैं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत विधेयकों के जरिए लोकसभा और विधानसभा सीटों में वृद्धि तथा परिसीमन की प्रक्रिया से उत्तराखंड की हिस्सेदारी प्रभावित हो सकती है।

एक नजर

महिला के पेट से पांच किलो ओवेरियन सिस्टम निकाला

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार के चिकित्सकों ने एक महिला के पेट से पांच किलो का ओवेरियन सिस्टम निकालकर महिला को नया जीवन दिया है। ऑपरेशन के बाद महिला की बेहतर स्थिति है।

गोविंद नगर निवासी 47 वर्षीय महिला को लंबे समय से पेट दर्द की शिकायत थी। चिकित्सकों के परामर्श पर चिकित्सालय में सभी जांचें करवाने के बाद महिला के पेट में ओवेरियन सिस्ट का पता चला, जिस पर चिकित्सकों ने उसे आपरेशन करवाने की सलाह दी। चिकित्सालय के शल्य चिकित्सक डा. सतीश कुमार व डा. मयंक नौटियाल ने चुनौतीपूर्ण आपरेशन को सफलता पूर्वक संपन्न करते हुए महिला के पेट से करीब पांच किलो का सिस्ट बाहर निकाल महिला को नई जिंदगी दी। डा. सतीश कुमार ने बताया कि आपरेशन के बाद महिला स्वस्थ है।

बस्ता सज्जा प्रतियोगिता में शिविका रही अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सरस्वती शिशु मंदिर जानकीनगर में शिशुओं के लिए बस्ता प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस दौरान नर्सरी से शिविका ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता प्रमुख योगेश नेगी ने बताया कि नर्सरी में शिविका, ध्रुव, सात्विक, एलकेजी से श्रेयांश, दिव्यांशी, सूर्यांश, यूकेजी से शिवांश, पीहल व विनीत ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर प्रधानाचार्य महेंद्र गौड़, मनोज जोशी, गीता रावत, सुनीता पंत, अंजू चमोला, श्रेया चौधरी, पूजा चतुर्वेदी आदि मौजूद रहे।

शोपीस बनकर रह गई जल जीवन मिशन के तहत बिछाई गई पाइपलाइन

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम क्षेत्र के स्वीत वार्ड नंबर तीन में जल जीवन मिशन के तहत बिछाई गई पाइपलाइन शोपीस बनकर रह गई है। घरों में नल तो लगा दिए गए हैं, लेकिन पिछले एक साल से इस योजना से पानी की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। लोगों ने चेतावनी दी यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे जल संस्थान कार्यालय में तालाबंदी और प्रदर्शन करेंगे।

क्षेत्रीय निवासी अनिल दत्त तिवारी और संतोष रावत ने बताया कि क्षेत्र में वर्तमान में ढिकालगांव पंपिंग योजना और पुराने स्त्रोतों से पानी की आपूर्ति हो रही है। गर्मी के कारण गदेरे का पानी कम और दूषित भी हो गया है। दूषित पानी के सेवन से जनता में बीमारियों का खतरा बना हुआ है। वहीं हर घर जल योजना के तहत लगे कनेक्शन एक साल से सूखे पड़े हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल भी सीएम हेल्पलाइन और जल संस्थान के आला अधिकारियों से शिकायत की गई लेकिन कुछ नहीं हुआ।

उन्होंने जल संस्थान से जल्द स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था करने की मांग की। अगर ऐसा नहीं हुआ तो जल संस्थान कार्यालय में तालाबंदी की जाएगी। वहीं जल संस्थान के जेई आयुष कंडारी का कहना है कि गर्मी में स्त्रोत पर पानी कम होने के कारण अक्सर इस तरह की दिक्कतें आती हैं। गुरूवार को विभाग की टीम स्वीत वार्ड का निरीक्षण करेगी। पाइपलाइन की जांच कर समस्या का जल्द समाधान निकाला जाएगा। (एजेंसी)

युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति चिंताजनक

श्रीनगर गढ़वाल : उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पौड़ी गढ़वाल की ओर से सरस्वती विद्या मंदिर श्रीकोट गंगनाली के सभागार में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन हुआ। सिविल जज (जूनियर डिवीजन) कुमारी अलका ने कहा कि नशा आज हमारे समाज की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है। युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति चिंताजनक है। नशे से बचाव का एक ही तरीका है जागरूकता एवं दृढ़ संकल्प। उन्होंने कहा कि हमें मिलकर पृथ्वी की रक्षा का संकल्प लेना चाहिए और इसे हरा भरा एवं प्लास्टिक मुक्त एवं स्वच्छ बनाए रखना चाहिए। शिविर में पीएलवी सदस्य मानव बिष्ट पूनम हटवाल एवं प्रीति बिष्ट, प्रकाश नेगी, प्रियंका रॉय ने निःशुल्क विधिक सहायता, महिला अधिकार, बाल संरक्षण कानून, वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार आदि के बारे में बताया। इस दौरान बार एसोसिएशन के संरक्षक अनूप श्रीपांथरी, अध्यक्ष परमेश चंद्र जोशी, पूर्व सह सचिव प्रदीप मैठाणी, कोषाध्यक्ष सुबोध भट्ट, प्रधानाचार्य भीमराज बिष्ट मौजूद रहे। (एजेंसी)

मंगलवार को ज्योतिर्मठ में तहसील दिवस का होगा आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में जनसमस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण हेतु मई माह के प्रथम मंगलवार 05 मई को प्रातः 11:00 बजे से अपराह्न 2:00 बजे तक तहसील ज्योतिर्मठ के ब्लॉक सभागार में तहसील दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस जनसुनवाई कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों एवं समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जाएगा। तहसील दिवस में सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहेंगे, जिससे आमजन को एक ही मंच पर अपनी समस्याएं रखने का अवसर मिलेगा। प्रशासन का उद्देश्य है कि लोगों को विभागों के चक्कर न काटने पड़ें और उनकी शिकायतों का पारदर्शी व समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित हो सके। साथ ही, प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए लंबित मामलों की भी समीक्षा की जाएगी। अतः आमजन से अपील है कि वे अधिक से अधिक संख्या में तहसील दिवस में प्रतिभाग करें और अपनी समस्याएं व सुझाव प्रशासन के समक्ष रखें।

35 मरीजों की आंखों की हुई जांच

चमोली। विवेकानंद नेत्रालय अस्पताल देहरादून की ओर से नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। उपजिला चिकित्सालय में आयोजित शिविर में 35 लोगों ने आंखों की जांच कराई। इसमें 10 मरीजों को ऑपरेशन के लिए रेफर किया गया। साथ ही मरीजों को निशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया। इस मौके पर हनुमंत सिंह, शिवकांत कुमार, अनूप पंवार आदि मौजूद रहे।

गर्मी का प्रकोप, उल्टी व दस्त के बढ़े मरीज

राजकीय बेस चिकित्सालय में लगातार बढ़ रही मरीजों की संख्या

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। जिसका असर लोगों के स्वास्थ्य पर भी पड़ने लगा है। पिछले तीन दिन से अस्पताल में उल्टी-दस्त के मरीजों में बढ़ोत्तरी देखने को मिली है। वहीं, सर्दी-जुकाम व बुखार के मरीजों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। चिकित्सक मरीजों को उनके स्वास्थ्य के प्रति सर्तक रहने की सलाह दे रहे हैं।

कोटद्वार के राजकीय बेस चिकित्सालय में उमड़ी मरीजों की भीड़

कोटद्वार का तापमान 32 डिग्री सेंटीग्रेड के पार पहुंच गया। लगातार बढ़ रहा गर्मी का पारा आमजन के लिए मुसीबत बनता जा रहा है। अस्पताल में प्रतिदिन तीन से चार सौ मरीज उल्टी-दस्त के पहुंच रहे हैं। सुबह से ही ओपीडी की पर्ची बनवाने के लिए मरीज व उनके तीमारदारों की भीड़ दिखाई दे रही है। चिकित्सकों ने बताया कि मौसम में बदलाव व गर्मी के कारण शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। जिससे बीमार होने का अधिक खतरा रहता है। ऐसे में मौसम में बच्चों व बजुर्गों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। साथ ही खानपान पर भी ध्यान दें।

बच्चे भी हो रहे बीमार

भीषण गर्मी का प्रकोप बच्चों पर भी भारी पड़ रहा है। राजकीय बेस चिकित्सालय में अभिभावक अपने बच्चें को उपचार के लिए लेकर पहुंच रहे हैं। अधिकांश बच्चों में उल्टी, दस्त के साथ ही पेट दर्द की समस्या सामने आ रही है। चिकित्सकों की माने तो ऐसे मौसम में बच्चों को फास्ट फूड व बाहर के खाने से परहेज करना चाहिए। साथ ही बच्चों को धूप में जाने से भी बचना चाहिए।

इस तरह करें बचाव

1. बाहर धूप से आकर तुरंत ठंडा पानी न पीएं
2. ताजा खाना खाएं व बासी खाने से परहेज करें
3. धूप में सिर को कपड़े से ढक कर ही बाहर निकलें
4. फास्ट फूड खाने से परहेज करें
5. अधिक से अधिक पानी पीएं

श्रीनगर में 5 मई को होगा रोजगार मेले का आयोजन

ऑटोमोबाइल सेक्टर की बड़ी कंपनियां लेंगी हिस्सा

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग के तत्वाधान में आगामी 5 मई को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), श्रीनगर (गढ़वाल) में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। यह रोजगार मेला पूर्वाह्न 11 बजे से प्रारंभ होगा।

क्षेत्रीय सेवायोजन अधिकारी, लैंसडाउन उत्तम कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि इस रोजगार मेले में हरिद्वार परिक्षेत्र की ऑटोमोबाइल सेक्टर की प्रतिष्ठित कंपनियां जैसे जेके टायर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज मोटर्स, रॉकमैन, शिवम ऑटोटेक तथा मुंजाल शोवा सहित लगभग 10 से 12 औद्योगिक इकाइयों के प्रतिभाग करने की संभावना है। उन्होंने बताया कि मेले के माध्यम से लगभग 700 से 800 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी, हालांकि रिक्तियों की संख्या आवश्यकता के अनुसार परिवर्तनीय हो सकती है। सेवायोजन अधिकारी ने कहा कि रोजगार मेले में भाग लेने के लिए अभ्यर्थियों की शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, आईटीआई (फिटर, मशीनिस्ट, इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर, ऑटोमोबाइल), डिप्लोमा (इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल) तथा बीएससी स्नातक निर्धारित की गयी है। उन्होंने कहा कि इच्छुक अभ्यर्थियों से अपेक्षा की गयी है कि वे अपने साथ नवीनतम पासपोर्ट साइज फोटो, अद्यतन बायोडाटा, सभी शैक्षिक प्रमाण पत्र एवं सेवायोजन पंजीकरण प्रमाण पत्र लेकर निर्धारित तिथि एवं समय पर मेले में उपस्थित हों।

शादियों का सीजन, मैदान से पहाड़ के लिए बढ़े यात्री

कोटद्वार में बस का इंतजार करते यात्री

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शादियों के सीजन में पहाड़ व मैदान को जाने वाले यात्रियों की संख्या में इजाफा हो गया है। अचानक बढ़ी यात्रियों की संख्या से परिवहन निगम, गढ़वाल मोटर्स आनर्स यूनियन (जीएमओयू) व मैक्स वाहनों पर दबाव बढ़ गया है। समय से वाहन नहीं मिलने के कारण यात्रियों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में सबसे अधिक परेशानी परिवार के साथ सफर करने वाले लोगों को हो रही है।

पिछले दो दिन से पहाड़ व मैदान को जाने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ी है। अधिकांश यात्री शादी समारोह में शामिल होने के लिए आवागमन कर रहे हैं। ऐसे में सुबह से ही कोटद्वार बस अड्डे पर यात्रियों की भीड़ नजर आ रही है। पहाड़ व मैदान के लिए संचालित होने वाले वाहनों में सीट फुल हो रही है। पहले सीट पाने के लिए यात्री वाहनों के पीछे दौड़ रहे हैं। अचानक बढ़ी यात्रियों की संख्या को देखते हुए परिवहन निगम व जीएमओयू ने रूटों पर अतिरिक्त बसों का संचालन किया। इंतजार के बाद मुख्य मार्गों पर तो वाहन मिल रहे थे। लेकिन, संपर्क मार्ग पर सीमित वाहन ही थे। ऐसे में कई लोगों को निजी वाहन बुक कर आवागमन करना पड़ा। जिससे यात्रियों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ा।

ग्रामीण जड़ी-बूटी की खेती कर स्वावलंबी बनें

श्रीनगर गढ़वाल : एचएनबी गढ़वाल विवि के हैप्रेक विभाग की ओर से जनपद चमोली के विकासखंड नंदानगर के सुदूरवर्ती गांव सितेल में दुर्लभ जड़ी-बूटी के पौधों का वितरण किया गया। इस दौरान ग्रामीणों को जड़ी-बूटी के कृषिकरण का भी प्रशिक्षण दिया गया। सितेल गांव में हैप्रेक संस्थान के निदेशक डॉ. विजयकांत पुरोहित के दिशा निर्देशन में उनकी टीम ने दुर्लभ जटामांसी, आर्चा, डोलू और अतीश के पौध वितरित की। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सुदीप सेमवाल ने कहा कि जड़ी-बूटी की खेती कर ग्रामीण स्वावलंबी बन सकते हैं। संस्थान के सहयोग से अधिकांश गांवों में ग्रामीण जड़ी-बूटी की खेती कर अपनी अच्छी आमदनी कर रहे हैं। डॉ. जयदेव चौहान ने ग्रामीणों को जड़ी-बूटी का कृषिकरण कर उनके संरक्षण के लिए आगे आने की अपील की। इस मौके पर नेचर आर्गेनिक सोसाइटी के पुष्कर सिंह बिष्ट, कस्तूरबा देवी, मधुली देवी, कमला देवी, मथुरा देवी, उर्मिला, सलोचना और कुलदीप रावत आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

दुगड्डा-गमुखाल के मध्य खाक हुआ पहाड़, लगातार बढ़ रही आग

दुगड्डा के क्रैंखाल के समीप सुनगर गांव के समीप पहुंची आग से उठता धुंआ

मैदान के साथ ही पहाड़ में भी गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसे में चीड़ के जंगलों में लग रही आग ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। पिछले दो दिन से दुगड्डा-गुमखाल के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग के आसपास पहाड़ी पर आग लगी हुई है। आग की लपटे हाईवे तक पहुंच रही है। ऐसे में दोपहिया वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार देर रात क्रैंखाल से करीब तीन किलोमीटर आगे हाईवे तक आग पहुंच गई। स्थानीय जनों ने आसपास पेड़ की हरी टहनियों को तोड़कर आग बुझाई। वहीं, पहाड़ी पर आग लगने से पत्थर लुढ़क कर हाईवे पर पहुंच रहे हैं, जिससे वाहन चालकों को खतरा बना हुआ है। मंगलवार सुबह आग क्रैंखाल के समीप स्थित सुनार गांव तक पहुंच गई। धुएं के कारण ग्रामीणों का सांस लेना भी मुश्किल हो गया था। ग्रामीणों ने एकजुट होकर आग पर काबू पाया।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : दुगड्डा-गुमखाल के मध्य पहाड़ी पर आग लगने से सैकड़ों हैक्टेयर पर फैली वन संपदा जलकर खाक हो गई। जंगल की आग से उठ रहे धुंए के कारण हाईवे पर आवागमन भी चुनौती बन गया है। यही नहीं क्रैंखाल के समीप सुनर गांव तक आग की लपटे पहुंच गई। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। वहीं, आग लगने से हाईवे पर पत्थर भी गिर रहे हैं।

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में काव्य पाठ व मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में, छात्र संघ सप्ताह के अंतर्गत महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डी. एस. नेगी के संरक्षण में एवं छात्र संघ प्रभारी डॉ. सुशील चंद्र बहुगुणा के निर्देशन में निर्धारित कार्यक्रम के तहत काव्य पाठ और मेहंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। काव्य पाठ में आयुषी तिवारी, बी. ए. 4इँ सेमेस्टर ने प्रथम स्थान, नंदिनी गुप्ता एम. कॉम. 2ल्लिसेमेस्टर ने द्वितीय स्थान, एकता बिष्ट ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। काव्य पाठ प्रतियोगिता में संयोजक के रूप में डॉ. जूनीश कुमार, निर्णायक के रूप में डॉ. कपिल देव, डॉ. मनोरथ नौगाई, डॉ. सोमेश ढोड़ियाल जी ने सहयोग किया। मेहंदी प्रतियोगिता में तान्या बी. एस.सी. 4इँ सेमेस्टर ने प्रथम स्थान , रागिनी प्रभाकर, बी.एड. द्वितीय वर्ष सेल्फ फाइनेंस ने द्वितीय स्थान , सारिका खंतवाल, बी. कॉम. 4इँ सेमेस्टर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संयोजक के रूप में डॉ. अरुणिमा, निर्णायक मंडल के रूप में डॉ. प्रियंका अग्रवाल, डॉ. सुनीता नौटियाल, डॉ. स्वेता कुकरेती ने कार्य किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डी. एस. नेगी जी ने कहा कि एस तरह की प्रतियोगिता छात्र /छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए जरुरी होती है। प्राचार्य जी ने कहा कि विजेता छात्र /छात्राओं को महाविद्यालय के सांस्कृतिक कार्यक्रम में सम्मानित किया जायेगा । छात्र संघ प्रभारी डॉ. सुशील चंद्र बहुगुणा जी ने सभी को शुभकामनायें दी और छात्र /छात्राओं को प्रेरित किया की आगे भी होने वाली प्रतियोगिताओ में आप सभी जरूर प्रतिभाग करे।

महाविद्यालय के बरिष्ठ प्रो. रमेश सिंह चौहान जी ने सभी विजेता छात्र /छात्राओं को शुभकामनायें दी। कार्यक्रम में मुख्य शास्ता प्रो. बी. सी. शाह, डॉ. भगवत रावत, डॉ. संदीप कुमार, डॉ. सुनीता नेगी, श्री शेखर मैठाणी, अरविन्द दुदपुड़ी, अनुपम कोठारी छात्र संघ अध्यक्ष, विकास कुमार, अनिकेत, शुभम सुयाल आदि छात्र /छात्राएं उपस्थित रहे।

श्रीनगर बाजार में लग रहे जाम से लोग और तीर्थयात्री परेशान

श्रीनगर गढ़वाल : चारधाम यात्रा के आगाज के साथ ही श्रीनगर बाजार क्षेत्र में वाहनों की भीड़ के साथ ही जाम लगने लगा है। बदरीनाथ हाईवे से लेकर शहर के आंतरिक मार्गों तक वाहनों का दबाव बढ़ने से स्थानीय लोगों और तीर्थयात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पौड़ी बस अड्डा, काला सड़क, एसबीआई से जीआईसी मार्ग और बांसवाड़ा जैसे प्रमुख चौराहों पर दिनभर जाम की स्थिति बन रही है।

शहर के सबसे व्यस्ततम पीपलचौरी (पौड़ी बस अड्डा) चौराहे पर चारों तरफ से वाहनों की आवाजाही रहती है, लेकिन सबसे खराब स्थिति नर्सरी सड़क की है। राजमार्ग के साथ ही श्रीनगर के आंतरिक मार्गों का भी बुरा हाल है। पीपलचौरी क्षेत्र में सुबह और शाम को सब्जी की दुकानों में भीड़ होने के कारण रास्ता बंद हो जाता है। यहां से पैदल गुजरना भी मुश्किल भरा हो जाता है। वहीं बांसवाड़ा चौराहे के निवासी सुनील सिलसवाल का कहना है कि यात्रा वाहनों के कारण हाईवे से गुजरना मुश्किल हो गया है, जिससे बुजुर्गों और बच्चों के लिए हर समय खतरा बना रहता है। पुलिस को इसके लिए व्यवस्था बनानी चाहिए। वहीं राजुल और मयंक ने बताया कि इस मार्ग पर तीव्र ढलान है और यहीं से पत्थर भरने के लिए डंपर अलकनंदा नदी की ओर जा रहे हैं। स्कूल के समय पर भी ये डंपर बेरोकटोक दौड़ रहे हैं। ढलान पर भारी वाहनों के कारण कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। लोगों ने स्कूल के समय डंपरों के संचालन पर पाबंदी लगाने की मांग की।

चोरी के सामान के साथ दो किशोर गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : पैठाणी पुलिस ने चोरी के सामान सहित दो किशोरों को गिरफ्तार किया है। किशोरों को सक्षम न्यायालय/किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश करने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार दोनों किशोर नशे के आदि है। वह गांजे से भरी सिगरेट व शराब पीते है। अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए चोरी करते है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार विगत 24 अप्रैल को वादी विश्वम्भर दत्त नौटियाल प्रधानाचार्य सरस्वती शिशु विद्या मन्दिर चाकीसैण जनपद पौडी गढ़वाल ने लिखित सूचना दी कि 23 अप्रैल की रात्रि में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा स्कूल के प्रधानाचार्य कार्यालय एवं कार्यालय में रखी आलमारियों का ताला तोडकर नगद 16500 रूपये व कम्पूटर का सीपीयू एवं अग्नि शमन यंत्र सिलेण्डर चोरी कर ले गये। जिसके आधार पर थाना पैठाणी पर धारा 331(4)/305(क) बीएनएस बनाम अज्ञात पंजीकृत कर विवेचना अपर उपनिरीक्षक आनन्द सिंह खरोला के सपुर्द की गयी। विगत 27 मार्च को वादी प्रभाकर गौड़ पुत्र गणपति गौड़ निवासी ग्राम मैली, पोस्ट मैली, पट्टी कण्डारस्यूं, तहसील चाकीसैण, जनपद पौडी गढ़वाल ने तहरीर दर्ज कराई।

तहरीर में बताया कि 24 अप्रैल को उनकी स्कुटी को ग्राम मैली में सडक के किनारे से रात्रि में अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर लिया गया। तहरीर के आधार पर थाना पैठाणी पर धारा 303 बीएनएस बनाम अज्ञात पंजीकृत कर विवेचना उपनिरीक्षक उत्तम रमोला के सपुर्द की गयी। क्षेत्राधिकारी सर्किल पौड़ी के निकट पर्यवेक्षण व थानाध्यक्ष सुनील रावत के नेतृत्व में उपरोक्त घटनाओं के अनावरण हेतु टीम गठित की गयी। गठित पुलिस टीम द्वारा मंगलवार को देर सांय थाना क्षेत्रान्तर्गत बुंखाल मन्दिर रोड होते हुये गोदा गांव की ओर जाने वाले रोड पर मुखबिर की सूचना पर चैकिंग के दौरान दो किशोरों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने किशोरों के पास से स्कुटी होण्डा एक्टिवा, पुलिन्दे सील सर्वे मोहर महमूला, नथ के टुकडे पीली धातु, मांग टीका पीली धातु, पैर के विछुवे सफेद धातु, दो टुकडे फूल डिजायन पीली धातु, एक कान का टाप्स पीली धातु, एक लेडीज घड़ी एचएमटी सिल्वर कलर, यूपीएस, एक अग्निशमन गैस सिलेण्डर बरामद किया है। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक उत्तम रमोला, अपर उपनिरीक्षक आनन्द सिंह खरोला, हेड कांस्टेबल राजेन्द्र सिंह, कांस्टेबल अमित कुमार, हर्षवर्धन सती, होमगार्ड हर्षपाल आदि शामिल थे।

किशोरों ने यूट्यूब से सीखा लॉक तोड़ना

पुलिस पूछताछ में किशोरों ने बताया कि 23 अप्रैल की रात्रि में सरस्वती शिशु विद्या मन्दिर चाकीसैण में प्रधानाचार्य के कार्यालय का ताला तोड़कर वहां रखी आलमारियों से कुछ नगद रूपये व एक सीपीयू जो कि कैमरों से कनेक्ट था तथा एक अग्निशमन गैस सिलेण्डर चोरी किया था। 24 अप्रैल की देर रात्रि में ग्राम मैली में सड़क के किनारे खड़ी स्कुटी का हेण्डल का लॉक तोड़कर चोरी कर लिया था। किशोरों ने बताया कि हेण्डल का लॉक तोड़ना यूट्यूब से देखकर सिखा है। इसके अतिरिक्त दोनों ने ग्राम मैली में ही 22 अप्रैल को एक बंद घर का ताला तोड़कर वहां से सोने व चांदी के आभूषण व कुछ नगदी भी चोरी करना एवं चोरी के दौरान उसी घर में खाना बनाकर खाया और वहां रखी शराब की बोतल से शराब पी ली तथा कुछ शराब की बोतलो को अपने साथ ले गये।

महिलाओं ने सीखें उद्यमिता के गुर

श्रीनगर गढ़वाल : भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद एवं रेल विकास निगम लिमिटेड के सहयोग से रेलवे लाइन प्रभावित गांवों की महिलाओं को प्रगति : महिला सशक्तीकरण परियोजना के अंतर्गत उद्यमिता प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

परियोजना अधिकारी दिलीप सिंह ने बताया कि महिलाओं को उद्यमिता की मूलभूत जानकारी, व्यवसाय चयन, वित्तीय प्रबंधन, विपणन रणनीति, उद्यमों के संचालन की जानकारी देकर उन्हें स्वावलंबी बनाया जा रहा है। इसके साथ ही महिलाओं को स्वरोजगार के विभिन्न अवसरों जैसे हस्तशिल्प, डेयरी, मशरूम उत्पादन, सिलाई-कढ़ाई, खाद्य प्रसंस्करण आदि का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कई महिलाएं प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वयं का व्यवसाय शुरू कर चुकी हैं जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। वहीं नैथाना में भी उद्यमिता जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ। सुरुचि नेगी ने एक सफल उद्यमी बनने के लिए आवश्यक गुणों, नवाचार के महत्व, नए बिजनेस आइडिया विकसित करने की प्रक्रिया और जोखिम प्रबंधन की रणनीतियों के बारे में बताया। बीएमएम मुकेश देव ने महिलाओं को समूह उद्यमों के बारे में जानकारी दी। मौके पर ग्राम प्रधान यशपाल सिंह चौहान आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मंडल यांत्रिक अभियंता मुरादाबाद के द्वारा ई टेंडर संख्या MC-15-HAHW-MB-26 के अंतर्गत निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसके बंद होने की तिथि व समय 20.05.2026 को 11:00 बजे है जो बंद होने के बाद किसी भी समय वेबसाइट पर खोले जाएगे। इस निविदा के अंतर्गत मैनुअल ऑफर स्वीकार्य नही होगे। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

विभाग	सी & डब्लू	टेंडर सं.	MC-15-HAHW-MB-26
कार्य का नाम	"Supply, Installation and Commissioning of 12 Nos. HAHW Systems at various locations over Moradabad Division with 05 years of CAMC and need base dismantle & re-installation of the HAHW Systems".		
निविदा टाइप	खुली	बिडिंग स्टाइल	एकल पैकेट सिस्टम
निविदा बंद होने की दिनांक एवं समय		20.05.2026 11:00 बजे	
एडवेरटाइज्ड वेल्यू	Rs. 5,06,69,200.00/-	ऑफर कर वैधता	60 दिन

No: - MC-15-HAHW-MB-26 दिनांक - 29.04.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1446/26

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, (ए.सी.ओ) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा वाणिज्य विज्ञापन, एटीएम, रेल कोच रेस्टोरेंट, पूजा सामग्री काउंटर, कीओस्क, ब्रांडेड आउटलेट, फूड वैन, सैलून कीओस्क, मोबाइल स्टोर & कैंटीन के ठेकों को संचालन एवं आवंटन हेतु ई–बोलियाँ website: www.ireps.gov.in पर दिनांक 13.05.2026 & 14.05.2026 को आमंत्रित की गयी है, इनकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्ते www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग
उत्तर रेलवे, मुरादाबाद

1426/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/चर्तुथ द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित है। जो उसी दिन 16.00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आंमत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशी का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट बैंकर चेक डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या	35-DRM-MB-26-27 Date 27.04.2026	36-DRM-MB-26-27 Date-28.04.2026
कार्य का नाम	Drainage Improvement in Hapur yard under ADEN/HPU.	Improvement of water supply arrangement, drainage / sewerage system and consequent improvement to colonies quarters at Najibabad and Kotdwar under Sr.DEN/IV/MB.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	21.05.2026	21.05.2026
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00	16:00
अनुमानित लागत	2,06,59,956.22	2,33,84,627.92
धरोहर राशि	4,13,200.00	4,67,700.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	8 माह	8 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	07.05.2026	07.05.2026

टेन्डर नं. Sr. DEN-IV/Publication/25-26 दिनांक – 29.04.2026 1440/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

दैनिक जयन्त-विचार

संपादकीय

लद्दाख में नई पहल

जम्मू-कश्मीर से अलग होकर नया केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद लद्दाख में जनाकांक्षाओं का जो उफान उठा है, केंद्र सरकार उसकी पूर्ति की दिशा में बढ़ती नजर आ रही है। बीते साल राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल किए जाने जैसी प्रमुख मांगों को लेकर स्थानीय संगठन आंदोलित नजर आए थे। अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के क्षेत्र के दौरे से पूर्व लद्दाख को पांच नये जिले मिले हैं। लेह और कारगिल के बाद-दो जिलों से बढ़कर सात जिलों तक का यह विस्तार इस पर्वतीय अंचल में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। निश्चित रूप से इस विशाल भू-भाग वाले, लेकिन कम आबादी वाले क्षेत्र में लोगों की सुविधा के लिए इस कदम की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। दरअसल, लद्दाख के नुब्रा, जांस्कर और चांगथांग जैसे दूरदराज के इलाकों में बुनियादी सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच बनाने में स्थानीय लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। यह बाधा सिर्फ भौगोलिक ही नहीं थी, बर्फीले दिनों में स्थिति और अधिक कष्टकारी हो जाती है। इसमें दो राय नहीं कि किसी भी क्षेत्र में छोटी प्रशासनिक इकाइयां अधिकारियों को जनता के करीब ला सकती हैं। खासकर लद्दाख जैसे जटिल भौगोलिक परिस्थितियों वाले क्षेत्रों में तो यह और भी जरूरी हो जाता है। निस्संदेह, छोटी प्रशासनिक इकाइयों के चलते सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के तुरंत क्रियान्वयन को सुगम बनाने में मदद मिल सकती है। सही मायनों में उपायुक्तों और पुलिस प्रमुखों की त्वरित नियुक्ति, बिना किसी देरी के सुशासन सुनिश्चित करने की दिशा में एक उत्साहजनक संकेत कहा जा सकता है। हालांकि, स्थानीय जनप्रतिनिधि संगठन नये जिले बनाने से संतुष्ट होते शायद ही नजर आएं। दरअसल, लद्दाख की चुनौतियां महज नौकरशाही तक ही सीमित नहीं कही जा सकती हैं। सही मायनों में ये राजनीतिक, आर्थिक व पर्यावरणीय भी हैं। वे जनाकांक्षाएं भी इसमें शामिल हैं जो लद्दाख के केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद ऊंचे स्तर पर रही हैं। यहां उल्लेखनीय है कि लेह की अस्मिता की रक्षा के लिये आंदोलन चलाने वाले संगठन, मसलन कारगिल लोकतांत्रिक गठबंधन समेत कई स्थानीय समूह, लद्दाख को राज्य का दर्जा दिए जाने और लेह-लद्दाख की संस्कृति की रक्षा के लिये इसे छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग करते रहे हैं। दरअसल, वे इसके लिये संवैधानिक सुरक्षा उपायों को लागू करने का आग्रह करते हैं। इस सप्ताह के अंत तक लद्दाख में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की यात्रा के दौरान स्थानीय संगठन निर्णय स्तर की वार्ता की मांग कर रहे हैं। वे विगत में हुई विभिन्न बैठकों को क्षेत्र के लंबे समय से लंबित मामलों के समाधान के लिये अपर्याप्त बताते रहे हैं।

चिंतन-मनन

सबसे बड़ी दौलत

एक विधवा अध्यापिका के दो बेटे थे। वह उन्हें गुरुकुल में अच्छी शिक्षा दिला रही थी। वह खुद भी अनेक बच्चों को संस्कृत पढ़ाती थी। इससे उसे जो कुछ प्राप्त होता था, उसी से वह अपना जीवनयापन करती थी। उसने अत्यंत गरीबी के दिनों में भी कभी किसी के आगे हाथ नहीं फैलाए। उसके स्वाभिमान को देख अनेक लोग अध्यापिका का बहुत आदर करते थे।
एक दिन एक बहुत बड़े सेठ को अध्यापिका की विद्वता व उसकी निर्धनता के बारे में मालूम हुआ। उस सेठ के कोई संतान नहीं थी। उसने सोचा हुआ था कि वह कुछ गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए उन्हें धन प्रदान करेगा। सेठ अध्यापिका के घर पहुंचा और बोला, देवी, आप निर्भीक व स्वाभिमानी हैं। मैं चाहता हूं कि आपके बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण करें। उसके लिए आप यह कुछ रुपये स्वीकार करें। इसके बाद उसने रुपयों की थैली अध्यापिका की ओर बढ़ाई। अध्यापिका हाथ जोड़कर सेठ से बोली, शायद आपको कुछ भ्रम हो गया है। मैं इतनी गरीब भी नहीं हूं कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा न दे पाऊं। मेरे पास जितनी दौलत है, उतनी शायद ही किसी के पास हो। सेठ अचरज से बोला, कहां है दौलत, जरा हमें भी तो बताइए।
अध्यापिका ने अपने दोनों पुत्रों को आवाज लगाई तो दोनों पुत्र तुरंत वहां आए और अपनी मां के पैर छूने के बाद उन्होंने सेठ के पैर छुए। फिर उन्होंने मां से पूछा, कहिए कैसे याद किया? दोनों पुत्रों की ओर देखकर अध्यापिका बोली, यही दोनों मेरी सबसे बड़ी दौलत हैं। दोनों लड़कों को देखकर सेठ अभिभूत हो गया और बोला, बिल्कुल सही। वास्तव में जिसकी संतान संस्कारी और गुणी है, वह कभी गरीब हो ही नहीं सकता। अध्यापिका ने सेठ से कहा, जो कुछ आप मुझे देने आए हैं, उसे अनाथ बच्चों को शिक्षित करने के लिए दे दें। सेठ ने वैसा ही किया।

आस्था,आधुनिकता व आत्म निर्भरता की पटरी पर दौड़ता 'नव काशी-भव्य काशी'

विनोद कुमार सिंह

प्रधानमंत्री का वाराणसी दौरा–विकास की सौगात, गंगा एक्सप्रेसवे का विस्तार और अमृत भारत एक्सप्रेस के रूप में नई गति का संकल्प...

जब भी काशी की बात होती है, तो यह केवल एक शहर नहीं, बल्कि समय, संस्कृति और चेतना का अनंत प्रवाह प्रतीत होता है।यहाँ हर क्षण में इतिहास की गूंज है और हर दिशा में भविष्य की संभावनाएँ। ऐसे ही एक ऐतिहासिक पड़ाव पर एक बार फिर काशी साक्षी बनी, जब देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान विकास और विश्वास की नई इबारत को मूर्त रूप दिया।प्रधानमंत्री ने वाराणसी से अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और इसके साथ ही एक नई गति,नई ऊर्जा और नए भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया। अपने उद्बोधन में उन्होंने स्पष्ट कहा कि 'काशी आज केवल आध्यात्मिक नगरी नहीं, बल्कि विकसित भारत के संकल्प की सशक्त धुरी बन चुकी है।यहाँ जो परिवर्तन हो रहा है,वह पूरे देश के लिए प्रेरणा है।' उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भारतीय रेल का आधुनिकीकरण केवल गति बढ़ाने का प्रयास नहीं,बल्कि आम नागरिक की सुविधा,सुरक्षा और सम्मान से जुड़ा हुआ अभियान है।
प्रधानमंत्री ने कहा कि अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें उन करोड़ों भारतीयों के सपनों को साकार करने का माध्यम हैं,जो कम लागत में बेहतर और सम्मानजनक यात्रा चाहते हैं। यह ट्रेन 'न्यू इंडिया' की उस सोच का प्रतीक है, जहाँ विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का संकल्प सर्वोपरि है।लगभग रू.6,350 करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास इस बात का सशक्त प्रमाण है कि विकास अब केवल आंकड़ों की भाषा नहीं बोलता, बल्कि जनजीवन की वास्तविक आवश्यकताओं से सीधे जुड़ता है। वाराणसी में आयोजित महिला सम्मेलन में हजारों महिलाओं की सहभागिता को प्रधानमंत्री ने 'नए भारत की शक्ति' बताते हुए कहा कि नारी सशक्तिकरण ही राष्ट्र सशक्तिकरण का मूल आधार है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को देश की सबसे बड़ी पूंजी बताया।अमृत भारत एक्सप्रेस के शुभारंभ के साथ काशी ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि यह नगरी केवल आध्यात्मिक चेतना की धारा नहीं बहाती, बल्कि विकास की तेज रफ्तार को भी अपने साथ लेकर चलती है।आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह ट्रेन उन यात्रियों के लिए एक नई उम्मीद है,जो सस्ती, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा की आकांक्षा रखते हैं।अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि 'आज का भारत अपनी विरासत पर गर्व करते हुए आधुनिकता की ओर बढ़ रहा है। काशी इसका सबसे जीवंत उदाहरण है,जहाँ परंपरा और प्रगति एक साथ कदमताल कर रही हैं।' इस दौरे के अगले चरण में हरदोई में गंगा एक्सप्रेसवे के उद्घाटन को लेकर भी प्रधानमंत्री ने इसे उत्तर प्रदेश के विकास का 'ग्रोथ इंजन' बताया।लगभग 594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेसवे राज्य के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों को जोड़ते हुए आर्थिक गतिविधियों को नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि यह केवल सड़क नहीं,बल्कि अवसरों का राजमार्ग है,जो किसानों,उद्यमियों और युवाओं के लिए नए द्वार खोलेगा।यदि इन सभी पहलुओं को एक साथ देखा जाए,तो स्पष्ट होता है कि यह दौरा केवल परियोजनाओं का उद्घाटन नहीं,बल्कि एक व्यापक परिवर्तन की निरंतर प्रक्रिया का हिस्सा है। काशी आज उस परिवर्तन का प्रतीक बन चुकी है, जहाँ परंपरा और प्रगति एक-दूसरे के पूरक बनकर उभर रहे हैं।
जीवन की यात्रा,रेल की रफ्तार और काशी का साक्षी भाव–यह अनुभव तब और गहरा हो जाता है, जब मैं स्वयं को एक यात्री के रूप में देखता हूँ.रेल की खिड़की से गुजरते दृश्य केवल भौगोलिक नहीं होते वे भीतर की यात्रा को भी गति देते हैं।जब यह यात्रा अयोध्या की ओर बढ़ती है,तो मन स्वतः ही भगवान श्रीराम की मयार्दा,त्याग और आदर्शों से भर उठता है। वहीं काशी पहुँचते ही शिव की मुक्त चेतना का अनुभव होता है।गंगा के तट पर खड़े होकर यह स्पष्ट होता है कि यह यात्रा केवल बाहरी नहीं, बल्कि भीतर की यात्रा भी है। मणिकर्णिका घाट पर जीवन का सत्य सामने आता है–मनुष्य एक यात्री है, जो आया है और आगे बढ़ जाएगा। 'काश्यां मरणान्मुक्तिः' का शास्त्रीय वचन यहाँ अनुभव बन जाता है।इसी आध्यात्मिक यात्रा के समानांतर भारतीय रेल की विकास यात्रा भी निरंतर आगे बढ़ रही है। वाराणसी से अमृत भारत एक्सप्रेस का संचालन इस बात का प्रतीक है कि भारत अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए आधुनिकता की ओर कितनी दृढ़ता से अग्रसर है।काशी की संध्या आरती में जब दीपों की पंक्तियाँ गंगा में तैरती हैं,तो वह दृश्य यह संदेश देता है कि जीवन का सार केवल उपलब्धियों में नहीं,बल्कि आत्मबोध में है। श्रीमद्भगवद्गीता का शाश्वत संदेश 'न जायते म्रियते वा कदाचित्' यहाँ जीवंत हो उठता है।
अयोध्या से काशी तक की यह यात्रा केवल दूरी नहीं,बल्कि उस आध्यात्मिक पथ का प्रतीक है, जहाँ राम की मयार्दा और शिव की मुक्तता एक साथ अनुभव होती है। और जब इस पूरी यात्रा को मैं एक साक्षी भाव से देखता हूँ,तो यह अनुभव होता है कि जीवन स्वयं एक 'अमृत भारत एक्सप्रेस' है -निरंतर गतिमान, सतत शिक्षाप्रद और अनवरत प्रवाहमान।प्रधानमंत्री के इस दौरे ने यह स्पष्ट कर दिया है कि काशी अब केवल अतीत की गौरवगाथा नहीं,बल्कि भविष्य की विकासगाथा भी है।यह वह भूमि है,जहाँ आस्था की जड़ें जितनी गहरी हैं,विकास की शाखाएँ उतनी ही विस्तृत हो रही हैं।
जय काशी विश्वनाथ... जय श्रीराम... भारत की यह यात्रा अनंत
(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

दुनिया में सैन्य खर्च बढ़ा, भारत पांचवें स्थान पर

सुनील कुमार महला

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की ताजा रिपोर्ट-2025...

दुनिया के देश अपने रक्षा बजट या यूं कहें कि सैन्य खर्च में अभूतपूर्व बढ़ोत्तरी कर रहे हैं। वास्तव में, आज के समय में दुनिया भर में सैन्य खर्च कई कारणों से तेजी से बढ़ रहा है। प्रमुख कारणों की यदि हम यहां पर बात करें तो भू-राजनीतिक तनाव और युद्ध(रूस-यूक्रेन युद्ध), इजरायल हमास युद्ध, दक्षिण चीन सागर जैसे संघर्षों ने देशों को सुरक्षा पर अधिक खर्च करने के लिए प्रेरित किया है। पड़ोसी देशों की प्रतिस्पर्धा (जैसे कि भारत, चीन और पाकिस्तान जैसे देशों की आपसी प्रतिस्पर्धा) भी इसके लिए कहीं न कहीं जिम्मेदार है।ये देश अपने सामरिक संतुलन बनाए रखने के क्रम में अपने सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी कर रहे हैं।सरल शब्दों में कहें तो जब एक देश हथियार खरीदता है, तो पड़ोसी देश भी अपनी सेना मजबूत करने लगते हैं। इसे हथियारों की दौड़ कहा जाता है। नई तकनीक और आधुनिक हथियार भी एक प्रमुख कारण बनकर उभरा है। पिछले कुछ समय से ड्रोन, साइबर सुरक्षा, मिसाइल रक्षा प्रणाली, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित हथियार, अंतरिक्ष रक्षा आदि पर भारी निवेश हो रहा है, जैसा कि आधुनिक युद्ध अब केवल सैनिकों से नहीं, तकनीक से भी लड़ा जाता है। आज आतंकवाद और आंतरिक सुरक्षा खतरों जैसे घुसपैठ, नशीले पदार्थों की तस्करी आदि के कारण भी दुनिया के विभिन्न देशों ने अपने सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी की है।वैश्विक शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा ने भी सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी को जन्म दिया है।सच तो यह है कि आज के समय में चीन, अमेरिका और रूस जैसे शक्तिशाली देश अपनी सैन्य शक्ति दिखाकर विश्व राजनीति में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहते हैं। इतना ही नहीं, आज हथियार उद्योग कई देशों की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा है। रक्षा सौदों से रोजगार, निर्यात और तकनीकी विकास भी जुड़ा होता है। कहना गलत नहीं होगा कि वर्तमान समय में सैन्य खर्च बढ़ना केवल युद्ध की तैयारी नहीं, बल्कि सुरक्षा, शक्ति संतुलन, तकनीकी बढ़त और राजनीतिक प्रभाव का भी संकेत है। लेकिन अत्यधिक सैन्य खर्च से शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास क्षेत्रों पर दबाव भी बढ़ सकता है। इस क्रम में हाल ही में एक प्रतिष्ठित न्यूज एजेंसी के हवाले से यह खबरें आईं हैं कि भारत का रक्षा खर्च 8.9% बढ़ा, और भारत 5वां सबसे अधिक सैन्य खर्च वाला देश बन गया है। दरअसल, हाल ही में आई सिपरी की रिपोर्ट के अनुसार यह जानकारी सामने आई है कि वैश्विक सैन्य खर्च 2,887 अरब डॉलर पार कर चुका है और भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश बन गया है। रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2025 में भारत का सैन्य खर्च 8.9 प्रतिशत बढ़कर 92.1 अरब डॉलर हो गया। गौरतलब है कि स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में वैश्विक सैन्य खर्च 2,887 अरब डॉलर तक पहुंच गया।बड़ी बात यह है कि यह लगातार 11वां साल है, जब वैश्विक सैन्य खर्च में वृद्धि दर्ज की गई है। पाठकों को बताता चलूं कि सबसे ज्यादा खर्च करने वाले पांच देशों में अमेरिका, चीन, रूस, जर्मनी और भारत शामिल हैं, जिनका वैश्विक खर्च में कुल योगदान 58 प्रतिशत है। सरल शब्दों में कहें तो सेना पर सर्वाधिक खर्च करने वाले देशों में अमेरिका, चीन, रूस और जर्मनी आज दुनिया में सबसे आगे पहुंच चुके हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार अमेरिका, यूरोप, चीन, रूस और जर्मनी का सैन्य खर्च क्रमशः 954,864,336,190 तथा 114 अरब डॉलर हो गया है। कहना गलत नहीं होगा कि इससे वैश्विक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) पर भार में बढ़ोत्तरी हुई है। जानकारी अनुसार दुनियाभर में सैन्य खर्च के चलते वैश्विक जीडीपी पर भार 2024 में 2.4% था, जो 2025 में बढ़कर 2.5% हो गया है। दुनियाभर में सरकारों का सेना पर औसत खर्च 2024 में 7% था, जो 2025 में घटकर 6.9% हो गया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि ईरान-इजरायल का खर्च घटा है। पाठकों को बताता चलूं कि इजरायल का सैन्य खर्च 4.9 फीसदी घटकर 48.3 अरब डॉलर रहा, वहीं दूसरी ओर ईरान का खर्च लगातार दूसरे साल घटा, तथा वर्ष 2025 में यह 7.4 अरब डॉलर रह गया। आंकड़े बताते हैं कि नाटो का सैन्य खर्च 14 फीसदी बढ़कर कुल 864 अरब डॉलर हो गया, वहीं पर स्पेन ने सैन्य खर्च 50 फीसदी बढ़ाया है, और कुल बजट 40.2 अरब डॉलर हो गया। इधर, मध्य-पूर्व में सेना पर 218 अरब डॉलर खर्च हुए, वर्ष 2024 से 0.1% कम। हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत के रक्षा खर्च में वृद्धि की एक बड़ी वजह पिछले मई में भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष बताया गया है, जिसमें लड़ाकू विमानों, ड्रोन्स व मिसाइलों का इस्तेमाल हुआ। इसी के चलते पाकिस्तान का सैन्य खर्च भी 11 प्रतिशत बढ़कर 11.9 अरब डॉलर हो गया। दरअसल, पाकिस्तान ने चीन से नए हथियार भी खरीदे। गौरतलब है कि इससे वैश्विक स्तर पर सैन्य खर्च का बोझ (जीडीपी के अनुपात में) 2.5 प्रतिशत तक पहुंच गया, जो कि साल 2009 के बाद सबसे अधिक है। मतलब यह है कि प्रति व्यक्ति औसतन 352 डॉलर सैन्य खर्च किया गया। रिपोर्ट बताती है कि अमेरिका का सैन्य खर्च 7.5% घटकर 954 अरब डॉलर रहा, जिसका कारण यूक्रेन को नई वित्तीय सहायता का न मिलना बताया गया। इसके विपरीत यूरोप में 14 प्रतिशत और एशिया व ओशिनिया क्षेत्र में 8.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इतना ही नहीं, चीन दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश है। दरअसल , चीन ने साल 2025 में अपना रक्षा बजट 7.4 प्रतिशत बढ़ाकर 336 अरब डॉलर कर दिया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यह लगातार 31 वां वर्ष है जब चीन ने अपने देश का रक्षा खर्च बढ़ाया है। रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर युद्ध, भू-राजनीतिक तनाव व सुरक्षा चिंताओं के चलते देशों ने हथियारों व रक्षा तैयारियों पर खर्च बढ़ाया है।
बहरहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि किसी भी देश द्वारा अत्यधिक सैन्य खर्च के फायदे और नुकसान दोनों ही होते हैं। वास्तव में, यह किसी देश की सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और सामाजिक विकास पर सीधा प्रभाव डालता है।अत्यधिक सैन्य खर्च के फायदे यह हैं कि इससे किसी देश विशेष की जहां एक ओर राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत होती है, वहीं दूसरी ओर इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं। सरल शब्दों में कहें तो सेना, रक्षा उद्योग, हथियार निर्माण, अनुसंधान और तकनीकी क्षेत्रों में नौकरियां पैदा होती हैं।अत्यधिक सैन्य खर्च से किसी देश कातकनीकी विकास होता है। वास्तव में रक्षा अनुसंधान से नई-नई तकनीकें विकसित होती हैं, जिनका उपयोग बाद में आम जनता के लिए भी होता है (जैसे इंटरनेट, जीपीएस आदि)। सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी से उस देश विशेष का अंतरराष्ट्रीय प्रभाव बढ़ता है। कहना गलत नहीं होगा कि आज मजबूत सैन्य शक्ति वाला देश वैश्विक राजनीति में अधिक प्रभावशाली माना जाता है। इतना ही नहीं एक फायदा यह भी है कि इससे(अत्यधिक सैन्य खर्च से) सेना युद्ध के अलावा बाढ़, भूकंप, महामारी जैसी आपदाओं में भी मदद करती है। वहीं दूसरी ओर अत्यधिक सैन्य खर्च की बात करें तो इसके नुकसान भी कम नहीं हैं। मसलन, इससे शिक्षा और स्वास्थ्य पर व्यापक असर पड़ता है। सरल शब्दों में कहें तो ज्यादा पैसा सेना पर खर्च होने से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और विकास योजनाओं के लिए कम धन बचता है और उस देश विशेष पर आर्थिक दबाव बढ़ता है। यदि कोई देश अत्यधिक सैन्य बजट खर्च करता है तो इससे सरकारी घाटा, कर्ज और महंगाई बढ़ सकती है। इतना ही नहीं, दुनिया में एक दूसरे की देखा-देखी में हथियारों की होड़ बढ़ती है, व तनाव व युद्ध का कारण बनता है।सामाजिक

युद्ध की आशंकाओं के बीच आशा का सेतुः

ललित गर्ग

इस समझौते की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है कि न्यूजीलैंड द्वारा भारतीय निर्यातकों को लगभग सभी उत्पादों पर शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच प्रदान करना। यह भारतीय उद्योग, विशेषकर श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए एक स्वर्णिम अवसर है। कपड़ा, चमड़ा, इंजीनियरिंग वस्तुएं और प्लास्टिक उत्पाद जैसे क्षेत्रों को इससे अभूतपूर्व बढ़ावा मिलेगा। इससे न केवल निर्यात बढ़ेगा, बल्कि भारत में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते का वैश्विक अर्थ...

वैश्विक परिदृश्य इन दिनों युद्ध की अनिश्चितताओं, तनावों और भू-राजनीतिक खींचतान से भरा हुआ है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और महाशक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा ने विश्व अर्थव्यवस्था के सामने कई प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे समय में भारत और न्यूजीलैंड के बीच 27 अप्रैल 2026 को नई दिल्ली में हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) केवल एक द्विपक्षीय आर्थिक दस्तावेज नहीं, बल्कि वैश्विक निराशा के बीच आशा का एक सशक्त संदेश बनकर उभरा है। यह समझौता उस विश्वास को पुनर्जीवित करता है कि सहयोग, संवाद और साझेदारी ही भविष्य की स्थायी समृद्धि का मार्ग हैं। यह समझौता कई दृष्टियों से ऐतिहासिक है। सबसे पहले, इसे मात्र नौ महीनों में अंतिम रूप दिया जाना अपने आप में एक उपलब्धि है, जो दोनों देशों की प्रतिबद्धता और व्यावहारिक कूटनीति को दशार्ता है। दूसरी ओर, यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब विश्व व्यापार व्यवस्था में बहुपक्षीय संस्थाओं की प्रभावशीलता पर प्रश्न उठ रहे हैं और देश तेजी से द्विपक्षीय या क्षेत्रीय समझौतों की ओर अग्रसर हो रहे हैं। विश्व व्यापार संगठन की धीमी गति और जटिलताओं के बीच यह समझौता एक नई दिशा का संकेत देता है, जहां लचीले और उद्देश्यपरक समझौते अधिक प्रभावी साबित हो रहे हैं।
इस समझौते की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है कि न्यूजीलैंड द्वारा भारतीय निर्यातकों को लगभग सभी उत्पादों पर शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच प्रदान करना। यह भारतीय उद्योग, विशेषकर श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए एक स्वर्णिम अवसर है। कपड़ा, चमड़ा, इंजीनियरिंग वस्तुएं और प्लास्टिक उत्पाद जैसे क्षेत्रों को इससे अभूतपूर्व बढ़ावा मिलेगा। इससे न केवल निर्यात बढ़ेगा, बल्कि भारत में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। भारतीय अर्थव्यवस्था, जो पहले से ही वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रही है, इस समझौते के माध्यम से और अधिक सशक्त होगी। निवेश के क्षेत्र में भी यह समझौता नई संभावनाओं के द्वार खोलता है। अगले 15 वर्षों में न्यूजीलैंड द्वारा भारत में 20 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि विश्वास का प्रतीक है। यह निवेश बुनियादी ढांचे, कृषि, तकनीक और सेवा क्षेत्रों मंव नई ऊर्जा का संचार करेगा। जब कोई विकसित देश किसी उभरती अर्थव्यवस्था में इस स्तर का निवेश करता है, तो यह अन्य वैश्विक निवेशकों के लिए भी सकारात्मक संकेत होता है। इस प्रकार यह समझौता एक ह्यट्रिगर पॉइंटह्ण के रूप में कार्य कर सकता है, जिससे भारत में विदेशी निवेश की नई लहर उत्पन्न हो। सेवा क्षेत्र के दृष्टिकोण से यह समझौता और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। आईटी, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं, पर्यटन और आयुष जैसे क्षेत्रों में सहयोग से दोनों देशों को लाभ होगा। भारतीय पेशेवरों के लिए न्यूजीलैंड में काम करने के अवसरों का विस्तार, विशेष रूप से हर वर्ष हजारों कार्य वीजा की सुविधा, वैश्विक प्रतिभा प्रवाह को नई दिशा देगा। यह न केवल आर्थिक, बल्कि सांस्कृतिक और बौद्धिक आदान-प्रदान को भी प्रोत्साहित करेगा।
इस समझौते का एक और महत्वपूर्ण पहलू है कृषि सहयोग। न्यूजीलैंड अपनी उन्नत कृषि तकनीकों और उच्च उत्पादकता के लिए जाना जाता है, जबकि भारत के पास विशाल भूमि और विविध जलवायु है। दोनों देशों के बीच सहयोग से कीवी, सेब, शहद और अन्य उत्पादों के क्षेत्र में नई संभावनाएं विकसित हो सकती हैं। इससे भारतीय किसानों को आधुनिक तकनीक, बेहतर उत्पादन और वैश्विक बाजार तक पहुंच मिलेगी। साथ ही, यह भी उल्लेखनीय है कि भारत ने अपने डेयरी और संवेदनशील कृषि क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की है, जो इस समझौते की संतुलित प्रकृति को दशार्ता है। वैश्विक दृष्टि से देखें तो यह समझौता उस समय आया है जब दुनिया व्यापार के नए मॉडल तलाश रही है। एक समय था जब वैश्विक व्यापार मुख्यतः केंद्रीकृत संस्थाओं के माध्यम से संचालित होता था, लेकिन अब देश अपने-अपने हितों के अनुसार लचीले और त्वरित समझौते कर रहे हैं। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कई महत्वपूर्ण व्यापार समझौते किए हैं, जो उसकी सक्रिय आर्थिक कूटनीति का प्रमाण हैं। यह समझौता भी उसी श्रृंखला की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जो भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखला में और गहराई से जोड़ता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस समझौते को किसानों, युवाओं, महिलाओं, कारीगरों और उद्यमियों के लिए लाभकारी बताना केवल एक राजनीतिक वक्तव्य नहीं, बल्कि इसकी व्यापक सामाजिक-आर्थिक संभावनाओं का संकेत है। यह समझौता समावेशी विकास की अवधारणा को भी सुदृढ़ करता है, जहां आर्थिक प्रगति का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचता है। इस समझौते का एक महत्वपूर्ण संदेश यह भी है कि भारत अब किसी एक देश या क्षेत्र पर निर्भर रहने की नीति से आगे बढ़ रहा है। विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में हो रही देरी के बीच भारत का यह कदम उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता और बहुविकल्पीय दृष्टिकोण को दशार्ता है। यह स्पष्ट संकेत है कि भारत अपने लिए नए बाजारों और साझेदारों की तलाश में सक्रिय है, जिससे उसकी आर्थिक स्थिरता और मजबूती बनी रहे। हालांकि, इस समझौते के साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। भारतीय उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार होना होगा। गुणवत्ता, नवाचार और लागत-प्रभावशीलता के क्षेत्र में सुधार आवश्यक होगा। साथ ही, सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस समझौते के लाभ व्यापक रूप से वितरित हों और छोटे तथा मध्यम उद्यम भी इसका पूरा लाभ उठा सकें। इसके बावजूद, यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में एक सकारात्मक और प्रेरणादायक पहल है। यह न केवल दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाई देगा, बल्कि वैश्विक व्यापार व्यवस्था में भी एक नई ऊर्जा का संचार करेगा। यह समझौता उस दिशा में एक कदम है, जहां प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ सहयोग भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे भारत के लिए न्यूजीलैंड के साथ हुआ मुक्त व्यापार समझौता केवल एक आर्थिक करार नहीं, बल्कि एक रणनीतिक छलांग के रूप में देखा जाना चाहिए। यह समझौता भारत की व्यापारिक सक्रियता, निर्यात क्षमता और वैश्विक बाजार में उसकी विश्वसनीयता को नई ऊँचाइयों तक ले जाने की क्षमता रखता है। इससे भारतीय उद्योगों, विशेषकर एमएसएमई, कृषि और सेवा क्षेत्रों को नया विस्तार मिलेगा और भारत वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में अधिक सशक्त उपस्थिति दर्ज कर सकेगा। इस प्रकार के समझौते यह संकेत देते हैं कि भारत अब केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक नेतृत्व की ओर बढ़ता हुआ एक निर्णायक शक्ति केंद्र बन रहा है। वर्ष 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूर्ण होने के लक्ष्य को सामने रखते हुए, ऐसे मुक्त व्यापार समझौते भारत के उज्ज्वल भविष्य के संकेतक प्रतीत होते हैं। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत जिस प्रकार बहुआयामी विकास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह उसे एक सशक्त, प्रभावशाली और नेतृत्वकारी राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करता है। ये समझौते केवल आर्थिक समृद्धि के साधन नहीं, बल्कि भारत को वैश्विक मंच पर एक निर्णायक भूमिका निभाने के लिए तैयार करने वाले उपकरण भी हैं। स्पष्ट है कि आने वाला समय भारत के लिए अवसरों से भरा हुआ है, जहां यह देश न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि कूटनीतिक और रणनीतिक रूप से भी विश्व में अपनी अग्रणी उपस्थिति दर्ज कराएगा।
निश्चिततौर पर यह समझौता केवल व्यापार और निवेश तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक दृष्टिकोण का प्रतीक है, जिसमें आर्थिक प्रगति, सामाजिक समावेशन और वैश्विक सहयोग का समन्वय है। युद्ध और तनाव के इस दौर में यह समझौता एक संदेश देता है कि शांति, साझेदारी और परस्पर विश्वास ही वह आधार हैं, जिन पर भविष्य की समृद्ध दुनिया का निर्माण संभव है। भारत के लिए यह समझौता न केवल आर्थिक अवसरों के नए द्वार खोलता है, बल्कि उसे एक जिम्मेदार और दूरदर्शी वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित भी करता है।

संक्षिप्त समाचार

पेंटागन का बड़ा कबूलनामा: चीन-रूस की मिसाइलों के सामने अमेरिकी रक्षा सिस्टम बेदम, गोल्डन डोम बनेगा गेम चेंजर?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक अहम खुलासा सामने आया है। शीर्ष पेंटागन अधिकारियों ने स्वीकार किया है कि मौजूदा अमेरिकी रक्षा प्रणाली केवल छोटे स्तर के हमलों को ही रोक सकती है और हाइपरसोनिक या क्रूज मिसाइल जैसे आधुनिक खतरों के खिलाफ लगभग बेअसर है। अमेरिकी रक्षा और सैन्य अधिकारियों ने वित्त वर्ष 2027 के बजट पर चर्चा के दौरान सीनेट में यह बात रखी। उन्होंने चेतावनी दी कि चीन, रूस, ईरान और उत्तर कोरिया जैसे देश तेजी से ऐसे हथियार विकसित कर रहे हैं, जो पारंपरिक रक्षा प्रणाली को आसानी से चकमा दे सकते हैं। अमेरिकी रक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मार्क जे बर्कविट्ज ने साफ कहा कि मौजूदा सिस्टम को इस तरह के आधुनिक खतरों के लिए डिजाइन ही नहीं किया गया था।

पाकिस्तान में ऊर्जा संकट: सिर्फ 5-7 दिनों का कच्चा तेल शेष, पेट्रोलियम मंत्री परवेज मलिक ने कबूली लाचारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पड़ोसी देश पाकिस्तान इस समय अपने इतिहास के सबसे भीषण ऊर्जा संकट के मुहाने पर खड़ा है। पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने चेताया है कि देश के पास अब केवल पांच से सात दिनों का कच्चा तेल शेष बचा है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और लाल सागर में उपजे संकट ने पाकिस्तान की आपूर्ति श्रृंखला को पूरी तरह तोड़ दिया है। यदि अगले कुछ दिनों में तेल की नई खेप नहीं पहुंचती है, तो देश में परिवहन और उद्योग पूरी तरह ठप हो सकते हैं। मंत्री मलिक ने भारत की रणनीतिक क्षमता का जिक्र करते हुए अपनी बेबसी जाहिर की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के पास कोई ठोस ऑयल रिजर्व नहीं है। उन्होंने तुलना करते हुए कहा कि हम भारत की तरह सक्षम नहीं हैं। भारत एक सिग्नेचर करके अपने रिजर्व से 60–70 दिनों का तेल रिलीज कर सकता है। लेकिन पाकिस्तान की स्थिति ऐसी है कि यहां बाहरी झटकों को सहने की रत्ती भर भी क्षमता नहीं बची है। पेट्रोलियम मंत्री ने यह भी कहा कि देश के पास एक दिन का भी अतिरिक्त पेट्रोल भंडार नहीं है। उन्होंने ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते भू–राजनीतिक तनाव को इस संकट की मुख्य वजह बताया। उनके अनुसार, पश्चिम एशिया में जारी यह युद्ध थमता नहीं दिख रहा है। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारी अनिश्चितता पैदा हो गई है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को तत्काल एक प्रभावी ऊर्जा सुरक्षा योजना की आवश्यकता है, अन्यथा देश पूरी तरह ठप हो सकता है। दूसरी ओर, अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों ने पाकिस्तान की मुश्किलों को दोगुना कर दिया है। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने साफ कर दिया है कि वे रूसी और ईरानी तेल पर दी गई छूट की अवधि को आगे नहीं बढ़ाएंगे। बेसेंट ने कहा कि ईरान के लिए अब कोई रियायत नहीं होगी। अमेरिका ने प्रभावी रूप से नाकाबंदी कर रखी है, जिससे ईरानी तेल की आपूर्ति रुक गई है। रूस से तेल खरीद पर मिलने वाली छूट भी खत्म होने वाली है। इन वैश्विक प्रतिबंधों और घरेलू भंडारण की कमी ने पाकिस्तान को दोतरफा संकट में फंसा दिया है। कच्चे तेल की कमी से रिफाइनरियों के बंद होने का खतरा है। यदि जल्द ही आपूर्ति सुनिश्चित नहीं की गई, तो पाकिस्तान में परिवहन और बिजली व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो सकती है। सरकार अब भंडारण क्षमता को मजबूत करने के लिए संघर्ष कर रही है, लेकिन सीमित संसाधनों के कारण यह राह बेहद कठिन नजर आ रही है।

मैक्सिको में ड्रग कार्टेल को बड़ा झटका: गिरफ्तार हुआ गिरोह का सबसे बड़ा नेता, अमेरिका ने रखा था बड़ा का इनाम

मैक्सिको, एजेंसी। मैक्सिको में सबसे ताकतवर माने जाने वाले ड्रग कार्टेल जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल (सीजेएनजी) को एक और बड़ा झटका लगा है। सोमवार को मैक्सिको की सेना ने इस गिरोह के बड़े नेता ऑडियास फ्लोरेस सिल्वा को गिरफ्तार कर लिया। उसे एल जार्डिनेरो यानी माली के नाम से भी जाना जाता है। मैक्सिको सरकार के मुताबिक, फ्लोरेस सिल्वा को नयारिट राज्य के एल मिराडोर इलाके के पास सड़क किनारे एक गड्ढे में छिपे हुए पकड़ा गया। उसकी गिरफ्तारी के दौरान कोई मुठभेड़ नहीं हुई और न ही कोई घायल हुआ। फ्लोरेस सिल्वा को कार्टेल के मारे गए सरगना नेमेसियो ओसेगुएरा सर्वांतेस उर्फ एल मेंचो का संभावित उत्तराधिकारी माना जा रहा था। एल मेंचो फरवरी में मैक्सिकन सेना के एक बड़े ऑपरेशन में मारा गया था। उसकी मौत के बाद पूरे देश में हिंसा भड़क गई थी, जिसमें 70 से ज्यादा लोग मारे गए थे, जिनमें 25 नेशनल गार्ड के जवान भी शामिल थे।बता दें कि अमेरिका ने फ्लोरेस सिल्वा की गिरफ्तारी पर 5 मिलियन डॉलर (करीब 40 करोड़ रुपये) का इनाम रखा था। वह कार्टेल में सुरक्षा प्रमुख था और नशे के कारोबार को जलिस्को, मैक्सिको स्टेट, जाकाटेकास और नयारिट जैसे इलाकों में चलाने में अहम भूमिका निभाता था। उसकी गिरफ्तारी के बाद कुछ इलाकों में हिंसा की खबरें भी आईं, जहां कार्टेल के लोगों ने गाड़ियों और दुकानों में आग लगा दी।इस कार्रवाई की तारीफ रोनाल्ड जॉनसन (अमेरिकी राजदूत) ने भी की।

आरोपी एलन ने परिवार से माफी मांग खरीदे हथियार,

अमेरिकी सुरक्षा घेरा तोड़ने की थी साजिश

वॉशिंगटन, एजेंसी। वाशिंगटन में व्हाइट हाउस संवाददाता रात्रिभोज के दौरान हुई फायरिंग की घटना ने अमेरिका की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस मामले की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, आरोपी कोल टॉमस एलन को लेकर चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं।

अधिकारियों के अनुसार, आरोपी ने हमले से कुछ समय पहले अपने परिवार और एक पूर्व नियोक्ता को ईमेल भेजा था। इसमें उसने माफी और स्पष्टीकरण शीर्षक वाला दस्तावेज भी संलग्न किया था। ईईमेल में एलन ने लिखा, 'मैंने जो भी परेशानी पैदा की है, उसके लिए मैं तहे दिल से माफी मांगता हूं और साथ ही यह भी कहा कि वह जो करने वाला है उसके लिए उसे माफी की उम्मीद नहीं है। मेरे प्रतिनिधियों के कार्यों का मुझ पर प्रभाव पड़ता है और मैं अब अपराधों को बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हूं।' जांच एजेंसियों का कहना है कि यह संदेश हमले की पूर्व-योजना का स्पष्ट संकेत देता है।

कैलिफोर्निया से खरीदे थे हथियार : जांच में सामने आया है कि आरोपी ने हमले के लिए कई हथियार पहले ही खरीद लिए थे, जिनमें 12-गेज शॉटगन और .38 कैलिबर पिस्तौल शामिल हैं। ये हथियार उसने कैलिफोर्निया में खरीदे और बाद में उन्हें वाशिंगटन डीसी तक ले गया। रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी ने 6 अप्रैल को वाशिंगटन हिल्टन में 24 से 26 अप्रैल तक तीन रातों के लिए बुकिंग कर ली थी और कार्यक्रम स्थल की रेकी भी की थी। वह उसी होटल में ठहरा था जहां हाई-प्रोफाइल डिनर आयोजित होना था, जिसमें राष्ट्रपति और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

ट्रेन से पहुंचा वाशिंगटन : एलन ने 21 अप्रैल को लॉस एंजिल्स के पास स्थित अपने घर से ट्रेन से यात्रा शुरू की और 23 अप्रैल को शिकागो पहुंचा। इसके बाद वह वाशिंगटन डीसी के लिए रवाना हुए, जहां वे 24 अप्रैल को दोपहर लगभग 1 बजे पहुंचा। दोपहर लगभग 3 बजे वह होटल पहुंचा और रातभर वहीं रुका रहा, उसने खुद को उसी इमारत के अंदर रखा, जहां वह हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम आयोजित होने वाला था। अधिकारियों ने बताया कि कोल टॉमस एलन को रात्रिभोज के कार्यक्रम और वरिष्ठ अमेरिकी नेताओं की उपस्थिति की जानकारी थी। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और मंत्रिमंडल के अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित यह कार्यक्रम होटल के कॉनकोर्स तल पर स्थित एक बैंक्वेट हॉल में रात लगभग 8 बजे शुरू हुआ। कार्यक्रम शुरू होने के लगभग 40 मिनट बाद आरोपी सुरक्षा चेकपॉइंट तक पहुंचा। इस दौरान गोली चलने की आवाज सुनाई दी और सीक्रेट सर्विस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे काबू में कर लिया। इस दौरान एक अधिकारी को गोली लगी, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट की वजह से उसकी जान बच गई।

गहराई से चल रही जांच : अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यह हमला अचानक नहीं बल्कि पूरी तरह योजनाबद्ध था। अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि क्या आरोपी को किसी बाहरी व्यक्ति या संगठन की मदद मिली थी। जांचकर्ताओं ने बताया कि संदिग्ध के होटल के कमरे, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और यात्रा इतिहास से अतिरिक्त सबूतों की समीक्षा की जा रही है। आरोपी की इस काम में किसी ने मदद की थी या नहीं, उसकी भी जांच की जा रही है।

रुबियो ने कहा- ईरान का नया शांति प्रस्ताव उम्मीद से बेहतर, परमाणु हथियार क्षमता पर क्या बोले?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनावपूर्ण कूटनीतिक माहौल के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि तेहरान की ओर से हाल में भेजा गया नया प्रस्ताव अमेरिका की उम्मीद से बेहतर है। हालांकि उन्होंने साफ किया कि किसी भी संभावित समझौते की सबसे बड़ी शर्त यही होगी कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल न कर सके।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान की ओर से जो नया ढांचा पेश किया गया है, उसमें पहले चरण में होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने का सुझाव शामिल है। इसके बाद परमाणु मुद्दे पर विस्तृत बातचीत को आगे बढ़ाने की बात कही गई है। अमेरिकी अधिकारी फिलहाल इस चरणबद्ध प्रस्ताव की समीक्षा कर रहे हैं।

अपने एक इंटरव्यू में रुबियो ने कहा कि वह यह नहीं बता सकते कि यह प्रस्ताव राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को स्वीकार होगा या नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई समझौता नहीं होता है तो उसके परिणाम क्या होंगे, इस पर अंतिम फैसला राष्ट्रपति ही करेंगे। रुबियो ने कहा कि परमाणु मुद्दा ही वह वजह है जिसके कारण यह पूरा संकट शुरू हुआ। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम आज भी क्षेत्रीय तनाव का मुख्य कारण बना हुआ है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि तेहरान फिलहाल समय खरीदने की रणनीति पर काम कर रहा है। रुबियो के मुताबिक, ईरान के वार्ताकार बेहद अनुभवी हैं, इसलिए अमेरिका को ऐसा समझौता चाहिए जो निश्चित रूप से यह सुनिश्चित करे कि ईरान किसी भी समय तेजी से परमाणु हथियार बनाने की दिशा में आगे न बढ़ सके।अमेरिकी विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि ईरान के भीतर आंतरिक सत्ता संघर्ष और निर्णय प्रक्रिया भी बातचीत को जटिल बना रही है।

ट्रंप के जीत वाले दावे पर ईरान ने लेगो स्टाइल में लिए मजे, सोशल मीडिया पर छिड़ा मीम युद्ध!

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अब एक नया मोर्चा खुल गया है। यह मोर्चा किसी सीमा पर नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर सक्रिय है। अमेरिका और ईरान के बीच चल रही सैन्य तल्खी अब मीम युद्ध में बदल गई है। इस बार ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधने के लिए लेगो-स्टाइल एआई मीम का सहारा लिया है। आइए, जानते हैं कि क्या है पूरा मामला। घाना स्थित ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया पर एक व्यंग्यात्मक वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में डोनाल्ड ट्रंप को सोते हुए दिखाया गया है। वीडियो में उनके सलाहकार आपस में बहस कर रहे हैं। सलाहकार इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि राष्ट्रपति को जगाया जाए या नहीं। जब एक सहायक उन्हें जगाने का सुझाव देता है, तो दूसरा जवाब देता है कि उन्हें परेशान न किया जाए। दूसरा सहायक कहता है कि राष्ट्रपति अभी ईरान को हराने का सपना देख रहे हैं। इस वीडियो के साथ एक तीखा कैप्शन भी लिखा गया है। इसमें लिखा है, 'वह सपना देख रहे होंगे कि उन्होंने ईरान को हरा दिया है। उन्हें सोने दें।' घाना स्थित ईरानी दूतावास टोगो और लाइबेरिया के लिए भी मान्यता प्राप्त है। इस दूतावास के आधिकारिक अकाउंट से पोस्ट किया गया यह वीडियो अब जंगल की आग की तरह सोशल मीडिया पर फैल गया है।

28 फरवरी 2026 को शुरू हुई सैन्य झड़पें अब अपने तीसरे महीने में प्रवेश कर चुकी हैं। एक तरफ ट्रंप प्रशासन लगातार ईरान पर बड़ी सैन्य जीत के दावे कर रहा है। वहीं दूसरी ओर, ईरान शब्दों और डिजिटल तस्वीरों के जरिए इस नैरेटिव को काटने की कोशिश कर रहा है।

सोशल मीडिया पर जनता की प्रतिक्रिया

सोशल मीडिया पर लोगों की प्रतिक्रियाएं काफी बंटी हुई हैं। कुछ लोग इसे मजा के तौर पर देख रहे हैं तो कुछ लोगों ने ऐतराज भी जताया है। एक यूजर ने लिखा, 'आप लोग असल में यह नहीं समझते कि अमेरिका कैसे काम करता है। आपका युद्ध राष्ट्रपति ट्रंप से नहीं है। वह तो सिस्टम का एक छोटा हिस्सा हैं जो थोड़े मुखर हैं। कार्टून बनाकर चमत्कार की उम्मीद करना कोई जीतने वाली रणनीति नहीं है।' बताते चलें कि जमीन पर सैन्य स्थिति अब भी अनिश्चित बनी हुई है, लेकिन डिजिटल दुनिया में यह जंग हर दिन नई शक्ल ले रही है।

क्या हिंदू होने की वजह से बचे काश पटेल?

हमलावर की हिटलिस्ट में ट्रंप की पूरी टीम, एफबीआई चीफ का नहीं था

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टीम पर हमले की साजिश रचने वाले हमलावर ने केवल काश पटेल को बख्शा। अब जांचकर्ताओं का मानना है कि उनकी हिंदू पहचान या कानून प्रवर्तन अधिकारी होना उनकी सुरक्षा की बड़ी वजह हो सकती है। इस मामले में और भी कई खुलासे हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी टीम पर पिछले दिनों हुई गोलीबारी ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। अब इस मामले में एक ऐसा खुलासा हुआ है जिसने सुरक्षा एजेंसियों को चकित कर दिया है। हमलावर कोल एलन के पास से बरामद घोषणापत्र की जांच में सामने आया है कि डोनाल्ड ट्रंप की पूरी टीम उसके निशाने पर थी। लेकिन उसने केवल एक नाम को जानबूझकर छोड़ दिया था। वो हैं एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल।

अमेरिकी जांच एजेंसियां अब इस गुत्थी को सुलझाने में जुटी हैं। वे जानना चाहते हैं कि आखिर काश पटेल को सूची से बाहर क्यों रखा गया। जांचकर्ता दो प्रमुख सिद्धांतों पर काम कर रहे हैं। पहला और सबसे चर्चित कारण उनकी धार्मिक पहचान मानी जा रही है। द न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, हमलावर कोल एलन के विचारों में स्पष्ट रूप से ईसाई-विरोधी नफरत भरी थी। जांचकर्ताओं का मानना है कि हिंदू होने की वजह से काश पटेल हमलावर के निशाने पर फिट नहीं बैठे। हमलावर ने अपनी हिंसा को सही ठहराने के लिए जिन नैतिक और धार्मिक तर्कों का सहारा लिया, उसमें हिंदू धर्म के प्रति उसका कोई विरोध नहीं दिखा।

हमलावर ने बनाए थे कड़े नियम

बताया जा रहा है कि शूटर ने हमले के लिए कुछ कड़े नियम बनाए थे। इनमें से एक नियम था 'लॉ एन्फोर्समेंट' यानी कानून प्रवर्तन अधिकारियों को सीधा नुकसान न पहुंचाना। काश पटेल एफबीआई के शीर्ष पद पर हैं। इसलिए उन्हें इस श्रेणी में रखा गया होगा। हालांकि, यह थ्योरी पूरी तरह सटीक नहीं बैठती। हमले के दौरान एक सुरक्षा अधिकारी को गोली लगी थी। उसकी जान केवल बुलेटप्रूफ जैकेट की वजह से बची।

मामले में एक के बाद एक बड़े खुलासे

कोल एलन ने इस हमले के लिए अधिकारियों की एक बाकायदा रैंकिंग वाली लिस्ट तैयार की थी। उसने अपने मैनीफेस्टो में लिखा था, 'प्रशासन के अधिकारी मेरे लक्ष्य हैं।' चौंकाने वाली बात यह है कि हमलावर ने घटना को अंजाम देने से ठीक 10 मिनट पहले यह दस्तावेज अपने परिवार को भेजा था।

25 अप्रैल का खौफनाक घटनाक्रम

यह हमला 25 अप्रैल को वाशिंगटन के हिल्टन होटल में हुआ था। कोल एलन कई घातक हथियारों के साथ सुरक्षा घेरा तोड़कर मुख्य कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने की फिराक में था। हालांकि, सीक्रेट सर्विस की मुस्तैदी से उसे पहले ही रोक लिया गया। इस दौरान हुई गोलीबारी में अफरा-तफरी मच गई। डोनाल्ड ट्रंप और वहां मौजूद अन्य वीवीआईपी अधिकारियों को तुरंत सुरक्षित बाहर निकाला गया। वर्तमान में कोल एलन पर हत्या के प्रयास और अवैध हथियारों से जुड़ी संगीन धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

रक्षा मंत्री ने किर्गिस्तान के विजय चौक पर श्रद्धांजलि अर्पित की, एससीओ बैठक में होंगे शामिल

बिश्केक, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह किर्गिस्तान के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने मंगलवार को बिश्केक के विजय चौक पर पुष्पांजलि अर्पित की, जो नाजी जर्मनी पर विजय को समर्पित एक स्मारक है।

रक्षा मंत्रालय ने एक्स के एक बयान में कहा, 'रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों की बैठक के लिए अपनी यात्रा के दौरान किर्गिस्तान के बिश्केक में विजय चौक पर पुष्पांजलि अर्पित की।' इसके बाद में वह शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेंगे।

आतंकवाद पर भारत का कड़ा रुख

रक्षा मंत्री सोमवार को एससीओ बैठक के लिए किर्गिस्तान के बिश्केक पहुंचे। बिश्केक स्थित भारतीय दूतावास ने एक्स पोस्ट में लिखा,' 27-28 अप्रैल 2026 को एससीओ सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए बिश्केक पहुंचने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी। 27 अप्रैल 2026 को मानस हवाई अड्डे पर राजदूत सिंह द्वारा स्वागत किया गया।' राजनाथ सिंह ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा,' किर्गिस्तान के लिए रवाना होने से पहले रक्षा मंत्री ने कहा कि वह विश्व में व्याप्त मौजूदा सुरक्षा चुनौतियों के बीच वैश्विक शांति के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को उजागर करेंगे और आतंकवाद और चरमपंथ के प्रति शून्य सहिष्णुता के भारत के निरंतर रुख से भी अवगत कराएंगे। मंगलवार को बिश्केक में होने वालें बैठक के दौरान एससीओ सदस्य देशों के रक्षा मंत्री क्षेत्र की रक्षा और सुरक्षा से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, मंत्री अंतरराष्ट्रीय शांति, आतंकवाद-विरोधी उपायों और एससीओ सदस्य देशों के बीच रक्षा सहयोग से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे।मंत्रालय ने उल्लेख किया 'इस वर्ष की एससीओ बैठक पश्चिम एशिया की स्थिति के कारण उत्पन्न भू-राजनीतिक उथल-पुथल की पृष्ठभूमि में हो रही है।

अमेरिका में हिंदू मंदिरों को खतरों से बचाने की तैयारी, कांग्रेस ने पेश किया बड़ा बिल; कैसे होगी सुरक्षा?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों पर हो रहे लगातार हमलों के बीच अमेरिकी कांग्रेस में एक नया प्रस्ताव रखा गया है। इसका उद्देश्य हिंदू मंदिरों और अन्य पूजा स्थलों को उत्पीड़न से बचाना है। लॉमेकर्स का कहना है कि अलग-अलग धर्मों के लोगों के लिए खतरे बढ़ रहे हैं। इस प्रस्ताव का नाम 'सेफगार्डिंग एक्सेस टू कांग्रेगेशन्स एंड रिलीजियस एस्टैब्लिशमेंट्स फ्रॉम डिसरप्शन' (सेक्रेड एक्ट) है। इसके तहत किसी भी पूजा स्थल के 100 फीट के दायरे में लोगों को डराना, रास्ता रोकना या परेशान करना संघीय अपराध माना जाएगा।

इस प्रस्ताव को टॉम सुओजी ने पेश किया था और मैक्स मिलर ने इसमें उनका साथ दिया। सुओजी ने कहा कि किसी को भी परेशान होने या डराए-धमकाए जाने का हकदार नहीं होना चाहिए, खासकर तब जब वे अपने पूजा स्थल की ओर जा रहे हों। वहीं, मिलर ने कहा कि हर अमेरिकी को बिना किसी डर, धमकी या उत्पीड़न के अपने धर्म का पालन करने का हक है।

बता दें अमेरिकी कांग्रेस का यह प्रस्ताव ऐसे समय में आया है जब धार्मिक स्थलों के आसपास हमलों और डराने-धमकाने की घटनाओं को लेकर चिंता बढ़ रही है। समर्थकों का कहना है कि हिंदू मंदिर, यहूदी प्रार्थना स्थल, मस्जिद और चर्च- सभी इस तरह की घटनाओं का सामना कर रहे हैं। 'हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन' ने कहा कि पूरे अमेरिका में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाने और उन्हें अपवित्र करने की घटनाओं में चिंताजनक बढ़ोतरी हुई है, जिससे श्रद्धालुओं में असुरक्षा की भावना पैदा हुई है।

ऐसे में इस कानून के तहत अगर कोई पहली बार दोषी पाया जाता है, तो उसे जुर्माना या एक साल तक की जेल हो सकती है। अगर वही व्यक्ति दोबारा ऐसा करता है, तो सजा और सख्त हो सकती है, जिसमें तीन साल तक की जेल भी शामिल है। यह बिल पीड़ितों को दीवानी (सिविल) मामले दर्ज करने का अधिकार भी देता है। इसके अलावा अमेरिका के अटॉर्नी जनरल समेत अधिकारी ऐसे मामलों में रोक लगाने और मुआवजा दिलाने के लिए कदम उठा सकते हैं।

गौरतलब है कि इस बिल को कई संगठनों का समर्थन मिला है, जिनमें 'एंटी-डेफेमेशन लीग', 'अमेरिकन ज्यूइश कमेटी' और 'इस्लामिक सोसाइटी ऑफ नॉर्थ अमेरिका' शामिल हैं। एंटी-डिफेमेशन लीग के अनुसार, यहूदियों के खिलाफ नफरत की घटनाएं बढ़ रही हैं।

लेबनान में इस्राइली हमलों में चार की मौत; यूएन महासचिव ने की होर्मुज को तुरंत खोलने की अपील

लेबनान, एजेंसी। ईरान ने प्रस्ताव में यह भी शामिल है कि इस्राइल से जुड़े या उसके स्वामित्व वाले जहाजों को होर्मुज से गुजरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अलावा, अन्य शत्रु देशों और उनसे जुड़े जहाजों पर भी सख्त प्रतिबंध लगाने की बात कही गई है। ईरान का कहना है कि जिन देशों ने उस पर प्रतिबंध लगाए या विदेशी बैंकों में उसके धन को रोककर आर्थिक नुकसान पहुंचाया है, उनसे जुड़े जहाजों पर लगाए गए टोल के जरिए उस नुकसान की भरपाई की जाएगी।

होर्मुज जलडमरूमध्य पर टोल लगाने की तैयारी : ईरान अब होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर टोल वसूलने की योजना पर काम कर रहा है। खास बात यह है कि यह शुल्क डॉलर या किसी विदेशी मुद्रा में नहीं, बल्कि ईरानी करेंसी रियाल में लिया जाएगा। ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी के अनुसार, इस संबंध में 11 बिंदुओं वाला प्रस्ताव तैयार किया गया है, जिसे समिति से मंजूरी मिल चुकी है। अब इसे संसद के मुख्य सदन में पेश किया जाएगा, जहां से मंजूरी मिलने के बाद यह कानून का रूप ले सकता है।

ईरान ने रूस के साथ बातचीत को बताया सकारात्मक : ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि मौजूदा क्षेत्रीय हालात तेजी से बदल रहे हैं और ऐसे समय में रूस के साथ हुई बातचीत बेहद सकारात्मक रही। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि हाल की घटनाएं यह दिखाती हैं कि ईरान और रूस के बीच रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है। अराघची ने कहा कि दोनों देशों के संबंध आगे बढ़ रहे हैं और ईरान रूस के समर्थन को महत्व देता है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने की होर्मुज को खोलने की अपील : संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने की अपील की है। सुरक्षा परिषद की बैठक में उन्होंने कहा कि जहाजों को बिना किसी टैक्स या भेदभाव के गुजरने देना चाहिए, ताकि वैश्विक अर्थव्यवस्था सांस ले सके। मार्च से इस रास्ते के बंद होने से दुनिया के तेल, गैस और खाद की आपूर्ति पर बुरा असर पड़ा है। गुटेरेस ने चेतावनी दी कि इससे अफ्रीका और दक्षिण एशिया में भुखमरी का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने इसे कोविड के बाद सबसे बड़ा आर्थिक झटका बताया और सभी पक्षों से बातचीत और संयम बरतने का आग्रह किया।

युद्धविराम के बावजूद लेबनान पर इस्राइली हमले जारी : इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हिजबुल्ला के रॉकेट और ड्रोन को देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताया है। उन्होंने कहा कि इस खतरे को खत्म करने के लिए सैन्य कार्रवाई जरूरी है। नेतन्याहू के मुताबिक, हिजबुल्ला के 122 एमएम रॉकेट और ड्रोन को रोकने के लिए तकनीक और सेना का इस्तेमाल करना होगा। सोमवार को इस्राइली सेना ने लेबनान की बेका घाटी और दक्षिणी इलाकों में हिजबुल्ला के 20 से ज्यादा ठिकानों पर हमले किए। इनमें हथियारों के गोदाम और रॉकेट लॉन्च पैड शामिल हैं। इन हमलों में चार लोगों के मारे जाने की खबर है। युद्धविराम के बावजूद इस्राइल का कहना है कि वह किसी भी संभावित खतरे को रोकने के लिए हमला करने का अधिकार रखता है।

48 घंटों में तीसरी बार पाकिस्तान दौरे पर पहुंचे ईरान के विदेश मंत्री अराघची : ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची मंगलवार को रूस से सीधे इस्लामाबाद पहुंचे। यह यात्रा अमेरिका के साथ संघर्ष को समाप्त करने के उद्देश्य से चल रहे राजनयिक प्रयासों का हिस्सा है। प्रेस टीवी के अनुसार, पिछले 48 घंटों में यह उनकी पाकिस्तान की तीसरी यात्रा है।

अराघची की यह नवीनतम यात्रा रूस और ओमान सहित कई देशों में उच्च स्तरीय मुलाकातों की श्रृंखला के बाद हुई है। इससे पहले, अराघची ने सेंट पीटर्सबर्ग में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ वार्ता की, जहां द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर चर्चा हुई। ईरानी विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची ने सोमवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। अराघची ने बताया कि पुतिन के साथ उनकी बैठक बहुत अच्छी रही। यह बातचीत डेढ़ घंटे से ज्यादा समय तक चली। इसमें अमेरिका और इस्राइल की आक्रामकता और युद्ध पर विस्तार से चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने आपसी संबंधों और क्षेत्र के ताजा हालातों पर भी विचार साझा किए। अराघची ने कहा कि बैठक में सहयोग बढ़ाने के लिए कई अच्छे सुझाव सामने आए। यह मुलाकात अराघची के तीन देशों के राजनयिक दौरे का हिस्सा थी। रूस आने से पहले उन्होंने पाकिस्तान और ओमान की यात्रा भी की थी।

बाली के इन मंदिरों को देखे बिना नहीं होगी इंडोनेशिया की ट्रिप पूरी

> यदि बाली में सर्वश्रेष्ठ हिंदू मंदिर की बात की जाए, तो उसमें तनाह लोट मंदिर का नाम अवश्य लिया जाता है। तनाह लोट मंदिर एक पर्यटन स्थल के रूप में बहुत लोकप्रिय है। तनाह लोट मंदिर समुद्री क्षेत्र में एक बड़ी मूंगा चट्टान पर बना है।

जब भी बाली घूमने की बात होती है, तो यकीनन सबसे पहले वहां के शानदार बीचेस को एक्सप्लोर करने का ही ख्याल मन में आता है। लेकिन यहां का प्राकृतिक सौंदर्य जितना बेहतरीन है, उतने ही आकर्षक है यहां पर स्थित मंदिर। प्राचीन बाली में कई मंदिर ऊंचे इलाकों और तटों पर स्थित हैं, जो शानदार सदियों पुरानी वास्तुकला को समेटे हुए हैं। भले ही आप स्वभाव से धार्मिक हों या ना हो, लेकिन फिर भी आपको इन मंदिरों में एक बार जरूर जाना चाहिए। यह मंदिर आपको बाली के सांस्कृतिक पक्ष से रूबरू होने का मौका देते हैं, साथ ही साथ मंदिर के पीछे की दिलचस्प इतिहास को जानकर यकीनन बेहद रोमांचित होंगे। तो चलिए आज हम आपको बाली में स्थित कुछ बेहतरीन मंदिरों के बारे में बता रहे हैं–

तनाह लोट मंदिर

यदि बाली में सर्वश्रेष्ठ हिंदू मंदिर की बात की जाए, तो उसमें तनाह लोट मंदिर का नाम अवश्य लिया जाता है। तनाह लोट मंदिर एक पर्यटन स्थल के रूप में बहुत लोकप्रिय है। तनाह लोट मंदिर समुद्री क्षेत्र में एक बड़ी मूंगा चट्टान पर बना है। तनाह लोट मंदिर क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए केवल तभी पहुँचा जा सकता है जब समुद्र का पानी कम हो। समुद्र के ज्वार के समय तनाह लोट मंदिर समुद्र के बीच में स्थित प्रतीत होता है। तनाह लोट मंदिर जाने का सबसे अच्छा समय सूर्यास्त से पहले दोपहर का है। दर्शन के बाद आप यहां पर सूर्यास्त भी अवश्य देखें। तनाह लोट में सूर्यास्त का दृश्य अद्वितीय और बाली में सबसे सुंदर दृश्यों में से एक है।

उलुवातु मंदिर

उलुवातु मंदिर को बाली के लोगों द्वारा पुरा लुहुर उलुवातु भी कहा जाता है और यह बाली में छह मुख्य हिंदू मंदिरों में से एक है। उलुवातु मंदिर अपनी वास्तुकला की विशिष्टता के अलावा, उलुवातु मंदिर स्थान एक बहुत ही खड़ी चट्टान के किनारे पर स्थित है और चट्टानों की समुद्र तल से लगभग 70 मीटर की ऊँचाई है। यहां पर सूर्यास्त के दृश्य के अलावा, उलुवातु मंदिर स्थान से पर्यटक हिंद महासागर के दृश्यों को भी देख सकते हैं। यहां पर आप बाली के डांस भी अवश्य देखें, क्योंकि बाली में एकमात्र स्थान जो सूर्यास्त के दौरान बाली केकक नृत्य पेशकश करता है वह उलुवातु मंदिर में है।

उलुन दानू बेरातन मंदिर

एक झील में एक स्वर्ग, वही वास्तव में उलुन दानू है। बेदुगुल में बेराटन झील के पश्चिमी किनारे पर स्थित, यह एक प्रसिद्ध फ्लोटिंग टेम्पल है, और बाली आने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए एक मनोरंजक स्थान है। इसकी संरचना के अलावा, यहाँ का शांत वातावरण और पॉजिटिविटभ् आपके मन, शरीर और आत्मा को फिर से जीवंत करने के लिए एकदम सही हैं। इंडोनेशिया के बाली के सभी मंदिरों में से यह सबसे शांत मंदिरों में से एक है।

बेसकिह मंदिर

बाली के सभी हिंदू मंदिरों में से, बेसकिह यहां पर सबसे बड़ा और सबसे पवित्र मंदिर परिसर है। इसके प्रवेश द्वार से जो एक सीढ़ी की तरह लगता है जो आपको सीधे स्वर्ग में ले जाता है। यकीन मानिए, यहां का वातावरण आपको निश्चित रूप से विस्मय कर देगा! बाली, इंडोनेशिया के सभी मंदिरों में, यह निश्चित रूप से बाली के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है।

शहर की भागदौड़ से ब्रेक चाहते हैं तो घूम आइए हिमाचल की इन जगहों पर

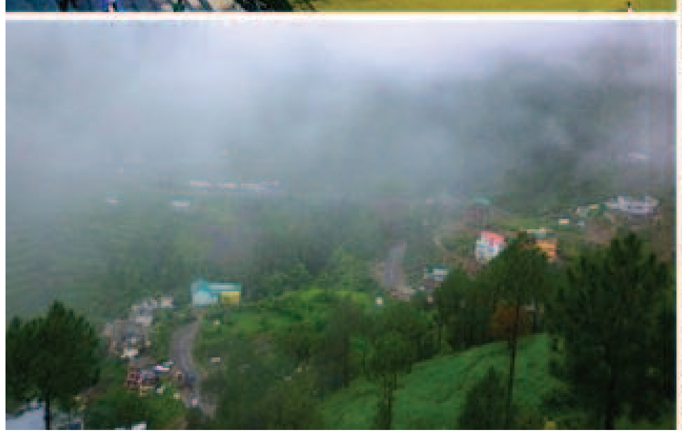

हिमाचल प्रदेश देश की सबसे सुंदर जगहों में से एक है। यह राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता, शुद्ध और शांत वातावरण और प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों के लिए जाना जाता है। हिमाचल प्रदेश में बहुत से हिल स्टेशन हैं जहाँ देश-विदेश से लोग घूमने आते हैं। यहाँ के ऊंचे पहाड़, खुले हरे मैदान, प्राचीन मंदिर-मठ और नीले पानी की झील नदियाँ पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। शहरों की भीड़-भाड़ और शोर-गुल भरी ज़िंदगी से दूर यहाँ का शांत वातावरण पर्यटकों को शांति प्रदान करता है। आज के इस लेख में हम आपको हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध हिल स्टेशनों की जानकारी देंगे। अगर आप भी घूमने का प्लान बना रहे हैं तो इन जगहों को अपनी लिस्ट में ज़रूर शामिल करें-

शिमला

शिमला हिमाचल प्रदेश की राजधानी होने के साथ-साथ हिमाचल का सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशन भी है। 2200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह देश की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। शिमला का मॉल रोड, रिज, टॉय ट्रेन यहाँ आने वाले पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। शिमला में कई ऐतिहासिक मंदिर और इमारतें भी हैं जिसे देखने दूर-दूर से लोग यहाँ आते हैं। इस शहर की सुंदरता और शुद्ध वातावरण यहाँ आने पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

मनाली

मनाली हिमाचल प्रदेश के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में से एक है। मनाली हिमाचल के कुल्लू जिले का एक हिस्सा है और यह पीर पंजाल और धौलाधार पर्वतमाला के बर्फ से ढकी ढलानों के बीच स्थित है। समुद्र तल से 1950 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह हिल स्टेशन अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए मशहूर है। यहाँ के हरे-भरे जंगल, फूलों से सजे मैदान और नदी में बहता ताज़ा पानी पर्यटकों को इस जगह से प्यार करने पर मजबूर कर देता है। यहाँ आकर पर्यटकों को सुकून मिलता है। इस हिल स्टेशन में कई मंदिर, संग्रहालय और प्रसिद्द गाँव हैं। पर्यटक यहाँ पर ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों पर ट्रेक्किंग करते हैं और यहाँ की सुंदरता का आनंद लेते हैं।

धर्मशाला

काँगड़ा घाटी से 17 किलोमीटर दूर स्थित धर्मशाला हिमचाल प्रदेश के सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशनों में से एक है। यहाँ के बर्फ से ढके धौलाधार पर्वत श्रृंखला इस जगह की खासियत हैं और इसे देश के सबसे खूबसूरत पर्यटक स्थलों में से एक है बनाते हैं। धर्मशाला को दलाई लामा के पवित्र निवास स्थान के रूप में भी जाना जाता है। इस शहर को अलग-अलग ऊंचाई के साथ दो हिस्सों में बाँटा गया है। इसके निचले हिस्से में धर्मशाला शहर और ऊपरी हिस्से को मैकलोडगंज के नाम से जाना जाता है। धर्मशाला में तिब्बती संस्कृति देखने को मिलती है और यहाँ बौद्ध धर्म के कई पवित्र स्थल हैं।

स्पीति घाटी

समुद्री तल से 12,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित स्पीति घाटी हिमाचल प्रदेश की सबसे प्रसिद्ध जगहों में से एक है। यह घाटी चारों ओर से हिमालय से घिरी हुई है जो इस जगह को बेहद खास बनाते हैं। स्पीति घाटी में ठंडे रेगिस्तान, बर्फ से ढके पहाड़, घुमावदार सड़कें और सुरम्य घाटियाँ हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। यह जगह यहाँ आने वाले पर्यटकों को उत्साह और रोमांच से भर देती है। स्पीति घाटी देश की सबसे ठंडी जगहों में से एक है और यह जगह साल के लगभग 6 महीने मोटी बर्फ से ढकी होती है।

कसौली

कसौली हिमाचल प्रदेश के सबसे मशहूर हिल स्टेशनों में से एक हैं। यह चंडीगढ़ से शिमला के रास्ते में स्थित एक छोटा सा पहाड़ी शहर है जो हिमालय पर्वत के निचले किनारों पर बसा हुआ है। हिमाचल के दक्षिण-पश्चिम भाग में स्थित कसौली शहरों की भीड़ और चकाचौंध से दूर बसा हुआ एक शांतिपूर्ण शहर है। देवदार के सुंदर जंगलो के बीच बसा कसौली शहर अंग्रेज़ों द्वारा बनाई गई भव्य विक्टोरियन इमारतों के लिए मशहूर है। कसौली की प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण इसे हिमाचल के सबसे खास पर्यटन स्थलों में से एक बनाता है।

किन्नौर

शिमला से लगभग 235 किलोमीटर की दूरी पर स्थित किन्नौर हिमाचल प्रदेश के सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशनों में से एक है। यह जगह को लैंड ऑफ़ गॉड के नाम से प्रसिद्ध है। किन्नौर सतलुज, बसपा और स्पीति नदी के बीच स्थित है और यह जगह अपने हरे-भरे मैदानों और चट्टानी पहाड़ों की सुंदरता के लिए काफी मशहूर है। किन्नौर का किन्नर कैलाश पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है और यहाँ आए पर्यटक किन्नर कैलाश देखने जरुर जाते हैं। माना जाता है कि किन्नर कैलाश भगवान शिव और शिवलिंग का है और इसके साथ ही इस पर्वत का संबंध पांडवों की कहानियों से बताया जाता है। किन्नौर में कई पुराने बौद्ध मठ और मंदिर भी हैं जो बहुत पवित्र माने जाते हैं और इन्हें देखने दूर-दूर से पर्यटक यहाँ आते हैं।

मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन है 'पचमढ़ी', घूमने के लिहाज से है बेहतरीन

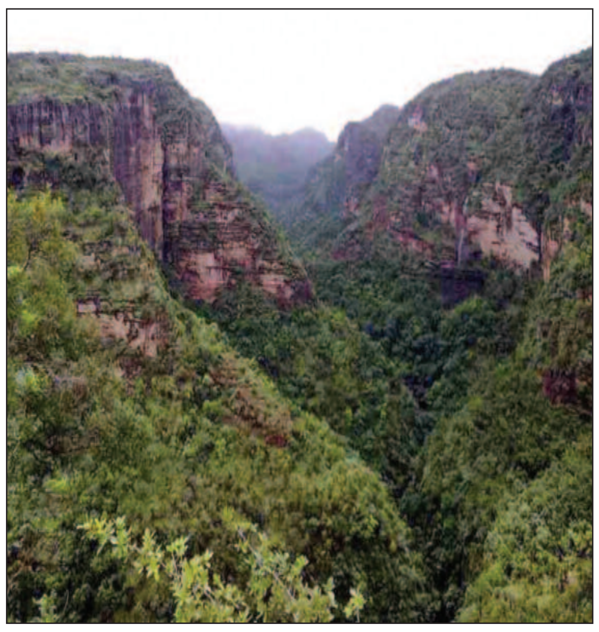

मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन, पचमढ़ी मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन है। इसे लोकप्रिय रूप से सतपुड़ा की रानी या क्वीन ऑफ़ सतपुड़ा कहा जाता है। यह हिल स्टेशन 1110 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और यूनेस्को बायोस्फीयर रिजर्व का हिस्सा है। यह हिल स्टेशन भारतीय इतिहास में भी एक पौराणिक महत्व रखता है। माना जाता है कि यह पांडवों के निर्वासन के दौरान उनका निवास स्थान था। पचमढ़ी पर्यटन स्थलों में कई गुफाएं, झरने, पहाड़ियां, मंदिर और वन्यजीव अभ्यारण्य शामिल हैं जो मध्य प्रदेश के इस खूबसूरत हिल स्टेशन को पर्यटकों के बीच लोकप्रिय बनाते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पंचमढ़ी के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों की जानकारी देंगे –

पांडव गुफाएं

पचमढ़ी में घूमने के लिए पांडव गुफाएं सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। शानदार सतपुड़ा पर्वतमाला की पृष्ठभूमि के साथ, पांडव गुफा 5 रॉक-कट बौद्ध मंदिरों का एक समूह है। पौराणिक स्रोतों से पता चलता है कि पांडव अपने निर्वासन के दौरान इन मंदिरों में रुके थे, इसलिए इसका यह नाम पड़ा। 9वीं शताब्दी में बने इन मंदिरों को सुंदर मूर्तियों और नक्काशी से सजाया गया है।

बी फॉल्स

बी फॉल्स, पचमढ़ी में स्थित एक खूबसूरत झरना है। इसे जमुना प्रपात के नाम से भी जाना जाता है। यह जलप्रपात पचमढ़ी घाटी के लिए पीने का पानी उपलब्ध कराता है। यह झरना एक सुंदर भनभनाहट के साथ बहता है इसलिए इसे बी फॉल्स के नाम से जाना जाता है। स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटकों के बीच, बी फॉल्स एक लोकप्रिय पिकनिक स्पॉट के तौर पर प्रसिद्ध है। बी फॉल्स में लोग अक्सर तैराकी के लिए जाते हैं। रोमांच पसंद करने वाले लोग धारा को पार करके, बी फॉल्स के माध्यम से दूसरे स्नान कुंड रजत प्रपात तक पहुंच सकता है।

जटा शंकर गुफाएं

जटा शंकर गुफाएं, पचमढ़ी के सबसे पवित्र स्थलों में से एक हैं। प्रचलित लोककथाओं के अनुसार, यह वह स्थान माना जाता है जहां भगवान शिव ने भस्मासुर के प्रकोप से खुद को छुपाया था। जटा शंकर गुफाएं एक विशाल चट्टान की छाया के नीचे एक प्राकृतिक शिवलिंगम का दावा करती हैं। इसके साथ ही, गुफा में पत्थर का निर्माण शेषनाग से मिलता जुलता है। वहीं, गुफाओं में चट्टान का निर्माण भगवान शिव के उलझे हुए बालों से मिलता जुलता है, इसलिए इसका यह नाम पड़ा।

धूपगढ़

धूपगढ़, सतपुड़ा श्रेणी का सबसे ऊँचा शिखर है, जिसकी ऊंचाई 1350 मीटर है। यह न केवल पचमढ़ी का उच्चतम बिंदु है बल्कि मध्य प्रदेश और मध्य भारत का उच्चतम बिंदु भी है। पचमढ़ी में सूर्यास्त देखना एक अद्भुत अनुभव है। इसके अलावा, यह स्थान एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल भी है। पर्यटकों के बीच, धूपगढ़ घूमने का सबसे अच्छा मौसम मानसून के दौरान होता है। बारिश के मौसम में यह स्थान बादलों से आच्छादित होता है।

बड़ा महादेव गुफा

बड़ा महादेव गुफा, पचमढ़ी से लगभग 10 किमी दूर स्थित है। यह भगवान महादेव का एक पवित्र तीर्थ है। यह 60 फीट लंबी गुफा है, जिसके अंदर भगवान ब्रह्मा, भगवान विष्णु और भगवान गणेश के भी मंदिर हैं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, बड़ा महादेव गुफा वह स्थान है जहां भगवान विष्णु ने एक दिव्य सौंदर्य मोहिनी का रूप लेकर राक्षस भस्मासुर का वध किया था। इसमें गुफा से लगातार पानी गिरता रहता है जो एक कुंड में जमा हो जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस कुंड में स्नान करने से कई बीमारियों का इलाज होता है।

रजत प्रपात

रजत प्रपात, पचमढ़ी का सबसे बड़ा जलप्रपात है। इस जलप्रपात का नाम रजत प्रपात इसलिए पड़ा क्योंकि जब इस पर सूरज की रोशनी पड़ती है तो यह चांदी के रंग में चमकता है। रजत प्रपात को 'सिल्वर फॉल' के नाम से भी जाना जाता है। यह झरना 107 मीटर की ऊँचाई से गिरता है। यह भारत का 30वां सबसे ऊंचा जलप्रपात है। रजत प्रपात को सतपुड़ा की रानी कहा जाता है।

एक नजर

केदारनाथ में प्लास्टिक कचरे का वैज्ञानिक तरीके से हो रहा निस्तारण

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा को स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए जिला प्रशासन ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर कार्य कर रहा है। इसके लिए यात्रा मार्ग पर व केदारनाथ क्षेत्र में प्लास्टिक व सूखे कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया जा रहा है। अभी तक 500 किलो सूखे कचरे से बेल (गट्ठर) तैयार की जा चुकी हैं।

नगर पंचायत केदारनाथ की ओर से सूखे वेस्ट प्रबंधन के लिए आधुनिक बेलिंग मशीन का उपयोग किया जा रहा है। इस मशीन से प्लास्टिक और अन्य सूखे कचरे को दबाकर बेल्स के रूप में तैयार किया जा रहा है। नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी नीरज कुकरेती ने बताया कि केदारनाथ में मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर स्थापित किया गया है। यह केंद्र हीलिंग हिमालयन फाउंडेशन के सहयोग से शुरू किया गया था, जहां सूखे कचरे का संग्रहण, पृथक्करण और प्रोसेसिंग की जा रही है।अब तक करीब 500 किलोग्राम सूखे कचरे को प्रोसेस कर बेल (गट्ठर) तैयार की जा चुकी हैं। इनके विक्रय से नगर पंचायत को लगभग 15 से 20 हजार रुपये की आय होगी है। कचरे के बेहतर प्रबंधन के लिए इसे 15 अलग–अलग श्रेणियों में बांटा गया है। उन्होंने श्रद्धालुओं से स्वच्छता बनाए रखने की अपील की।

गौरीकुंड में बनकर तैयार हुआ तप्तकुंड

रुद्रप्रयाग। गौरीकुंड में आपदा से क्षतिग्रस्त तप्तकुंड का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। इससे तीर्थयात्री व श्रद्धालु गर्म पानी से स्नानकर केदारनाथ धाम की ओर प्रस्थान कर रहे हैं। मंदिर नुमा बने इस तप्तकुंड में महिलाओं तथा पुरुषों के लिए अलग–अलग कक्ष बने हैं। महिलाओं के लिए पांच चेंजिंग रूम की व्यवस्था की गई है। वर्ष 2013 की आपदा में केदारनाथ, रामवाड़ा, गौरीकुंड और सोनप्रयाग आदि स्थानों पर भारी मात्रा में भूस्खलन होने से कई होटल, ढाबे और पौराणिक धरोहरें नष्ट हो गई थीं और तप्तकुंड क्षतिग्रस्त हो गया था। तब स्थानीय लोगों और डीडीएमए के कर्मचारियों ने इस जलस्रोत की दोबारा खोज की थी और इसे एक साधारण से टीन शेड में रूप में बनाया था। अधिशासी अभियंता राजबिंद सिंह ने बताया कि गर्मकुंड के बाहर बड़ी तीर्थयात्रियों के बैठने के लिए बेंच लगाई गई हैं। डीडीएमए ने 60 लाख की धनराशि खर्च करके इस स्थान पर नया तप्तकुंड बनाया है।

अगस्त्यमुनि नगर में लगे प्याऊ बने शोपीस

रुद्रप्रयाग। नगर पंचायत क्षेत्र में वनाग्नि की घटनाओं और अप्रैल माह की बढ़ती गर्मी का जनजीवन पर असर पड़ रहा है। यहां लगाए गए प्याऊमें पानी सूख रहा है। वहीं नगर में जगह–जगह लगे प्याऊशोपीस बनकर रह गए हैं। लाइब्रेरी मार्ग पर स्थित प्याऊमें जलापूर्ति ठप है। छात्र कार्तिक पुरोहित का कहना है कि पानी न होने के कारण उन्हें घर से ही पानी लेकर आना पड़ता है। व्यापारी सचिन माहेश्वरी ने बताया कि विजयनगर वार्ड संख्या पांच में भी लंबे समय से पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है। इससे यात्रियों व स्थानीय व्यापारियों पीने का पानी नहीं मिल रहा है। नगर पंचायत के अन्य वार्डों में भी प्याऊसूखे पड़े हैं। कमलेश जमलोकी ने बताया कि जहां गर्मी बढ़ रही है वहीं पेयजल संकट ने स्थित और खराब कर दी है। वहीं नगर पंचायत अध्यक्ष राजेंद्र गोस्वामी ने कहा कि जल संस्थान को जल्द व्यवस्था दुरुस्त कर प्याऊमें पानी की आपूर्ति शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं।

चलेगा सत्यापन अभियान, अपात्र राशन कार्ड होंगे निरस्त

रुद्रप्रयाग। जनपद में राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, एलपीजी घरेलू व व्यावसायिक कनेक्शन के सत्यापन के लिए प्रशासन अभियान चलाएगा। अपात्र लोगों के कार्ड निरस्त किए जाएंगे। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने बताया कि एक माह में राशन कार्डों और यूनिटों का सर्वेक्षण कर सत्यापन किया जाएगा। अभियान के जरिये अपात्र परिवारों को योजनाओं से बाहर और पात्र लोगों को लाभ दिया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में सत्यापन की जिम्मेदारी खंड विकास अधिकारी, सहायक पंचायत विकास अधिकारी और ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों को सौंपी गई है। वहीं शहरी क्षेत्रों में खाद्य अधिकारी, पूर्ति निरीक्षक और अधिशासी अधिकारियों को यह कार्य सौंपा गया है। जिलाधिकारी ने सभी राशन कार्डधारकों से अपील की है कि यदि वे अपात्र हैं तो स्वेच्छा से अपना राशनकार्ड संबंधित अधिकारी या जिला पूर्ति कार्यालय में जमा कर दें। सत्यापन के दौरान कोई भी अपात्र पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

छात्र महक अंसारी को किया सम्मानित

चमोली। राबाइंका में बुधवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान बोर्ड परीक्षाओं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले छात्राओं और संसद में आंबेडकर जयंती पर हुई भाषण प्रतियोगिता में उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करने वाली छात्रा महक अंसारी को सम्मानित किया गया। साथ ही डाक विभाग की ओर से आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में राज्य में तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली अनुष्का भंडारी को डाक विभाग की ओर से पांच हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। प्रधानाचार्य संगीता बिजल्वाण ने बताया कि इस दौरान जरूरतमंद छात्राओं को विद्यालय की ओर से गणवेश और जूते आदि दिए गए। इस मौके पर मुख्य अतिथि सभासद मनोज पुंडीर, संजीदा बेगम, हीरा देवी, सावित्री देवी आदि मौजूद रहे।

आशियाना तो बना मगर रोशन नहीं हुआ घर

चमोली। विकासखंड के उत्तरों गांव की एक महिला को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर मिला लेकिन बिजली कनेक्शन अभी तक नहीं लग पाया है। महिला दो साल से बिजली कनेक्शन के लिए चक्कर काट रही है लेकिन अभी तक कनेक्शन नहीं लग पाया है। उत्तरों गांव की आशा देवी के पति का निधन करीब दस वर्ष पूर्व हो चुका है। आशा की दो बेटियां हैं। एक का विवाह हो चुका है और एक अपनी बुआ के साथ रहती है। आशा अकेली गांव में रहती हैं और मजदूरी कर भरण पोषण करती हैं। आशा देवी का कहना है कि उन्हें करीब चार साल पूर्व पीएम आवास योजना में घर मिला जिसका निर्माण भी पूरा हो गया है। अब वह दो साल से बिजली कनेक्शन के लिए ऊर्जा निगम के कर्मियों, अधिकारियों से गुहार लगा रही हैं लेकिन कनेक्शन अभी तक नहीं मिला।

कल्जीखाल बीडीसी बैठक में जिला स्तरीय अधिकारी नदारद, सीडीओ ने जताई नाराजगी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विकासखंड कल्जीखाल की क्षेत्र पंचायत की त्रैमासिक बैठक में जिला स्तरीय अधिकारियों की अनुपस्थिति पर मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। यह बैठक बुधवार को ब्लॉक प्रमुख गीता देवी की अध्यक्षता में ब्लॉक सभागार में आयोजित की गई। ब्लॉक प्रमुख गीता देवी ने अनुपस्थित अधिकारियों के खिलाफ खंड विकास अधिकारी को पत्र लिखने को कहा है। सीडीओ गिरीश गुणवंत ने सभी संबंधित अधिकारियों को 15 दिन के भीतर क्षेत्र में जाकर जनप्रतिनिधियों से मिलने और उनकी समस्याओं की प्रगति रिपोर्ट बीडीसी सदन को प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। बीते मंगलवार को ब्लॉक प्रमुख गीता देवी ने जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया से मिलकर बीडीसी बैठक में जिला स्तरीय अधिकारियों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने का आग्रह किया था। बुधवार को कल्जीखाल ब्लॉक की

बीडीसी बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला स्तरीय अधिकारी अनुपस्थित रहे। मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत ने जिला स्तरीय अधिकारियों की अनुपस्थिति पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों की समस्याओं पर गंभीरता से ध्यान देने के निर्देश दिये। ब्लॉक प्रमुख गीता देवी ने भी इस स्थिति पर नाराजगी व्यक्त की और खंड विकास अधिकारी को अनुपस्थित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए पत्र लिखने को कहा। यह मुद्दा पिछली बैठकों में भी उठता रहा है, जहां जिला स्तरीय अधिकारी अक्सर अनुपस्थित रहते हैं। हालांकि बुधवार को हुई बैठक शांतिपूर्वक संपन्न हुई, लेकिन जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति भी कम रही।

इस अवसर पर ज्येष्ठ प्रमुख संजय पटवाल, क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रीति नेगी, क्षेत्र पंचायत सदस्य मनीष कुमार, खंड विकास अधिकारी चन्द्र प्रकाश बलूनी, एडीओ पंचायत अरुण रावत, प्रदीप रावत, दुर्गा प्रसाद भट्ट, एसडीओ विद्युत मुकेश कुमार, सहायक अभियंता फिरोज खान आदि मौजूद रहे।

अधिकारियों की अनुपस्थिति से विकास कार्य हो रहे प्रभावित

कनिष्ठ प्रमुख दीपक असवाल ने अधिकारियों पर जनप्रतिनिधियों के सवालों को गंभीरता से न लेने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस रवैये के कारण बीडीसी सदन से जनप्रतिनिधियों का विश्वास कम हो रहा है। क्षेत्र पंचायत सदस्य संजय डबराल ने भी इस बात पर जोर दिया कि यह समस्या पुरानी है और बार-बार दोहराई जा रही है। जनप्रतिनिधियों का मानना है कि अधिकारियों की अनुपस्थिति से विकास कार्यों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

आर्च ब्रिज पर चढ़ने वालों को रोकने के लिए लगाए चेतावनी बोर्ड

नई टिहरी। लोनिवि ने देवीसौड़ आर्च ब्रिज पर चढ़ने और पुल को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी जारी की है। विभाग ने इस संबंध में पुल पर चेतावनी बोर्ड लगा दिए हैं। चिन्यालीसौड़ में भागीरथी नदी के ऊपर बने आर्च ब्रिज लोगों की आवाजाही के अलावा सेल्फी प्वाइंट के लिए चर्चित हैं। इसके साथ ही कुछ दिनों पहले एक नेता ने अपनी मांगों को मनवाने के लिए पुल पर चढ़ कर पुलिस और प्रशासन के लिए मुश्किल खड़ी कर दी थी। काफी देर बाद प्रशासन और पुलिस ने उन्हें पुल से नीचे उतारा। इसके साथ ही इस पुल पर लोगों सेल्फी लेने पहुंचते हैं जिससे कभी भी दुर्घटना हो सकती है। इसके लिए लोनिवि ने पुल पर चेतावनी बोर्ड लगा दिया है ताकि लोग पुल पर लोग सेल्फी और पुल पर न चढ़ सके। लोनिवि के ईई सनी दयाल ने बताया कि पुल पर चेतावनी साइन बोर्ड लगा दिया गया है। पुल पर लोगों का चढ़ना, सेल्फी लेना या किसी भी तरह से संरचना को क्षति पहुंचाना खतरनाक हो सकता है।

नवविवाहिता की संदिग्ध मौत के मामले में पति और ससुर गिरफ्तार

नई टिहरी। सांकरी गांव में नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में पुलिस ने मृतका के पति और ससुर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है जिससे मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा। पुलिस के अनुसार सांकरी गांव निवासी गौरव राणा की पत्नी पूनम (22) की 25 अप्रैल को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। घटना के बाद मृतका के पिता शिव सिंह बिष्ट निवासी बनौली गांव ने बेटी की हत्या की आशंका जताते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि उनकी बेटी को दहेज के लिए लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था और इसी कारण उसकी हत्या की गई है। पिता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने 26 अप्रैल को मृतका के पति गौरव राणा, ससुर कुंवर सिंह राणा और

सास के खिलाफ दहेज उत्पीड़न और हत्या के आरोप में मुकदमा दर्ज किया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर पति और ससुर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। थानाध्यक्ष अजय कुमार जाटव ने बताया कि दोनों आरोपियों को न्यायालय के आदेश पर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। बताया कि सास की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

जल संरक्षण पर जागरूकता बढ़ाने पर हुआ कार्यक्रम

चमोली। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में जल संरक्षण पखवाड़ा के तहत यहां क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान डीएलएड प्रशिक्षुओं को जल संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षुओं में सामान्य ज्ञान, विज्ञान एवं समसामयिक विषयों के प्रति समझ बनाने के लिए आठ–आठ प्रशिक्षुओं को प्रत्येक समूह में शामिल किया गया। सामान्य अध्ययन, विज्ञान, खेल, करंट अफेयर्स, ऑडियो और विजुअल के माध्यम से आयोजित प्रतियोगिता छह राउंड में हुई जिसमें पांचवें ग्रुप के अंशुमान, कविता, देवेंद्र, सक्षम, राहुल, मनीष, जयदीप व अंशिका के समूह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दूसरे ग्रुप के रवींद्र, कीर्ति, आकांक्षा, ऋतु, राहुल, देवेंद्र, जय मिलन, और सुमन द्वितीय स्थान पाने में सफल रहे। कार्यक्रम का संचालन मृणाल जोशी ने किया।

सीएम हेल्पलाइन पर लंबित शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु चलेगा विशेष अभियान

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी गौरव कुमार ने बुधवार को सीएम हेल्पलाइन 1905 पर प्राप्त शिकायतों को लेकर समीक्षा बैठक ली। बैठक में 30 दिनों से अधिक समय से लंबित शिकायतों के शीघ्र निस्तारण के लिए अधिकारियों को विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों की साप्ताहिक समीक्षा सुनिश्चित करते हुए उनका समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से हेल्पलाइन मोबाइल ऐप डाउनलोड कर नियमित मॉनिटरिंग करने को भी कहा, ताकि शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि शिकायतों को बिना पर्याप्त कार्यवाही के फोर्स क्लोज न किया जाए तथा इस संबंध में विभागाध्यक्ष की संस्तुति अनिवार्य होगी। नियमों के उल्लंघन पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। कहा कि प्रत्येक शिकायत का समाधान शिकायतकर्ता की संतुष्टि तक किया जाना आवश्यक है। जिलाधिकारी ने विभागाध्यक्ष स्तर पर साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित करने, शिकायतकर्ताओं से सीधे संवाद स्थापित कर फीडबैक लेने तथा नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को किया पुरस्कृत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार, डॉ० पीतांबर दत्त बड़थ्वाल हिमालयन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार में वाणिज्य परिषद के तत्वाधान में आयोजित तत्क्षण वाद– विवाद प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता तथा चार्ट प्रतियोगिता के विजयी छात्र–छात्राओं को महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डी. एस. नेगी द्वारा प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार वितरित किये गए। इस अवसर पर विभाग प्रभारी प्रो० प्रीति रानी ने सत्र 2025–26 में वाणिज्य विभाग परिषद द्वारा समय–समय पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सत्र 2025–26 में वाणिज्य विभाग द्वारा 11 अप्रैल 2026 को वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक डॉ० एस० के० गुप्ता के नेतृत्व में तत्क्षण वाद–विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागी छात्र–छात्राओं ने उत्तराखंड में पर्यटन की संभावनाएं, सोशल मीडिया, महिला सशक्तिकरण, उद्यमिता विकास, इजरायल–ईरान युद्ध का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव, उत्तराखंड में बेरोजगारी एवं पलायन की समस्या तथा शेयर मार्केट में निवेश जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किये। इस प्रतियोगिता में मोहम्मद मुदस्सिर ने प्रथम स्थान, अपूर्वा रावत ने द्वितीय स्थान एवं आयुष प्रजापति ने

तृतीय स्थान प्राप्त किया। डॉ अंशिका बंसल के दिशा निर्देशन में "यू एस ईरान युद्ध का भारत पर प्रभाव" विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में नंदिनी गुप्ता ने प्रथम, साक्षी चौहान ने द्वितीय तथा मोहम्मद मुदस्सिर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। डॉ रिचा जैन के निर्देशन में आयोजित चार्ट प्रतियोगिता में नंदिनी गुप्ता ने प्रथम, अपूर्वा रावत ने द्वितीय तथा कुमकुम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उक्त समस्त विजयी प्रतिभागियों को महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो० (डॉ०) डी० एस० नेगी द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर प्रोफेसर नेगी ने छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए इस तरह के कार्यक्रमों में प्रतिभाग करने हेतु प्रेरित किया तथा विजयी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं प्रेषित की । कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ० एस० के० गुप्ता द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विभागीय प्राध्यापक डॉ प्रियंका अग्रवाल , डॉ संदीप अग्रवाल तथा बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस पर कार्यशाला

अल्मोड़ा। विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के अवसर पर बुधवार को एक विशेष कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें कृषि शोधों के संरक्षण और बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रति जागरूकता पर बल दिया गया। कार्यक्रम संस्थान के निदेशक डॉ. लक्ष्मी कांत की अध्यक्षता में हाइब्रिड माध्यम से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में आईटीएमयू के अध्यक्ष डॉ. एन.के. हेडाऊने बौद्धिक संपदा की वैश्विक महत्ता और संस्थान की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता डॉ. एस.के. वर्मा ने कृषि में बौद्धिक संपदा विषय पर व्याख्यान देते हुए 'पौधा किस्म संरक्षण एवं कृषक अधिकार' नियमों की जानकारी दी और संबंधित कानूनी प्रावधानों को विस्तार से समझाया। संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. आर.के. खुल्बे ने भौगोलिक उपदर्शन के महत्व पर चर्चा करते हुए स्थानीय उत्पादों की ब्रांडिंग और संरक्षण की आवश्यकता बताई।

वहीं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुराधा भारतीय ने कृषक किस्म के पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल तरीके से प्रस्तुत किया। डॉ. लक्ष्मी कांत ने कहा कि वर्तमान समय में कृषि अनुसंधान को बौद्धिक संपदा अधिकारों के माध्यम से सुरक्षित करना आवश्यक है। उन्होंने वैज्ञानिकों से नवाचारों के साथ उनके विधिक संरक्षण पर भी ध्यान देने का आह्वान किया।

स्रोत सूखा, टैंकर के चक्कर में प्रभावित हुई दिनचर्या

चमोली। बढ़ती गर्मी के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट गहराने लगा है। स्त्रोतों पर पानी कम हो रहा है जिससे लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। वहीं टैंकरों के आने का कोई निश्चित समय न होने के कारण ग्रामीणों का पूरा दिन पानी की व्यवस्था में बीत रहा है। सेमी ग्वाड़ में बुधवार को भी पानी की सप्लाई नहीं हो पाई।

देवतोली क्षेत्र में पीएमजीएसवाई कार्यालय के पास के कई घरों में पानी नहीं पहुंच पाया। इससे लोगों को पेयजल संकट झेलना पड़ रहा है। जलसंकट से जहां पुरुष समय पर काम पर नहीं जा पा रहे हैं वहीं महिलाओं का घर का काम भी प्रभावित हो रहा है। सेमी ग्वाड़ की अनीता देवी और पवित्रा देवी ने बताया कि एक हफ्ते से पानी नहीं आया है। टैंकर से पानी भरने के बाद ही वे जंगल जा पाती हैं। गर्मी भी तेज हो रही है। विजय कुमार ने कहा कि पानी भरने के लिए दो लोगों की जरूरत पड़ रही है और मवेशियों के लिए भी अधिक पानी चाहिए। जल संस्थान कर्णप्रयाग के सहायक अभियंता दिनेश पुरोहित का कहना है कि लोगों की समस्या को देखते हुए सुबह 8 से 8:30 तक टैंकर पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। पानी की समस्या दूर करने के लिए सभी संबंधित अधिकारी और कर्मचारी लगे हुए हैं।

थरालीबगड़ कस्बे में भी संकटः नारायणबगड़। थरालीबगड़ कस्बे में पेयजल व्यवस्था में सुधार न होने से लोगों की परेशानियां बढ़ गई हैं। नियमित जलापूर्ति न होने से निवासियों को जलस्त्रोतों का सहारा लेना पड़ रहा है। पानी की समस्या से होटल व्यवसायियों को नुकसान हो रहा है।

केदारनाथ में प्रशासन ने छह टेंट हटवाए

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम के पैदल मार्ग पर अवैध टेंट और अनाधिकृत गतिविधियों के खिलाफ जिला प्रशासन ने कार्रवाई की है। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के निर्देश पर सेक्टर मजिस्ट्रेट, सहायक सेक्टर अधिकारी और एमटीएफ सेक्टर लिनचोली की संयुक्त टीम ने पैदल मार्ग का निरीक्षण कर थारू कैंप में दो, छोटी लिनचोली में तीन तथा अन्य स्थानों पर एक कुल छह अनाधिकृत टेंट हटाए। प्रशासन ने कहा कि बिना अनुमति किसी भी प्रकार का टेंट लगाना प्रतिबंधित है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। इसके अलावा कुछ घोड़ा–खच्चर संचालकों के पास आवश्यक दस्तावेज नहीं मिले और मानकों के विपरीत संचालन करने पर उनके चालान किए गए। साथ ही संबंधित संचालकों के लाइसेंस निरस्त करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

बदरीविशाल के दर्शनों के लिए पहुंचे सूफी गायक कैलाश खैर

चमोली। सूफी भजन गायक कैलाश खैर ने बुधवार को भगवान बदरीनाथ के दर्शन किए और बदरीनाथ की पूजाओं में प्रतिभाग किया। उन्होंने दर्शनों के बाद सिंहद्वार पर श्रद्धालुओं के साथ भजन भी गाया। मंदिर समिति के प्रभारी अधिकारी गिरीश चौहान ने उन्हें बदरीनाथ का प्रसाद भेंट किया। कैलाश खैर ने मंदिर में विशेष पूजा–अर्चना में भाग लिया और देश–प्रदेश की सुख–समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि बदरीनाथ आकर आध्यात्मिक शांति और ऊर्जा का अनुभव होता है। उन्होंने धाम में यात्रा व्यवस्थाओं की सराहना की। इस मौके पर मंदिर अधिकारी राजेंद्र चौहान, धर्माधिकारी स्वयंबर सेमवाल,

वेदपाठी रविंद्र भट्ट, वाणी विलास डिमरी, प्रोटोकॉल अधिकारी प्रमोद नौटियाल, अवर अभियंता गिरीश रावत, संदीप कप्रवाण, वैभव नौटियाल, विकास सनवाल आदि मौजूद रहे।

आपदा प्रभावितों का सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

चमोली। पिछले वर्ष आपदा से प्रभावित नंदानगर के ग्रामीण आज भी परेशानी झेल रहे हैं। क्षेत्र में आपदा के बाद कोई भी सुरक्षात्मक कार्य नहीं हुए हैं। आपदा प्रभावित क्षेत्र में सात माह बाद भी पुनर्निर्माण के नाम पर एक पत्थर तक नहीं रखा गया। इससे गुस्साए धुर्मा गांव के आपदा प्रभावितों ने शासन–प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन कर नारेबाजी की। उन्होंने क्षेत्र में सभी जरूरी कार्य तुरंत शुरू करने की मांग उठाई। पिछले वर्ष 17 सितंबर की रात को अतिवृष्टि से धुर्मा, सेरा, फाली कुंतरी, सैंती कुंतरी व एससी बस्ती में भारी नुकसान हुआ था। नौ लोगों की मौत हुई थी जबकि कई घर, रास्ते, खेत और पुलिया आपदा में ध्वस्त हो गए थे। आपदा पीड़ितों का कहना है कि आठ माह बाद भी यहां कोई काम नहीं हुआ है। इससे गुस्साए आपदा प्रभावितों ने धुर्मा गांव में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि धुर्मा के आपदा प्रभावित आज भी किराये पर रह रहे हैं और उन्हें किराये की धनराशि भी नहीं दी गई है। सूबेदार भोपाल सिंह रावत (सेवानिवृत्त) का कहना है कि उनके क्षेत्र में आपदा के सात माह बाद भी बिजली की स्थायी व्यवस्था नहीं की गई है।

22वें दिन भी हड़ताल पर डटीं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता

रुद्रप्रयाग(। जनपद मुख्यालय में 21 सूत्री मांगों के लिए बीते 22 दिनों से धरने पर बैठीं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की अनिश्चितकालीन हड़ताल बुधवार को भी जारी रही। कार्यकर्ताओं ने कहा कि जब तक मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता तब तक आंदोलन जारी रहेगा। वक्ताओं ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता लंबे समय से न्यूनतम मानदेय पर सेवाएं दे रही हैं लेकिन उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। उन्होंने सेवानिवृत्ति पर 10 लाख रुपये आर्थिक सहायता देने, राज्य सरकार से 140 रुपये और केंद्र सरकार से 150 रुपये प्रतिदिन अतिरिक्त मानदेय वृद्धि करने, सुपरवाइजर पदों पर वरिष्ठता के आधार पर प्रतिवर्ष भर्ती प्रक्रिया शुरू करने आदि की मांग की। धरने पर ब्लॉक अध्यक्ष सुमन खंडूड़ी,उर्मिला देवी, सरोजनी देवी, विनीता देवी, राजेश्वरी देवी और सजनी देवी आदि मौजूद रहे।

त्रियुगीनारायण में 51 जोड़े शादी के बंधन में बंधे

रुद्रप्रयाग। त्रियुगीनारायण में इन दिनों श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ी है। सात ही अधिक संख्या में युवा भी शादी कर रहे हैं। बुधवार को यहां 51 जोड़ों ने सात फेरे हुए और वैवाहिक जीवन की शुरुआत की। केदारनाथ मंदिर के कपाट खुलने के बाद से यहां आने वाले यात्रियों की संख्या हजारों में पहुंच गई है। तीर्थपुरोहित समिति के पूर्व सचिव सर्वेशानंद भट्ट ने बताया कि बुधवार को 51 जोड़ों ने यहां शादी की। कपाट खुलने के बाद से ही पर्यटकों और श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ से व्यापारियों के चेहरे भी

खिले हुए हैं। त्रियुगीनारायण के व्यापार संघ अध्यक्ष महेंद्र सेमवाल ने बताया कि यात्रियों की संख्या बढ़ने से व्यापार को नई गति मिली है। इससे लोगों की आमदनी में इजाफा हुआ है और पर्यटन से जुड़े व्यवसायों में काफी तेजी आई है।

सूर्यवंशी की बल्लेबाजी देखना सिनेमा जैसा

अनुभवी बल्लेबाज पुजारा ने की जमकर तारीफ

नईदिल्ली (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी लगातार अपने आक्रामक अंदाज से सुर्खियां बटोर रहे हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में उन्होंने महज 16 गेंदों में 43 रन बनाकर टीम को तेज शुरुआत दिलाई, जिसने राजस्थान रॉयल्स की जीत की नींव रखी।

पुजारा ने की बड़ी तारीफ – भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने सूर्यवंशी की बल्लेबाजी को खास बताया। उन्होंने कहा- वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी देखना किसी सिनेमा से कम नहीं है। जिस तरह वह बिना किसी डर के हर गेंदबाज पर हमला करते हैं, वह शानदार है। उन्होंने आगे कहा- सबसे खास बात यह है कि विपक्षी टीम जानती है कि वह आक्रमण करेंगे, फिर भी उन्हें रोक पाना मुश्किल होता है। यही निरंतरता टीम को बढ़त दिलाती है।

पावरप्ले में मैच का रुख बदला – सूर्यवंशी की तेज शुरुआत ने पावरप्ले में ही मैच का रुख राजस्थान की ओर मोड़ दिया। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बनाया, जिससे बाद के बल्लेबाजों को आसानी से लक्ष्य का पीछा करने का मौका मिला।

चहल की शानदार गेंदबाजी – हालांकि मैच के बीच में चहल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पंजाब को मुकाबले में वापस लाने की कोशिश की। उन्होंने तीन महत्वपूर्ण विकेट लेकर रन गति पर लगाम लगाई। पुजारा ने चहल की तारीफ करते हुए कहा- चहल ने जिस तरह अपनी विविधता का इस्तेमाल किया, वह शानदार था। दबाव के बावजूद उन्होंने फ्लाइट और स्पीड में बदलाव जारी रखा, जो टी20 में बेहद अहम है।

अहमदाबाद में बेंगलुरु का विजय रथ आज गुजरात रोकना चाहेगी

अहमदाबाद (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में गुजरात टाईट्स और रायल चैलेंजर बैंगलुरु के बीच अहम मुकाबला आज अहमदाबाद में खेला जाएगा। टूर्नामेंट के आधे चरण के बाद गुजरात टाइटंस 8 मैचों में 4 जीत और 4 हार के साथ संघर्ष कर रही है, जबकि आरसीबी शानदार फॉर्म में है और 6 जीत के साथ दूसरे स्थान पर बनी हुई है।

आरसीबी की ताकत- गेंदबाजी का दम – आरसीबी की सफलता में उसके तेज गेंदबाजों की बड़ी भूमिका रही है। भुवनेश्वर कुमार अपनी स्विंग से बल्लेबाजों को परेशान कर रहे हैं, वहीं जोश हेजलबुड लगातार सटीक लाइन-लेंथ से दबाव बना रहे हैं। मिडिल ओवर्स में कृणाल पंड्या की विविधता भरी गेंदबाजी विरोधी टीम के लिए चुनौती बन रही है।

गुजरात की चिंता- टॉप ऑर्डर पर निर्भरता – गुजरात टाइटंस की बल्लेबाजी काफी हद तक उसके टॉप ऑर्डर पर निर्भर है। शुभगिन

गिल , साई सुदर्शन और जोस बटलर टीम के लिए लगातार रन बना रहे हैं। हालांकि, मिडिल ऑर्डर में वाशिंगटन सुंदर ने अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन शाहरुख खान और राहुल तेवतिया जैसे फिनिशर्स अब तक प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं।

पिछला मुकाबला और घरेलू रिकॉर्ड – दोनों टीमों के बीच हाल ही में खेले गए मैच में आरसीबी ने 206 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया था। वहीं गुजरात अपनी घरेलू पिच पर अब तक ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ पाई है और मोटेरा में खेले तीन में से दो मुकाबले हार चुकी है।

खिलाड़ियों पर नजर

आरसीबी के लिए विराट कोहली अहम भूमिका निभा सकते हैं। उनके साथ जैकब बेथेल को ओपनिंग का मौका मिल सकता है, जो अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं।

आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने हाल ही में कहा- हम अपनी प्रक्रिया पर ध्यान दे रहे हैं और हर मैच को अलग मानकर खेल रहे हैं। टीम के लिए अच्छी बात यह है कि हर मैच में कोई ना कोई खिलाड़ी प्रदर्शन कर रहा है।

बड़े पार्टनर होने का अनुभव कैसा है?

- **यशस्वी ने कहा 'मुझे नहीं लगता कि मैं बड़ा हूं। मैं अभी भी बहुत युवा हूं'**

चंडीगढ़ (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स ने 223 रनों का विशाल लक्ष्य हासिल कर पंजाब किंग्स के विजयी अभियान को रोक दिया। फ्रेंचाइजी के जाने-माने चेहरे जायसवाल ने अपनी 'ऑरेंज कैप' साथी खिलाड़ी और 15 साल के ओपनिंग पार्टनर वैभव सूर्यवंशी को सौंपी। जब ब्रॉडकास्टर ने जायसवाल से पूछा, 'बड़े पार्टनर होने का अनुभव कैसा है?' इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने मजाकिया अंदाज में कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं बड़ा हूं। मैं अभी भी बहुत युवा हूं। थोड़ा और सोच-समझकर बोलते हुए जायसवाल ने माना कि उम्र का यह अंतर उनके लिए एक अनोखी स्थिति थी। उन्होंने कहा, लेकिन हां, वह काफी छोटा है। इसलिए, सच कहूं तो मुझे समझ नहीं आ रहा कि इस बारे में क्या कहूं। बेशक यह बहुत बढ़िया है। मुझे उसके साथ बैटिंग करने में बहुत मजा आया और वह बहुत शानदार खेल रहा है। इसलिए जब मैं दूसरे छोर से उसे गेंद पर जोरदार शॉट लगाते देखता हूं, तो मुझे हमेशा खुशी होती है। आईपीएल 2026 में जायसवाल और सूर्यवंशी ने मिलकर विरोधी टीमों की जमकर धुनाई की है और साझेदारी के मामले में वे सबसे आगे चल रहे हैं। राजस्थान के लिए 9 पारियों में इन दोनों ने मिलकर 451 रन जोड़े हैं। आक्रामक सलामी साझेदारी पर बात करते हुए जायसवाल ने कहा, बेशक, हमें पता था कि यह एक हाई-स्कोरिंग मैदान है। इसलिए हमें अपना आक्रामक रवैया बनाए रखना था और जब भी मौका मिलता, हमें शॉट लगाना था। मैं भी यही सोच रहा था कि अगर गेंद मेरी रेंज में आती है, तो मैं उसे जरूर मारूंगा। और हां, हमें एक अच्छी शुरुआत की जरूरत थी क्योंकि हमें 200 या उससे ज्यादा रन बनाने थे। इसलिए यह बिल्कुल साफ था कि अगर गेंद हमारे खेलने के दायरे में आएगी, तो हम उसे जरूर मारेंगे।

न्यूजीलैंड ने महिला टी20 विश्व कप के लिए टीम की घोषणा की, इन खिलाड़ियों को मिला मौका

वेलिंगटन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने पिछले आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में खिताबी जीत वाली टीम में शामिल कुल 10 खिलाड़ियों को इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले आगामी टूर्नामेंट के लिए 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया है।

न्यूजीलैंड ने बुधवार को स्टार ऑलराउंडर मेली केर को टीम का कप्तान बनाया। इसी के साथ मौजूदा चैंपियन न्यूजीलैंड टी-20 विश्व कप के लिए अपनी टीम का घोषणा करने वाली दूसरी टीम बन गई। कीवी टीम में अनुभव और युवाओं का अच्छा मेल है, जिसमें अनुभवी सूजी बेट्स और डिवाइन अपने 10वें टी-20 विश्व कप में

खेलेंगी, जबकि नई खिलाड़ी नेन्सी पटेल और बल्लेबाज इजी शार्प का आईसीसी टूर्नामेंट में अपने पहले अनुभव के लिए टीम में स्वागत किया गया है। पहली पसंद की स्पिनर ईडन कार्सन अपनी लंबे समय से कोहनी की चोट के कारण टीम में नहीं चुनी जा सकीं।

न्यूजीलैंड के कोच बेन सॉयर ने कहा, मेरा मानना है कि हमें एक अच्छी तरह से बैलेंस्ड टीम मिली है जिसमें एक्सपीरियंस और रोमांचक युवा प्रतिभा का मिश्रण है। हमने पिछले 12 महीनों में अपनी बैटिंग डेप्थ को डेवलप करने के लिए बहुत मेहनत की है, खासकर दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के खिलाफ हमारी हालिया होम सीरीज में इसका फायदा देखने को मिला है। न्यूजीलैंड टी-20 वर्ल्डकप में ग्रुप 2 में होगा और नॉकआउट स्टेज से पहले इंग्लैंड, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, श्रीलंका और वेस्ट इंडीज के खिलाफ मैच खेलेगा।

विश्वकप के लिए न्यूजीलैंड टीम – मेली केर (कप्तान), सूज़ी बेट्स, सोफी डिवाइन, फ्लोरा डेवोनशायर, इजी गेज, मैडी ग्रीन, ब्रूक हॉलिडे, ब्री इलिंग, पॉली इंग्लिस, जेस केर, रोजमेरी मेयर, नेन्सी पटेल, जॉर्जिया प्लिमर, इजी शार्प और ली ताहुहू।

गोल्फ जगत में शोक की लहर

दिग्गज खिलाड़ी विजय कुमार का 57 वर्ष की उम्र में निधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपने जमाने के दिग्गज भारतीय गोल्फर विजय कुमार का उनके लखनऊ में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 57 वर्ष के थे। इंडियन ओपन 2002 के विजेता और चार

बार के 'ऑर्डर ऑफ मेरिट' चैंपियन विजय भारतीय पेशेवर गोल्फ के सबसे सफल और सम्मानित खिलाड़ियों में से एक थे। विजय ने 1988 में पेशेवर गोल्फर के रूप में करियर शुरू किया।

उन्होंने एक दशक से भी अधिक समय तक भारतीय घरेलू गोल्फ पर अपना दबदबा बनाए रखा और इस दौरान कई खिताब जीते। इंडियन ओपन 2002 में उनकी जीत विशेष रूप से उल्लेखनीय है। वह इंडियन ओपन जीतने वाले नौ भारतीय गोल्फरों में से एक हैं। विजय ने 1999 में स्कॉटलैंड के सेंट एंड्रयूज में अलफ्रीड दुनहिल कप में भी भारत का रिप्रेजेंटसन किया था।

डीपी वर्ल्ड प्रोफेशनल गोल्फ टूर आफ इंडिया के अध्यक्ष कपिल देव ने विजय कुमार के निधन को भारतीय गोल्फ के लिए बड़ी क्षति बताया। कपिल ने कहा, विजय कुमार भारतीय गोल्फ के महान खिलाड़ियों में से एक थे। अपनी उपलब्धयों, विनम्रता और खेल के प्रति समर्पण ने उन्हें गोल्फरों की कई पीढ़ियों के लिए एक आदर्श बना दिया। उनका निधन भारतीय गोल्फ के लिए बड़ी क्षति है। हम उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं।

एआईएफएफ यूथ लीग

पंजाब एफसी का जलवा बरकरार, फाइनल में 3-0 से शानदार जीत

नईदिल्ली (एजेंसी)। पंजाब एफसी ने एआईएफएफ एलीट यूथ लीग 2025-26 का खिताब सफलतापूर्वक डिफेंड करते हुए फाइनल में जिंक फुटबाल एकादमी को 3-0 से हराया। गढ़शंकर के रामसर साहिब स्पोर्ट्स स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पंजाब स्रष्ट ने दूसरे हाफ में दमदार प्रदर्शन किया।

10 मिनट में मैच खत्म – दूसरे हाफ में महज 10 मिनट के अंदर पंजाब स्रष्ट ने तीन गोल दागकर मैच अपने नाम कर लिया। 69वें मिनट में कृष शोरम ने शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके ठीक एक मिनट बाद 70वें मिनट में कप्तान विशाल यादव ने गोल कर बढ़त को दोगुना कर दिया।

तीसरे गोल से पक्की जीत – पंजाब एफसी का आक्रमण यहीं नहीं रुका और 79वें मिनट में थोग्राम रिषीकांत सिंह ने तीसरा गोल दागकर जीत पूरी तरह सुनिश्चित कर दी।

पहले हाफ में बराबरी की टक्कर – पहले हाफ में पंजाब स्रष्ट ने गेंद पर ज्यादा नियंत्रण रखा और लगातार हमले किए, लेकिन जिंक फुटबाल एकाडमी के गोलकीपर स्मारनिक थापा ने कई शानदार बचाव किए।

मैड्रिड ओपन में बड़ा उलटफेर, हेले बाप्टिस्ट ने सबालेंका को हराया

मैड्रिड (एजेंसी)। हेले बाप्टिस्ट ने मैड्रिड ओपन 2026 में बड़ा उलटफेर करते हुए वर्ल्ड नंबर-1 सबालेंका को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। बाप्टिस्ट ने एक सेट से पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए 2-6, 6-2, 7-6(6) से जीत दर्ज की। यह मुकाबला करीब ढाई घंटे तक चला और उनके करियर की सबसे बड़ी जीत साबित हुआ।

छह मैच प्वाइंट बचाकर पलटा मैच – इस मुकाबले में बाप्टिस्ट ने असाधारण मानसिक मजबूती दिखाई। उन्होंने छह मैच प्वाइंट बचाते हुए मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचाया और अंत में लगातार तीन अंक जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ उन्होंने सबालेंका की 15 मैचों की जीत का सिलसिला भी खत्म कर दिया।

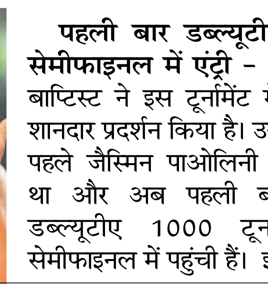

पहली बार डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल में एंट्री – 24 वर्षीय बाप्टिस्ट ने इस टूर्नामेंट में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने इससे पहले जैस्मिन पाओलिनी को हराया था और अब पहली बार किसी डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची हैं। इससे पहले उन्होंने कभी टॉप-5 खिलाड़ी को नहीं हराया था, लेकिन इस बार उन्होंने लगातार बड़े नामों को मात दी है।

मैच का टर्निंग पॉइंट – पहले सेट में सबालेंका पूरी तरह हावी नजर आईं और आसानी से सेट जीत लिया। लेकिन दूसरे सेट में बाप्टिस्ट ने आक्रामक खेल दिखाया और सबालेंका की गलतियों का फायदा उठाते हुए मैच बराबर कर दिया।

विनेश फोगाट ने डब्ल्यूएफआई पर

बाधा डालने के आरोपों के बाद रैंकिंग प्रतियोगिता के लिए किया पंजीकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार पहलवान विनेश फोगाट ने मंगलवार को पुष्टि की कि उन्होंने गोंडा में होने वाले आगामी रैंकिंग टूर्नामेंट के लिए सफलतापूर्वक पंजीकरण कर लिया है। उन्होंने इससे पहले आरोप लगाया था कि भारतीय कुश्ती महासंघ उनकी भागीदारी में बाधाएं उत्पन्न कर रहा है। उनके देर से पंजीकरण को लेकर पैदा हुई भ्रम की स्थिति के बीच यह स्पष्टीकरण सामने आया है।

डब्ल्यूएफआई का कहना था कि पंजीकरण पोर्टल में तकनीकी समस्याओं के कारण केवल विनेश ही नहीं, बल्कि कई पहलवान शुरुआत में प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए थे। बाद में लिंक उपलब्ध होने पर विनेश अपना पंजीकरण कराने में सफल रहीं। विनेश ने सोशल मीडिया पर लिखा, आगामी रैंकिंग टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए मेरा पंजीकरण आज सुबह पूरा हो गया। कल लिंक बंद होने के कारण मैं पंजीकरण नहीं कर पाई थी। सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद। 20 महीनों के बाद अपनी पहली प्रतियोगिता में उतरने को लेकर उत्साहित हूं।

विनेश ने कहा कि पंजीकरण आज सुबह ही पूरा हो सका, जबकि डब्ल्यूएफआई से मिली जानकारी के अनुसार उनका पंजीकरण सोमवार रात 10-29 बजे पूरा हो गया था। विनेश 10 से 12 मई तक गोंडा में होने वाले राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में 57 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी। पेरिस ओलंपिक 2024 में अधिक वजन के कारण अयोग्य घोषित होने के बाद यह उनकी पहली प्रतियोगिता होगी। उन्होंने इससे पहले संन्यास की घोषणा कर दी थी, लेकिन इस साल के एशियाई खेलों और 2028 ओलंपिक खेलों को ध्यान में रखते हुए अपना फैसला बदल दिया। वह अक्टूबर 2024 में हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के टिकट पर विधायक चुनी गई और इसी दौरान मां भी बनीं।

चीन से 0-5 से हारकर भारत उबेर कप से बाहर

अब थॉमस कप पर निगाहें

होर्सेंस (डेनमार्क)(एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु मजबूत स्थिति में होने का फायदा नहीं उठा पाई जबकि अन्य खिलाड़ियों ने भी महत्वपूर्ण मौकों पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया जिससे भारत उबेर कप में चीन से 0-5 से हारकर इस बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

भारतीय महिला टीम ने मेजबान डेनमार्क से 2-3 की हार के साथ शुरुआत की थी, लेकिन उसके बाद उसने यूक्रेन पर 4-1 से जीत हासिल करके क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीद बनाए रखी थी।

उबेर कप में 16 बार के चैंपियन चीन से भारत को पिछले तीनों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है. सिंधु ने भारत की तरफ से शुरुआत की जबकि उन्नति हुडा और तन्वी शर्मा की जगह अन्य दो एकल मुकाबलों के लिए ईशरानी बरुआ और देविका सिहाग को टीम में शामिल किया

गया।

सिंधु निर्णायक सेट में 18-12 से आगे थी लेकिन आखिर में वह विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी वांग झियी से 16-21, 21-19, 19-21 से हार गई. इससे चीन ने सोमवार को ग्रुप ए के इस महत्वपूर्ण मुकाबले में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली।

सिंधु ने बाद में कहा, 'यह एक अच्छा मैच था. अगर मैं जीत हासिल करने में सफल रहती तो और भी अच्छा होता. मुझे मौके मिले, लेकिन ऐसा नहीं था कि कुछ अंक आसान थे. प्रत्येक अंक के लिए कड़ा मुकाबला हुआ. हम वास्तव में प्रत्येक अंक के लिए बहुत संघर्ष कर रहे थे।' प्रिया कोंजेंगबम और श्रुति मिश्रा पहले युगल मुकाबले में विश्व की नंबर एक जोड़ी लियू शेंग शू और टैन निंग के सामने नहीं टिक पाई और 11-21, 8-21 से हार गई।

इशारानी बरुआ ने तोक्यो ओलंपिक चैंपियन चेन युफेई के सामने कड़ी चुनौती पेश की लेकिन विश्व में 38वें नंबर की भारतीय खिलाड़ी ने पहले गेम में 20-19 पर एक आसान मौका गंवा दिया. विश्व में चौथे नंबर की खिलाड़ी युफेई ने यह मैच 44 मिनट में 22-20, 21-13 से जीतकर चीन को 3-0 की अजेय बढ़त दिला दी।

दूसरे युगल में त्रीसा जॉली और कविप्रिया सेल्वम की जोड़ी को 59 मिनट तक चले मुकाबले में लूओ जू मिन और झांग शू जियान से 10-21, 21-12, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा।

राजस्थान के कप्तान रियान पराग ई-सिगरेट पीते दिखे

- **ड्रेसिंग रूम का वीडियो वायरल, देश में बैन, बीसीसीआई कार्रवाई कर सकता है**

मुल्लांपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स आईपीएल 2026 में एक बार फिर विवादों घिर गई है. इस बार टीम अपने कप्तान रियान पराग के गलत कारणों से सुर्खियों में आई है. यह दाएं हाथ का बल्लेबाज पहले से ही अपने खराब प्रदर्शन के कारण सवालों के घेरे में है, और अब एक और विवाद ने उन पर सबका ध्यान खींच लिया है. दरअसल सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक मैच के दौरान लाइव प्रसारण के एक क्लिप में रियान पराग को ड्रेसिंग रूम में ई-सिगरेट का इस्तेमाल करते हुए देखा गया।

यह घटना न्यू-चंडीगढ़ के मुल्लांपुर में पंजाब किंग्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के 223 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के दौरान 16वें ओवर में कैमरे में कैद हुई. फैंस ने तुरंत इस पल को पकड़ लिया, और तब से यह क्लिप सोशल मीडिया पर खूब शेयर की जा रही है. हालांकि इस मैच को राजस्थान ने 6 विकेट से अपने नाम कर लिया था, जिसकी वजह से पंजाब को इस सीजन पहली हार का सामना करना पड़ा।